

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राप्तिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 34] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 22, 1970/शावण 31, 1892

No. 34] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 22, 1970/SRAVANA 31, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह धरण संकलन के एप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—पार्ट 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य-सेक्यूरिटी को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये विविध के अस्तर्गत बमाये और जारी किये गये साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के घावेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)।

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories).

RESERVE BANK OF INDIA

(Exchange Control Department)

(Central Office, Bombay)

Bombay, the 2nd July 1970

G.S.R. 1180.—In pursuance of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance No. 12(12)-F/1/49 dated the 10th September, 1949 the Reserve Bank hereby directs that the following further amendment shall be made to its Notification No. F.E.R.A. 212/63-RB dated the 21st February, 1963, namely:—

Sub-clause (a) of Clause (i) and Sub-Clause (b) of Clause (ii), of the said Notification shall be deleted.

[No. F.E.R.A. 248/70-R.B.]

(Sd.) Illegible,

Deputy Governor.

रिजर्व बैंक आफ इंडिया

(विदेशी मुद्रा नियन्त्रण विभाग)

(कम्प्रीय कार्यालय, बःबई)

बम्बई 2, जुलाई 1970

सांकेतिको 1180.—आर० बी० भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की अधिसूचना सं० 12(12)—एफ० 1/49 तारीख 10 सितम्बर, 1949 के अनुसरण में, रिजर्व बैंक इसके जरिए यह निदेश देता है कि उसकी अपनी अधिसूचना सं० एफ०ई०आर०ए० 212/63 आर० बी० तारीख 21 फरवरी 1963 में निम्नलिखित और संशोधन किया जाए :—

उक्त अधिसूचना के खंड (I) के उपन्खंड (अ) और खंड (II) के उपन्खंड (आ) को हटा दिया जाए।

[सं० एफ०ई०आर०ए० 248/70]

पी० एन० डमरी,
उप गवर्नर।

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

Bombay, the 24 June 1970

G.S.R.1181.—In exercise of the powers conferred by clause (d) of section 3 of the Atomic Energy Act, 1962 (33 of 1962), the Central Government hereby declares the areas specified in column 2 of the Schedule below to be prohibited areas.

SCHEDULE

Sr. No.	Name of the prohibited areas No.	Boundaries or other description
1	2	3
1.	Tarapur Atomic Power Station	Tarapur, Maharashtra Area bounded by :— <i>North</i> :— Survey numbers 56 part, 57 part, 50 part, 49, 48 part, 47, 46, 44, 45, 77, 78, 84 part, 42, 41, 40, 84A part of Ghivoli Village.
2.	Power Reactor Fuel Reprocessing Division	<i>East</i> :— Survey No. 84A part of Ghivoli village and survey No. 86 of Akarpatti village. <i>South</i> :— Survey numbers 252, 47, 44, 43, 42, 41, 39, 38, 310, 236A 1/1 part, 15 part, 19 part of Akarpatti village as delineated by the continuous barbed wire fencing. <i>West</i> :— Sea.

[No. 7/2(25)/69-PP].
G. L. GARGA, Under Secy.

परमाणु ऊर्जा विभाग

बम्बई 24 जून, 1970

जी० एस० आर० 1181.— परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 (मन 1962 का 33 वां अधिनियम) कीधारा 3 के खण्ड (घ) के अन्तर्गत दिये गये अधिकारों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार ने नीचे दी गई अनुसूची के स्तम्भ 2 में उल्लिखित क्षेत्र कों “वर्जित क्षेत्र” घोषित किया हैः—

अनुसूची

अम सं वर्जित क्षेत्र का नाम

सीमाएं तथा अन्य विवरण

1 तारापुर परमाणु बिजलीघर तारापुर क्षेत्र की सीमाएं निम्नलिखित हैः—

भाराष्ट्र उत्तर

2 पावर रिएक्टर ईधन संसाधन गिवोली गांव के सर्वेक्षण अंक 56 का भाग, 57 का भाग, 50 का भाग, 49, 48 का भाग, 47, 46, 44, 45, 77, 78, 84 का भाग, 42, 41, 40, 84 ए का भाग

पूर्व

गिवोली गांव के सर्वेक्षण अंक 84 ए का भाग तथा अकार पट्टी गांव का सर्वेक्षण अंक 86

दक्षिण

अकारपट्टी गांव के सर्वेक्षण अंक 252, 47, 44, 43, 42, 41, 39, 38, 310, 263 ए— 1/1 का भाग, 15 का भाग, 19 का भाग जिसे कांटेदार तारों की बाढ़ लगा कर पृथक किया गया है।

पश्चिम

समद्र

[संख्या 7/2(25)/69-पी पी]

जी० एल० गग्न,
अवर सचिव

Madras, the 20th July, 1970

G.S.R. 1182.—In exercise of the powers conferred by clause (d) of Section 3 of the Atomic Energy Act, 1962 (33 of 1962), the Central Government hereby declares the areas specified in column (1) of the Schedule below, with the boundaries and description specified in the corresponding entry in column (2) thereof, to be prohibited areas.

SCHEDULE

Name of the prohibited area (1)	Boundaries and description. (2)
1. Madras Atomic Power Project 2. Reactor Research Centre.	The entire village in No. 195 Kalpakkam. } The village in No. 176 Edaiyur excluding S. Nos. 66, 104, 106, 131, 254 and part of 252. S. Nos. 164, 163, 141, 140 and 137 of village 194 Kunnathur. The village in No. 175 Kokkilimedu excluding S. Nos. 129, 109, 141, 142, 138, 139, 136, 137, 77, 62, 61, 133, 132, 41, 131, 32, 12, 145, 11, 10, 1, 9, 30, 31, 24, 23, 13, 8, 2, 29, 22, 14, 7, 25, 28, 26, 21, 19, 20, 15, 3, 6, 27, 18, 16, 5, 4, 17 123, 124, 144 and part of 125. The above block of land will be bounded by the Bay of Bengal in the East, S. Nos. 233, 226, 225, 224 and 223 of village [No. 197 Meyyur in the South, Buckingham Canal in the West and S. Nos. 30, 29, 28 27, 123, 144, and 130 (Part) of village No. 175 Kokkilimedu in the North.

[No. DAE(M)/4(1)/70.]

N. S. SIVA, Jt Secy.

मद्रास, 20 जलाई, 1970

सं० जी० एस० आर० 1182.—परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 सन् 1962 का 33वाँ अधिनियम) की धारा 3 के खण्ड (ष) के अन्तर्गत दिए गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा नीचे दी गई अनुसूची के स्तम्भ (1) में उल्लिखित क्षेत्र को, जिसकी सीमाएं तथा विवरण अनुसूची के स्तम्भ (2) में दिए गए हैं, “वर्जित क्षेत्र” घोषित करती है :—

अनुसूची

वर्जित क्षेत्र का नाम

सीमाएं तथा विवरण

1

2

1 मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना
2 रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

}

कलपशक्ति में अंक 195 के अन्तर्गत आने वाला
पूरा गांव ।

अंक 176 एड्डेयर में क्रमांक संख्या 66, 104,
106, 131, 254 तथा 252 के भाग को छोड़
कर ग्राम का शेष सभी भाग ।

ग्राम 194 कुम्भत्तुर के क्रमांक 164, 163, 141,
140 तथा 137 ।

अंक 175 को विकलिमेड में क्रमांक संख्या 129,
109, 141, 142, 138, 139, 136, 137,
77, 62, 61, 133, 132, 41, 131, 32,
12, 145, 11, 10, 1, 9, 30, 31, 24, 23,
13, 8, 2, 29, 22, 14, 7, 25, 28, 26,
21, 19, 20, 15, 3, 6, 27, 18, 16, 5,
4, 17, 123, 124, 144 तथा 125 के भाग
को छोड़ कर ग्राम का शेष भाग)

भूमि के उपरोक्त खण्ड की सीमाएं पूर्व में बंगाल
की खाड़ी ; दक्षिण में ग्राम अंक 197 मध्यूर
के क्रमांक 233, 226, 225, 224, तथा
223 ; पश्चिम में बंकिघम नहर तथा उत्तर
में ग्राम अंक 175 को विकलिमेड के क्रमांक
30, 29, 28, 27, 123, 144, तथा 130
(भाग) होगी ।

(संख्या डी० ए० ई० (एम) 4(1) 70)

एन० एम० शिवा,
संयुक्त सचिव, भारत सरकार

MINISTRY OF LAW**(Department of Legal Affairs)***New Delhi, the 15th June 1970*

G.S.R. 1183.—In exercise of the powers conferred by rule 1 of Order XXVII of the First Schedule to the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Law No. S.R.O. 351, dated the 25th January, 1958, relating to the signing and verification of plaints and written statements in suits in any court of Civil jurisdiction by or against the Central Government, namely:—

In the Schedule to the said notification:—

(1) under the heading “V-A. DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY”, after the sub-heading (v), the following sub-heading shall be inserted namely:—

(vi) *Nuclear Fuel Complex.*

Officer on Special Duty,

Scientific Officer/Engineer Grade SF,

Senior Administrative Officer.”

(2) under the heading “VII—MINISTRY OF DEFENCE”:—

(a) under the sub-heading, “ARMY”, for the existing entry ‘Officer Commanding, Station’, the following entries shall be substituted namely:—

“Officer Commanding Station or Administrative Commandant/Staff Officer of Station Headquarters”;

(b) for the sub-heading “NAVY” and the entries occurring there under, the following shall be substituted, namely :—

“2—NAVY

1. Chief of the Naval Staff.

2. Vice-Chief of the Naval Staff.

3. Flag Officer Commanding-in-Chief, Western Naval Command.

4. Flag Officer Commanding-in-Chief, Eastern Naval Command.

5. Admiral Superintendent, Naval Dockyard, Bombay.

6. Director General, Naval Dockyard Expansion Scheme, Bombay.

7. Commodore Commanding Southern Naval Area, Cochin.

8. Naval Officer-in-Charge.

9. Resident Naval Officers.

10. Commanding Officers of Ships and Establishments.”;

(3) under the heading “XVII—MINISTRY OF TRANSPORT AND COMMUNICATIONS”, under the sub-heading Road Wing, the following entries shall be inserted, at the end, namely:—

“the Executive Engineers, Public Works (Roads) Department, West Bengal.
Assistant Engineers, Public Works (Roads) Department, West Bengal.”

[No. F. 16(1)/70-J.]

DALIP SINGH.

Dy. Legal Adviser.

विधि मंत्रालय

(विधी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 15 जून, 1970

सा०का०नि० 1183—सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) की प्रथम अनुसूची के आदेश 27 के नियम 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार, विधि मंत्रालय की अधिसूचना सं० मा०का०नि० 351, तारीख 25 जनवरी, 1958 में, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा या उसके विरुद्ध सिविल अधिकारिता वाले किसी न्यायालय में दिए गए वादों में वादपत्रों या लिखित कथनों के हस्ताक्षणित किए जाने और सत्यापित किए जाने से सम्बन्धित है, एतद्वारा निम्न-लिखित अपर संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में :—

(1) “**V-क. परमाणु ऊर्जा विभाग**” शीर्षक के अन्तर्गत, उपन्शीर्षक (v) के पश्चात, निम्नलिखित उपन्शीर्षक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(vi) न्यूक्लियर फुएल काम्प्लेक्स

विशेष कार्य अधिकारी,

वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रुप एस०एफ०,

ज्येष्ठ प्रशासन अधिकारी।”

(2) “**vii—रक्त मंत्रालय**” शीर्षक के अन्तर्गत :—

(क) “**सेना**” उपन्शीर्षक के अन्तर्गत वर्तमान प्रविष्टि “अफसर कमांडिंग, स्टेशन” के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—
“अफसर कमांडिंग स्टेशन या प्रशासनकमांडेंट/स्टाफ अफसर, स्टेशन मुख्यालय” ;

(ख) “**नौसेना**” उपन्शीर्षक और उसके अन्तर्गत आने वाली प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“2—नौसेना

1. नौसेनाध्यक्ष ।

2. नौसेनान्त्पाध्यक्ष ।

3. फ्लेग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, पश्चिमी नौसेना कमान।

4. फ्लेग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, पूर्वी नौसेना कमान ।

5. एडमिरल अधीक्षक, नौसेना डाक यार्ड, बम्बई ।

6. महानिवेशक, नौसेना डाक यार्ड विस्तार स्कीम, बम्बई ।

7. कमोडोर कमांडिंग, दक्षिणी नौसेना थोक, कोचीन ।

8. नौसेना भारसाधक अधिकारी ।

9. निवासी नौसेना अधिकारी ।

10. पोत और स्थापन कमान-अफसर।”

(3) "xvii—परिवहन और संचार मंत्रालय" शीर्षक के अन्तर्गत "सड़क विग" उपशीर्षक के अन्तर्गत, निम्नलिखित प्रविधियां अन्त में अन्तःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

"कार्यपालक इंजीनियर, लोक निर्माण (सड़क) विभाग, पश्चिमी बंगाल।
सहायक इंजीनियर, लोक निर्माण (सड़क) विभाग, पश्चिमी बंगाल।"

(सं० फा० 16(1)/70-न्या०)

दलीप सिंह,
उप विधि सलाहकार, भारत मरकार।

MINISTRY OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES

(Scientific Surveys and Development Division)

(Survey II Section)

New Delhi, the 25th June, 1970

G.S.R. 1184.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the National Atlas Organisation (Recruitment to Class III and Class IV posts) Rules 1960, namely:—

1. (1) These rules may be called the National Atlas Organisation (Recruitment to Class III and Class IV posts) Amendment Rules, 1970.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. After rule 6 of the National Atlas Organisation (Recruitment to Class III and Class IV posts) Rules, 1960 (hereinafter referred to as the said rules), the following rule shall be inserted, namely:—
"7. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons".

[No. A-12018/2/70-SUR.II.]
S. K. SANYAL, Under Secy.

शिक्षा और युवक सेवा मंत्रालय

(सर्वेक्षण II प्रनुभाग)

लैट दिल्ली, 25 जून, 1970

जो० एस० आर० 1184.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय एटलस संगठन (वर्ग III और वर्ग IV पदों पर भर्ती) नियम, 1960 में और आगे संशोधन करने के लिए एलद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्

1. (1) ये नियम राष्ट्रीय एटलस संगठन (वर्ग III और वर्ग IV पदों पर भर्ती) संशोधन नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में घपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. राष्ट्रीय एटलस संगठन (वर्ग III और वर्ग IV पदों पर भी) नियम, 1960 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 6 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“7. शिथिल करने की शक्ति : जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि एसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उन कारणों से जो लेखबद्ध किए जाएंगे आदेश द्वारा व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को शिथिल कर सकेगी।”

[सं० फ०—120 18/2/70 एस०य०आर० II]

एस० के० सान्याल,
अवर सचिव, भारत सरकार,

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND CO-OPERATION

(Department of Agriculture),

New Delhi, the 20th July, 1970

G.S.R.1185—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Food and Agriculture (Class I posts in the Soil Conservation Division) Recruitment Rules, 1961, namely :—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Food and Agriculture (Class I Posts in the Soil Conservation Division) Recruitment (Amendment) Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Ministry of Food and Agriculture (Class I posts in the Soil Conservation Division) Recruitment Rules, 1961,—

(i) for item 1 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be substituted namely :—

1

2

3

4

5

6

7

(Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified.)

Desirable :

(1) Doctorate in Agriculture or Agricultural Chemistry or Soil Science (for Agronomists/Soil Scientists) or Research in the design of bunds or terraces, diversion channels, check dams and other soilconsrvation work (for Civil/Agricultural Engineers).

(2) Administrative experience.

8

9

10

11

12

13

Age: No Qualifications —Yes.	Two years	By promotion or by transfer on deputation or by direct recruitment (The exact method of recruitment to be decided on each occasion in consultation with the Commission to be made.	<i>Promotion :</i> Deputy Commissioners (Soil Conservation Training and Research/Inspection and Coordination/Engineering). (With five years, service in the grade).	Class I Departmental Promotion Committee Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.
			<i>Transfer on Deputation :</i> Class I Officers of the Central/State Governments possessing educational qualifications and experience mentioned in Column 7, and with 5 years' service in a post carrying a scale of Rs. 1300—1600 or an analogous post.	(Period of deputation—ordinarily not exceeding 5 years).

(ii) In the entries relating to item 2, for the existing entry in column 1, the following entry shall be substituted, namely :—

“Deputy Commissioner (Soil Conservation—Engineering.)”;

(iii) in the entries relating to item 4, for the entries in columns 1 and 4, the following entries shall respectively be substituted, namely :—

“Column 1

Deputy Commissioner (Soil Conservation—Training and Research)

Column 4

Rs. 1300—60—1600”;

(iv) in the entries relating to item 5, for the existing entries in columns 1 and 4, the following entries shall respectively be substituted, namely :—

“Column 1

Deputy Commissioner (soil Conservation-
Inspection and Co-ordination)

Column 4

Rs. 1300—60—1690”.

(S. G. Sundram) Under Secy..

खाद्यकृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय
(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 1970

जी० एन० आर० 118३—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, खाद्य तथा कृषि मंत्रालय (भूमि संरक्षण प्रभाग में श्रेणी 1 पदों) के भर्ती नियम, 1961 को फिर से संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) ये नियम खाद्य तथा कृषि मंत्रालय (भूमि संरक्षण प्रभाग में श्रेणी 1 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1970 कहे जायेंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त हो जायेंगे।

2. खाद्य तथा कृषि मंत्रालय (भूमि संरक्षण प्रभाग में वर्ग 1 पद) भर्ती नियम, 1961 की अनुसूची में:—

(1) पद संख्या 1 तथा उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के लिये निम्नलिखित पद तथा प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जायेंगी, अर्थात् :—

1	2	3	4	5
संयुक्त आयुक्त (मूदा एक संरक्षण)	सामान्य केन्द्रीय सेवा	वर्ग 1	1600-10-1800	प्रवरणीय

50 वर्ष से नीचे वालों को प्राथमिकता दी जायेगी।

- (1) शस्य-विज्ञान या मृदा विज्ञान या कृषि-रसायन-शास्त्र में किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की मास्टर डिग्री या भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की उप सदस्यता अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय या इसके समतुल्य की सिविल इंजीनियरिंग या कृषि इंजीनियरिंग में डिग्री।
- (2) किसी उत्तरदायी पद पर लगभग 10 वर्ष का अनुभव, जिसमें से 7 वर्ष का अनुभव मृदा संरक्षण में होना चाहिये।
(अन्यथा सुप्रहित अभ्यर्थियों की दशा में अहर्ताएं आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं)।

बाल्छनीय :

- (1) कृषि या कृषि-रसायनशास्त्र या मृदा विज्ञान (शस्य वैज्ञानिकों / मृदा वैज्ञानिकों के सिए) में डाक्टरेट अथवा बांधों या टेरेस, पथान्तरी नाली, मिट्टी रोक बांध या अन्य मृदा संरक्षण कार्य (सिविल / कृषि इंजीनियरों के लिये) के डिजायन में अनुसंधान।
- (2) प्रशासिनक अनुभव।

आयु : नहीं दो वर्ष प्रोत्साहित या ग्रोमन्तिः—उप आयुक्त श्रेणी 1 जैसा कि संघ
अर्हतायें : हाँ प्रतिनियुक्ति (मूदा संरक्षण प्रशिक्षण विभागीय लोक सेवा
पर अन्तरण तथा अनुसंधान / निरीक्षण प्रोत्साहित आयोग
या सीधी भर्ती तथा समन्वय / इंजिनियरिंग समिति । (परामर्श से
द्वारा (भर्ती की रिंग (ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा
उपयुक्त पद्धति होनी चाहिये) छूट) अधिनियम, 1958
प्रत्येक समय प्रतिनियुक्ति पर अन्तरण : के अन्तर्गत
पर आयोग के केन्द्रीय / राज्य सरकारों के
साथ विचार- श्रेणी 1 अधिकारियों में से,
विमर्श करने जो कि स्तम्भ 7 में उल्लिखित
पर निरिक्षण शैक्षिक अर्हताएं या अनुभव
की जायेगी) । रखते हों अथवा जिनकी
1300-1600 रुपये
के वेतनमान के पद या
उसके समतुल्य पद में 5
वर्ष की सेवा हो ।
(प्रतिनियुक्ति की कालावधि
सामान्यतः 5 वर्ष से
अधिक नहीं)

(2) मद संख्या 2 से सम्बन्धित प्रविष्टियों में स्तम्भ 1 की वर्तमान प्रविष्टि के लिये निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

“उप आयुक्त (मूदा संरक्षण—इंजिनियरिंग)” ।

(3) मद संख्या 4 से सम्बन्धित प्रविष्टियों में स्तम्भ 1 तथा 4 की प्रविष्टियों के लिये ऋक्मशः निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जायेंगी, अर्थात् :—

“स्तम्भ 1

स्तम्भ 4

उप आयुक्त (भूमि संरक्षण- 1300-60-1600 रुपये”
प्रशिक्षण तथा अनुसंधान) ।

(4) मद संख्या 5 से सम्बन्धित प्रविष्टियों में स्तम्भ 1 तथा 4 की वर्तमान प्रविष्टियों के लिये ऋक्मशः निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जायेंगी, अर्थात् :—

“स्तम्भ 1

स्तम्भ 4

उप आयुक्त (भूमि संरक्षण- 1300-60-1600 रुपये”
निरीक्षण तथा समन्वय)

[सं. 11-3/69-स्थापना-5]

New Delhi, the 25th July 1970

G.S.R. 1136.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution the President hereby makes the following rules to regulate the method of recruitment to the post of Deputy Commissioner (Soils) in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Dept. of Agriculture), namely:—

1. Short title and commencement :

(1) These rules may be called the Department of Agriculture (Deputy Commissioner) 'Soils' Recruitment Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application :

These rules shall apply for recruitment to the post as specified in column 1 of the Schedule annexed hereto.

3. Number of posts classification and scale of pay :

The number of the said post and its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of Recruitment, age limit, qualifications etc.

The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto, shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid:

Provided that the upper age limit prescribed for direct recruits may be relaxed in the case of candidates belonging to Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued from time to time by the Central Government.

5. Disqualifications:

(a) No person, who has more than one wife living or who, having a spouse living marries in any case in which such marriage is void by reason of its taking place during the life-time of such spouse shall be eligible for appointment to the said post; and

(b) no woman whose marriage is void by reason of the husband having a wife living at the time of such marriage, or who has married a person, who has a wife living at the time of such marriage, shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that there are special grounds for so ordering, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax :

Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or post.

SCHEDULE

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection or non-selection post
1	2	3	4	5
Deputy Commissioner (Soils)	One	General Central Service Class I Gazetted.	Rs. 1300-60-1600	Not applicable

Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any
6	7	8	9

45 years and below (relaxable for Govt. servants) *Essential :*

1. M. Sc. degree in Soil Science or Agricultural chemistry or Chemistry of a recognised University or equivalent with specialisation in Soils, Soil fertility etc.
2. About 10 years experience in Soil surveys/soil and water conservation).

(Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified)

Desirable :

Doctorate in Soil Science.

Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion/ transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods

In case of recruitment by promotion/ deputation/transfer, grades from which promotion/ deputation/transfer to be made

IO

II

By transfer/deputation/ direct recruitment the method to be adopted on each occasion to be settled in consultation with the Union Public Service Commission.

Transfer/deputation :
Officers holding Senior Class I posts in the Central /State Governments as Soil Scientists/ Soil Specialists in Agriculture Departments having 10 years experience in Soil Science, of which at least 5 years should be in soils and water management work and in the scale of Rs. 700-1250 or equivalent. (Period of deputation ordinarity not exceeding 4 years).

If a DPC exists, what is its composition

Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment

12

13

Not applicable

As required under the Union Public Service Commission (Exemption from consultation) Regulations, 1958

नई दिल्ली, 25 जुलाई 1670

का० नि० आ० 1186.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सङ्कारिता मंत्रालय (कृषि विभाग) उपचायुक्त (मृदा) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संशिक्षण ताम और प्रारम्भ :—(1) ये नियम कृषि विभाग (उपचायुक्त "मृदा") भर्ती नियम 1970 कहे जा सकेंगे। (2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना :—ये नियम इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्विष्ट पद पर भर्ती को लागू होंगे।

3. पद की संख्या, वर्गीकरण और वेतन-भान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उससे संलग्न वेतनमान ये होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से लेकर 4 तक में विनिर्विष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति आयु-सीमा और अन्य अर्हताएँ :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अर्हताएँ और उनसे मंबंधित अन्य बातें ये होंगी जो उपरोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से लेकर 13 तक में विनिर्विष्ट हैं;

परन्तु अनुसूचित जातियों, अनुमूचित जन जातियों और अन्य विशेष व्यक्ति प्रबर्गों की दशा में, सीधी घर्ता के लिए विनिर्विष्ट उच्चतम आयु सीमा समय-ममय पर निकाले गए केन्द्रीय सरकार के आदेशों के अनुसार शिथिल की जा सकेगी।

5. विरहकाएँ :—(1) वह व्यक्ति उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा जिसकी एक से अधिक पत्नियां जीवित हैं या जो एक पत्नी के जीवित रहते हुए किसी ऐसी दशा में विवाह करता है जिसमें ऐसा विवाह इस कारण शून्य है कि वह ऐसी पत्नी के जीवन काल में होता है; और

(2) वह स्त्री उक्त पद पर नियुक्ति की पात्र नहीं होगी जिसका विवाह इस कारण शून्य है कि उस विवाह के समय उसके पति की पत्नी जीवित थी या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पत्नी उस विवाह के समय जीवित थी :

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यह समाधान हो जाने पर कि किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट देने के विशेष आधार हैं, यह आदेश दे सकेगी, कि उसे ऐसी छूट दी जाए।

6. शिथिल करने की शक्ति :—

जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उन कारणों से जो लेखबद्ध किए जाएंगे, और संघ सोक सेवा आयोग से पराभर्ता करके, आदेश द्वारा व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग/पद के भारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को भी शिथिल कर सकेगी।

अनुसूची

पद का नाम की संख्या	पदों वर्गीकरण की संख्या	नेतृत्वमान प्रथमा अप्र- वरण पद	प्रबलण पद अथवा अप्र- वरण पद	सीधी भर्ती वालों के लिए आयु सीमा
1	2	3	4	5

उप-आयुक्त एक (मूरा)	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 1 राज- पत्रिक	1300-60- 1600 रु०	लागू नहीं होता	45 वर्ष या उससे कम (सर- कारी कर्मचारियों के लिए शिथिल की जा सकती है)
------------------------	--	----------------------	-------------------	---

सीधी भर्ती वालों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य ग्रहणार्थी

क्या सीधी
भर्ती वालों
के लिए वि-
हिस आयु और
शैक्षिक ग्रह-
णार्थी प्रोत्तति
की दशा में
लागू होगी।

परिवीक्षा की भर्ती की पद्धति, क्या भर्ती
कालावधि, सीधी होगी या प्रोन्नति/
अन्तरण द्वारा, तथा विभिन्न
पद्धतियों द्वारा भरी जाने
वाली रिक्तियों की प्रति-
शतसा ।

7	8	9	10
---	---	---	----

आवश्यक :—(1) किसी मन्यता प्राप्त लागू नहीं 2 वर्ष
विश्वविद्यालय से मूदा, उद्योगता आदि होता
में विशेषज्ञता के साथ मूदा विज्ञान या
कृषि रसायन या रसायन में एस० एस०
सी० की डिग्री या उसके समतुल्य,

अन्तरण/प्रतिनियुक्ति या
सीधी भर्ती द्वारा । प्रत्येक
अवसर पर अपनाई जाने
वाली पद्धति संघ लोक
सेवा आयोग के परामर्श से
तय की आयगी ।

(II) मूदा सबक्षण / मूदा और जल
संरक्षण में लगभग 10 वर्ष का अनुभव
(अन्यथा सुभ्रहित अभ्याधियों की
दशा में ग्रहणार्थी संघ लोक सेवा आयोग
के विवेकानन्दसार शिथिल की जा सकती
हैं)

बांछनीय :—मूदा विज्ञान में डाक्टरेट ।

प्रीन्तति / प्रतिनियुक्ति / मन्त्ररण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्हति/प्रतिनियुक्ति/मन्त्ररण किया जाना है।

यदि विभागीय प्रोन्हति समिति विद्यमान है तो उसकी संरचना क्या है।

वे परिस्थितियाँ जिनमें भर्ती करने में संघ लोक सेवा प्रायोग से परामर्श किया जाना है।

11

12

13

मन्त्ररण / प्रतिनियुक्ति

केन्द्रीय / राज्य सरकारों के कृषि विभागों में मूद्रा वैज्ञानिक मूद्रा विशेषज्ञों के रूप में जेड वर्ग 1 पदधारण करने वाले पदाधिकारी, जिनका मूद्रा विज्ञान में 10 वर्ष का, मनुभव हो, जिस में से कम से कम 5 वर्ष मूद्रा और जल प्रबन्ध के कार्य में मनुभव होना चाहिए और जो 700-1250 रु० या उसके समतुल्य बेतनमान में हो।

(प्रतिनियुक्ति की कालावधि सामान्यतः 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।

लागू नहीं होता

संघ लोक सेवा प्रायोग (परामर्श से सूट) विनियम 1958 के अधीन यथापेक्षित।

[सं० 11-8/68-स्थापना-5]

एस० जी० सुन्दरम्,
भवर सचिव।

(Department of Company Affairs)

(Company Law Board)

New Delhi, the 31st July 1970

G.S.R. 1187.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Ministry of Finance, Department of Company Affairs & Insurance Notification G.S.R. 72 dated the 1st January, 1966 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957, (hereinafter referred to as "the Notification"), the Company Law Board hereby directs that in the case of M/s. Gamlen Chemical Co. (Australasia) Pty. Ltd. (hereinafter referred to as "the Company") being a foreign company, the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the notification shall apply subject to the following further exception and modifications namely:—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594, if in respect of the financial year

ended the 31st December, 1970, the company submit to the appropriate Registrar of Companies in India in triplicate:

- (i) a statement of receipt and disbursements made by the Indian Branch, certified by two directors of the company and a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act.
- (ii) a statement of the company's assets and liabilities in India certified in a manner as indicated in item (ii) above.

[No. F. 14/3/CL VI/70.]

करपती कार्य विभाग

नई दिल्ली, 31 जुलाई 1970

सा०का०नि० 1187.—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, कम्पनी कार्य प्रबन्ध बीमा विभाग की अधिसूचना सा०का०नि० 72, नारीख पहली जनवरी, 1966 के साथ पठित कम्पनी, अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपन्धारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना स० सा०का०नि०आ० 3216 नारीख 4 अक्टूबर, 1957 को अधिसूचना (जिसमें उसके पश्चात 'अधिसूचना' कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुये, कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निदेश देता है कि मैसर्स गमलन कैमीकल क० (आस्ट्रेलिसिया) प्रा० लि० (जिसमें इसके पश्चात "कम्पनी" कहा गया है) के मामले में, जो एक विदेशी कम्पनी है, उक्त धारा 594 की उपन्धारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएँ, जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी को अपने लागू होने के सम्बन्ध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई है, निम्नलिखित अन्य अपवादों तथा उपान्तरणों के अध्यधीन रहते हुये लागू होंगी ; अर्थात् :—

यदि 31 दिसम्बर, 1970 को वर्ष समाप्ति की बाबत, कम्पनी भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रार को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करे तो उक्त धारा 594 की उपन्धारा (1) के खंड (क) के उपवर्णनों का पर्याप्त अनुपालन समझा जायेगा ;

- (1) कम्पनी के दो निदेशकों तथा अधिनियम की धारा 592 की उपन्धारा (1) के खंड (क) के अधीन भारत में आदेशिकान्तामिल को प्राप्ति के लिये प्राधिकृत, व्यक्तिद्वारा, प्रमाणित, भारतीय राष्ट्र की गई प्राप्ति एवं वितरण का विवरण पत्र ;
- (2) उपरोक्त मद (1) में दिये ढंग से प्रमाणित, भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देनदारी का एक विवरण-पत्र ।

[सं० का० 14/3/सी०एल० 6/70]

G.S.R. 1188.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Ministry of Finance, Department of Company Affairs and Insurance Notification G.S.R. 72 dated the 1st January, 1966 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as "the Notification"), the Company Law Board hereby directs that in the case of M/s. Suttons Seeds Limited [formerly Sutton and Sons (Over-

seas) Limited (hereinafter referred to as "the company")] being a foreign company, the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely:—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594, if in respect of the period from 1st January, 1966 to 30th November, 1969, the company submits to the appropriate Registrar of Companies in India in triplicate a statement of receipt and disbursements made by the Indian Branch, certified by two Directors of the company and a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Companies Act, 1956.

[No. F. 14(6)-CL. VI/70.]

सं० फा० ११८८।—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, कम्पनी कार्य एवं बीमा विभाग की अधिसूचना सा०का०नि० 72, तारीख पहली जनवरी, 1966 के साथ पठिन, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 को उपन्धारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं० सा०का०नि०आ० 3216 तारीख 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना (जिसे उक्में इसके पश्चात 'अधिसूचना' कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुये कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निर्देश देता है कि मसर्स सुट्टन सीइस लि० [पहले की सुट्टन एण्ड मन्स (ओवरसीज) लि०] (जिसे इसमें इसके अचान् "कम्पनी" कहा गया है) के मामले में, जो एक विदेश कम्पनी है, उक्त धारा 594 को उपन्धारा (1) के छंड (क) की अपेक्षायें, जैसी कि वा किसी विदेशी कम्पनी की अपने लागू होने के सम्बन्ध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई है, निम्नलिखित अन्य उपवादों तथा उपवादों के अध्यधीन रहते हुये लागू होगी; अर्थात्:—

यदि 1 जनवरी, 1966 से 30 नवम्बर, 1969 तक को अवधि की बाबत, कम्पनी भारत में कम्पनी रजिस्ट्रार को अपने दो निरेग हाँ तथा कन्मी अधिनियम, 1956 की धारा 592 की उपन्धारा (1) के छंड (घ) के अन्तर्गत भारत में आदेशित तामील की प्राप्ति के लिये प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा अमाणित, भारतीय शाखा द्वारा की गई प्राप्ति एवं वितरण के विवरण-न्यून की तीन प्रतियां प्रस्तुत करे तो उक्त धारा 594 की उपन्धारा (1) के छंड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन संभवा जायेगा।

[सं० फा० 14(6)-सी०एल० 6/70]

G.S.R. 1189.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Ministry of Finance, Department of Company Affairs and Insurance Notification G.S.R. 72 dated the 1st January, 1966 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957, (hereinafter referred to as "the Notification"), the Company Law Board hereby directs that in the case of M/s. India General Navigation and Railway Company Limited (hereinafter referred to as "the Company") being a foreign company, the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely:—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594, if in respect of the financial years ended 31st December, 1969 and 31st December, 1970, the company submits to the appropriate Registrar of Companies in India in triplicate:—

- (i) a copy of the authenticated balance sheet and profit and loss account (including the documents relating to every subsidiary of the company) as submitted by it to the prescribed authority in the country of incorporation under the provisions of the law in that country; and

- (ii) a certificate to the effect that the company did not carry on any trading activities in India during the period and that it has no assets or liabilities in India at the end of that period, duly signed by two directors of the company and the persons authorised to receive service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of section 592 of the Act.

[No. F. 14/7/CL. VI/70.]

सां का० नि० 1189.—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय कम्पनी कार्य एवं बीमा विभाग की अधिसूचना सा० का० नि० 72 तारीख पहली जनवरी 1966 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उप-धारा (1) के परतुक द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० धा० 3216 तारीख 4 दिसम्बर 1957 की अधिसूचना (जिसे उसमें इसके पश्चात् “अधिसूचना” कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुये कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निर्देश देता है कि मै० इन्हिया जनरल नेवीगेशन एण्ड रेलवे कम्पनी लि० (जिसे इसमें इसके पश्चात् “कम्पनी” कहा गया है) के मामसे में जो एक विदेशी कम्पनी है उक्त धारा 594 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी को अपने लागू होने के सम्बन्ध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई है निम्नलिखित अन्य उपबादों तथा उपान्तरणों के अध्यधीन रहते हुये लाग होगी ; अर्थात् :—

यदि 31 दिसम्बर 1969 तथा 31 दिसम्बर 1970 के बर्षों की समाप्ति की आवत कम्पनी भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रार को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करे तो उक्त धारा 594 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनपालन हुआ समझा जायेगा ।

(1) प्रमाणीकृत तुलन-पत्र तथा साभ-हानि के लेख की एक प्रति (जिसके अन्तर्गत प्रत्येक अनुभागी से सम्बद्ध दस्तावेज़ों आती है) जैसी कि कम्पनी ने अपने निगमन थाले देश में उस देश की विधि के उपबन्धों के अधीन विहित प्राधिकारी को भेजी हों ;

(2) कम्पनी के दो निधानों तथा अधिनियम की धारा 542 की उप-धारा (1) के खंड (ख) के अधीन भारत में आंशिक तामिल की प्राप्ति के लिए प्राधिकृत व्यक्तियों द्वारा प्रमाणित इस आशय का एक प्रमाण-पत्र कि कम्पनी ने इस अवधि के मध्य भारत में कोई व्यापार कार्य नहीं किया तथा कि इस अवधि के अन्त में कम्पनी की भारत में कोई परिस्पत्तिया तथा देनदारी नहीं थी ।

[सं० का० 14/7/सी०एल० 6/70]

G.S.R. 1190.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Ministry of Finance, Department of Company Affairs and Insurance Notification G.S.R. 72 dated the 1st January, 1966 and in Partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957, (hereinafter referred to as “the Notification”), the Company Law Board hereby directs that in the case of M/s. Amin Agencies Limited (hereinafter referred to as “the Company”) being a foreign company, the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely:—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594, if in respect of the financial year ended the 31st March, 1970, the company submits to the appropriate Registrar of Companies in India in triplicate its World's Balance Sheet for the year ended 31st March, 1970 as and when available.

[No. F. 14/8/CL. VI/70.]

By order of the Company Law Board,

H. D. PANJWANI, Under Secy.

सां. फा० नि० 1190—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय कम्पनी कार्य एवं बीमा विभाग की अधिसूचना सा० का० नि० 72 तारीख पहली जनवरी 1966 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० फा० 3216 तारीख 4 अक्टूबर 1957 की अधिसूचना (जिसे उसमें इसके पश्चात् 'अधिसूचना' कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एतद् द्वारा यह निर्देश देता है कि मैसर्सै अमीन एजेन्सीज लि० (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'कम्पनी' कहा गया) के मामले में जो एक विदेशी कम्पनी है उक्त धारा 594 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी को अपने लाग होने के सम्बन्ध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई है, निम्नलिखित अन्य उपवार्ताओं तथा उपान्तरणों के अधीन रहते हुये लाग होंगी; अर्थात् :—

यदि 31 मार्च 1970 के वित्तीय वर्ष समाप्ति की बाबत कम्पनी भारत में समचित कम्पनी रजिस्ट्रार को 31 मार्च 1970 को वर्ष समाप्ति के सान्तारिक तुलन-पक्ष को उपलब्ध होने पर तीन प्रतियां प्रस्तुत करे तो उक्त धारा 594 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनपालन समझा जायेगा।

[सं० फा० 14(8)-सी० एल० 6/70]

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से,

एच० डी० पंजवानी, अवर सचिव।

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 25th June 1970

G.S.R. 1191.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Civil Aviation Department (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1969, namely:—

1. (1) These rules may be called the Civil Aviation Department (Class I and Class II posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Civil Aviation Department (Class I and Class II posts) Recruitment Rules 1969 for item 53 relating to the post of "(a) Technical Officer, (b) Communication Officer" and item 54 relating to the post of "(a) Assistant Technical Officer, (b) Assistant Communication Officer" and the entries relating thereto, the following shall respectively be substituted, namely:—

THE SCHE-

Name of Post	No. of Post	Classification	Scale of Pay	Whether selection by direct recruitment or non-selection Post	Age for selection	Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees
1	2	3	4	5	6	7	8
"53 (a) Techni Cal Officer	29	General Service	Rs. 400- 400-450 30-600-35- Class I	Selection	30 years and below	Essential :— Degree in Tele- (Relaxable communication	Age; No. Qualifica- tions: To the extent indicated in Column II
(b) Communi- cation Officer.	20	Gazetted	670-EB- 35-950		for Gov- ernment Servants.	Engineering of a recognised Univer- sity	
						OR Diploma of the Indian Institute of Science, Bangalore in Communication Engineering.	
						OR Degree in Electrical Engineering with Experience in Radio Communication practice, after obtaining degree.	
						OR	
						An equivalent qualification (Qualification relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified)	
						Desirable :—	
						Practical experience in the installation, maintenance, design or manufacture of radio or radar equipments.	
						The experience gained should be from a recognised organisation or a factory [for post at (a)]	
						Post graduate research work in Radio or Radar in a tele-communication laboratory [for post at (b)]	

DULE

Period of Probation if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/ transfer & percentage of the vacancies to be filled by Various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion /deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which U. P. S. C. is to be consulted in making recruitment.
-----------------------------	---	--	---	--

9

10

II

12

13

2 years	<p>50% by promotion failing which by direct recruitment.</p> <p>50% by direct recruitment.</p>	<p><i>Promotion</i></p> <p>For (a) Assistant Technical Officer.</p> <p>For (b) Assistant Communication Officer</p> <p>(i) With 3 years service in the grades in the case of those possessing a degree in Electrical Engineering or Radio Engineering or Telecommunication Engineering of a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) with 5 years service in the grade in the case of those possessing diploma in Electrical Engineering or Radio Engineering or Telecommunication Engineering of a recognised University or equivalent.</p> <p>(iii) with 5 years service in the grades in the case of those who do not possess either a degree or diploma in Electrical Engineering or Radio Engineering or Tele-communication Engineering, but have passed the qualifying examination held by the Director General of Civil Aviation for the posts of Assistant Technical Officer or Assistant Communication Officer.</p> <p>(iv) Persons holding regular appointment of Assistant Technical Officers or Assistant Communication Officers on the date of promulgation of these rules shall continue to be eligible for consideration for promotion with mini-</p>	<p>Class I Departmental Promotion Committee.</p> <p>As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulation 1958</p>
---------	--	---	---

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

12

13

mum three years qualifying service in the grade of Assistant Technical Officer or Assistant Communication Officer without having to pass any qualifying examination.

NOTE:—If at any time candidates are selected through the Engineering Services (Electronics) Examination held by the Union Public Service Commission, age limits and qualifications will be as given in the relevant notification of the examination.

1	2	3	4	5	6	7	8
54(a) Assistant Technical Officer	67	General Central Service	Rs. 350— 25— 500—30— Class II	Selection 590—	Not Applicable.	Not Applicable.	Not Applicable.
(b) Assistant Communication Officer	57	Gazetted Non-Ministerial	EB—30— 800— EB—30— 830—35— 900.				

9	10	11	12	13
2 years	By promotion	<p><i>Promotion</i></p> <p>For (a) Technical Assistant For (b) Communication Assistant</p> <p>(i) with 3 years service in the grades in the case of those possessing a degree in Electrical Engineering or Radio Engineering or Tele-communication Engineering of a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) with 5 years service in the grades in the case of those possessing a diploma in Electrical Engineering or Radio Engineering or Tele-communication Engineering of a recognised University or equivalent.</p> <p>(iii) with 5 years service in the grades in the case of those who do not possess either a degree or a diploma in Electrical Engineering or Radio Engineering or Tele-communication Engineering but have passed the qualifying examination held by the Director General of Civil Aviation.</p> <p>(iv) Persons holding the post of Technical Assistant or Communication Assistant on the date of promulgation of these rules and fulfilling the following conditions shall be eligible for consideration for promotion, without having to pass any qualifying examination.</p> <ul style="list-style-type: none"> (a) Should be either permanent or quasi-permanent in the grade; (b) Should be at least Matri-culate or should possess equivalent qualifications. (c) Should have at least 5 years service as Technical Assistant or Communication Assistant. 	Class II De-partmental Promotion Committee.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from consultation) Regulations, 1958.

NOTE:— In case Technical Assistants or Communication Assistants with the requisite length of service as indicated at (i), (ii) and (iii) equal to the number of posts above, are not available for consideration for promotion, Technical Assistants or Communication Assistants with a combined service of 10 years in the grades of Technical Assistants or Communication Assistants and Radio Technicians or Radio Operators respectively would be considered for promotion.

पर्यटन और त्रिवित विमानन संकालय

नई दिल्ली, 25 जून 1970

जो० एस० आर० 1191.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक बारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए शास्त्रपति एतद्वारा सिविल विमानन विभाग (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1969 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, भर्तीतः—

1. (1) ये नियम सिविल विमानन विभाग (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में घोषने प्रकाशन की सारीबाहु को प्रवृत्त होंगे।

2. सिविल विमानन विभाग (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1969 की अनुसूची में “(क) तकनीकी अधिकारी (ख) संचार अधिकारी” के पद से संबंधित मद 53 और “(क) सहायक तकनीकी अधिकारी” (ख) सहायक संचार अधिकारी के पद से संबंधित मद 54 और सत्संबंधी प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रमशः प्रतिस्थापित किया जाएगा, भर्तीतः—

अनुसूची

क्रम सं०	पद का नाम	पदों की संख्या	वर्किरण	वेतनमान	प्रबरण पद के लिए आयु सीमा अथवा प्रप्रबरण पद
1	2	3	4	5	6
“53. (क) तकनीकी अधिकारी (ख) संचार अधिकारी	29 20	{	साधारण केत्रीय सेवा वर्ग 1 राजपत्रित	400-400- 450-30- 600-35- 670-द० रो० 35- 950 रुपये	प्रबरण (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है)

सीधी भर्ती वालों के लिए ग्रपेशित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं	मग्ना सीधी भर्ती वालों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की क्षमा में सामूहिकी	परिवीक्षा की कालावधि, यदि कोई हो। प्रोन्नति द्वारा या प्रति- नियुक्ति/अन्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता
--	--	--

7

8

9

10

आवश्यकः किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से दूर संचार इंजीनियरिंग में डिप्री। या इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस का संचार इंजीनियरिंग में डिप्लोमा। या	आयु : नहीं । अर्हता : स्तरभ 11 में उपर्योगित सीमा तक ।	2 वर्ष	50% प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकते पर सीधी भर्ती द्वारा। 50% सीधी भर्ती द्वारा ।
---	---	--------	---

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/अन्तरण द्वारा यदि विभागीय प्रोन्नति वे परिस्थितियां जिनमें भर्ती भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे समिति विद्यमान हैं तो उसकी करने में संघ लोक सेवा प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/अन्तरण किया सरचना क्या है आयोग से परामर्श किया जाना है

11

12

13

प्रोन्नति :

- (क) के लिए सहायक तकनीकी अधिकारी
(ख) के लिए सहायक संचार अधिकारी

वर्ग 1 विभागीय प्रोन्नति संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अधीन यथा-पेक्षित।

- (i) उन व्यक्तियों की दशा में जिनके पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की विद्युत इंजीनियरिंग या रेडियो इंजीनियरिंग या दूर संचार इंजीनियरिंग में डिग्री है, या समतुल्य, श्रेणी में 3 वर्ष की सेवा।
- (ii) उन व्यक्तियों की दशा में जिनके पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का विद्युत इंजीनियरिंग, रेडियो इंजीनियरिंग या दूर संचार इंजीनियरिंग में डिप्लोमा है, या समतुल्य, श्रेणी में 5 वर्ष की सेवा।
- (iii) उन व्यक्तियों की दशा में जिनके पास विद्युत इंजीनियरिंग, रेडियो इंजीनियरिंग या दूर संचार इंजीनियरिंग में डिग्री या डिप्लोमा नहीं है किन्तु जिन्होंने सहायक तकनीकी अधिकारी या सहायक संचार अधिकारी पद के लिए महानिदेशक सिविल विमानन द्वारा ली गई अर्हक परीक्षा पास करली है श्रेणी में 5 वर्ष की सेवा सहित।
- (iv) इन नियमों के प्रत्यापन की तारीख को सहायक तकनीकी अधिकारी या सहायक संचार अधिकारी की नियमित नियुक्ति को धारण करने वाले

ध्यक्षित जिनकी सहायक तकरीकी
अधिकारी या सहायक सचार अधिक-
कारी की श्रेणी में न्यूनतम तीन वर्ष
की अर्हक सेवा है वे अर्हक परीक्षा
को उत्तीर्ण किए बिना प्रोल्नसि के
लिए विचारण के लिए पाल बने
रहेंगे।

टिप्पणि :—यदि संघ लोक सेवा आयोग
द्वारा ली गई इंजीनियरिंग सेवा
(इलैफ्ट्रोनिक्स) की परीक्षा से किसी
समय अभ्यर्थियों का चयन किया
जाता है तो आयु सीमा और अर्हताएं
परीक्षा की सुसंगत अधिसूचना में
दी गई के अनुसार होंगी।

1

2

3

4

5

6

54 (क) सहायक तकनीकी अधिकारी	67	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 2 राजपत्रित	350-25- 500-30- 590-द०रो० 30-800-	प्रथम लागू नहीं होता
(ख) सहायक संचार अधिकारी	57	अननुसन्धानीय	द० रो०-30- 830-35- 900 रुपये	

7

8

9

10

लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रोत्तंति द्वारा
----------------	----------------	--------	-------------------

प्रोन्नति :

- (क) के लिए तकनीकी सहायक
- (ख) के लिए संचार सहायक

वर्ग 2 विभागीय प्रोन्नति संघ लोक सेवा आयोग

ममिति (परामर्श से छूट) विनियम 1958 के अधीन
यथापेक्षित ।

- (1) उन व्यक्तियों की दशा में जिनके पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की वैद्युत इंजीनियरिंग या रेडियो इंजीनियरिंग या दूरसंचार इंजीनियरिंग में डिग्री है, या समतुल्य, श्रेणी में 3 वर्ष की सेवा ।
- (2) उन व्यक्तियों की दशा में जिनके पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का वैद्युत इंजीनियरिंग, रेडियो इंजीनियरिंग या दूर संचार इंजीनियरिंग में डिग्री या डिप्लोमा नहीं है किन्तु जिन्होंने महानिदेशक सिविल विमान द्वारा ली गई अर्हक परीक्षा पास कर ली है, श्रेणी में 5 वर्ष की सेवा सहित ।
- (3) उन व्यक्तियों की दशा में जिनके पास वैद्युत इंजीनियरिंग, रेडियो इंजीनियरिंग या दूर संचार इंजीनियरिंग में डिग्री या डिप्लोमा नहीं है किन्तु जिन्होंने महानिदेशक सिविल विमान द्वारा ली गई अर्हक परीक्षा पास कर ली है, श्रेणी में 5 वर्ष की सेवा सहित ।
- (4) वे व्यक्ति जो इन नियमों के प्राप्त्यापन की तारीख को तकनीकी सहायक या संचार सहायक का पद धारण कर रहे हों और निम्नलिखित शर्तों को पूरा करते हों, किसी अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण किए बिना प्रोन्नति के लिए, विचारणा के लिए पाल होंगे ।

- (क) श्रेणी में या तो स्थायी या स्थायी सवृश होना चाहिए ।

(ख) कम से कम मैट्रीकुलेट या समतुल्य अर्हताएं रखते हैं।

(ग) तकनीकी सहायक या संचार सहायक के रूप में कम से कम 5 वर्ष की सेवा हो।

विषय:—उस दशा में जिसमें (1)

(2) और (3) में यथा उपदिशित अपेक्षित सेवाकाल के तकनीकी सहायक या संचार सहायक उपर्युक्त पदों की संख्या के बराबर प्रोन्नति के विचारण के लिए उपलब्ध नहीं हैं तो वे तकनीकी सहायक और संचार सहायक जिनकी क्रमशः तकनीकी सहायक या संचार सहायक और रेडियो तकनीकी या रेडियो प्रचालक की श्रेणियों में 10 वर्ष की सम्मिलित सेवा हो प्रोन्नति के लिए विचारणीय होंगे।

[स० ७-वी० फ० (1)/67]

G.S.R. 1192.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby make the following rules regulating the method of recruitment to the post of Pilot in the Civil Aviation Department, namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Civil Aviation Department (Pilot) Recruitment Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Application.**—These rules shall apply to the post specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

3. **Number of post, classification and scale of pay.**—The number of the post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. **Method of recruitment, age-limit, qualifications, etc.**—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid:

Provided that the upper age limit specified in column 6 of the said Schedule may be relaxed in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

5. *Disqualifications.*—(1) No person, who has more than one wife living or who having a spouse living, marries in any case in which such marriage is void by reason of its taking place during the life-time of such spouse, shall be eligible for appointment to the said post.

(2) No woman, whose marriage is void by reason of her husband having a wife living at the time of such marriage, or who has married a person, who has wife living at the time of such marriage, shall be eligible for appointment to the said post.

(3) The Central Government may, if it is satisfied that there are special grounds for so ordering, exempt any person from the operation of this rule.

6. *Power to relax:*—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules in respect of any class or category of persons.

THE SCHE

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or non-Selection Post	Age for direct recruits	Educational qualifications for direct	& other required recruits
1	2	3	4	5	6	7	
Pilot	One	General Central Service Class I (Gazetted)	Rs. 1500/- plus (i) Rs. 500/- as Flying Allowance (ii) Insurance coverage for Rs. 45,000/- plus 36 times the monthly basic pay.	Not Applicable.	Not exceeding 45 years. (Relaxable for Government servants)	<i>Essential :</i> (1) Current Transport Licences; (2) Pilot-in-Command for Government (day and night) on Dakota or heavier types of aircraft with Dakota endorsement. (3) Total flying experience 4,500 hours including Command experience on Dakota or heavier types not less than 1,000 hours. (Qualifications relaxable at Commissions discretion in the case of candidates otherwise well-qualified) <i>Desirable :</i> Experience as Commander of aircraft engaged in Calibration of Radio Aids.	Airlines

D U E

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/ transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
---	-----------------------------	---	--	--	--

8

9

10

11

12

13

Not Applicable.	Two years	Transfer on deputation or short term contract or Direct recruitment.	<i>Transfer on deputation or short-term contract</i> Pilots from the Indian Air Force, Indian Airlines, or Air India or a Government Public Sector Undertaking or an organisation aided by Government. (Period of deputation or short-term contract, ordinarily not exceeding five years).	Not Applicable.	As required under the rules.
-----------------	-----------	--	--	-----------------	------------------------------

जी० एस० आ० 1192 .— संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा सिविल विभाग में पाइलट के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—

- (1) ये नियम सिविल विभाग विभाग (पाइलट) भर्ती नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
- (2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना :

ये नियम इससे उपावद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे।

3. पद की संख्या वर्गीकरण और वेतनमात्र

पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उससे संलग्न वेतनमात्र ये होंगे जो इससे उपावद्ध उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से लेकर 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएँ [आविष्कार] :—

उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएँ और उससे सम्बद्ध अन्य बातें ये होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से लेकर 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं ;

परन्तु प्रत्युष्मिति जातियों, अनुसूचित जन जातियों और अन्य विशेष व्यक्ति-प्रबंगों के अभ्यर्थियों की दशा में, सीधी भर्ती के लिए उक्त अनुसूची के स्तम्भ 6 में विनिर्दिष्ट उच्चतम आयु सीमा समय समय पर निकाले गए केन्द्रीय सरकार के साधारण आदेशों के अनुसार, शिविल की जा सकेगी।

5. निरहृताएँ :

(1) वह व्यक्ति उक्त पद पर नियुक्त का पात्र नहीं होगा जिसकी एक से अधिक पर्वतन्यां जीवित हैं या तो एक पत्नी के जीवित रहते हुए किसी ऐसी दशा में विवाह करता है जिसमें ऐसे विवाह इस कारण शून्य है कि वह ऐसी पत्नी के जीवन काल में होना है।

(2) वह स्त्री उक्त पद पर नियुक्ति की पात्र नहीं होगी जिसका विवाह इस कारण शून्य है कि उस विवाह के समय उसके पति की पत्नी जीवित थी या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पत्नी उस विवाह के समय जीवित थी।

(3) यदि केन्द्रीय सरकार को यह समाधान हो जाए कि किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट देने योग्य विशेष आधार है तो वह आदेश दे सकेगी कि उसे छूट दी जाए।

6. शिविल करने की शक्ति :

जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उन कारणों से जो लेखदाता किए जाएंगे और संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके आदेश द्वारा व्यक्तियों के किसी वर्ज या प्रवर्ग के बारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को भी शिविल कर सकेगी।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमान	प्रदरण पद अधिकारी प्रप्रबरण पद	सीधी भर्ती वालों के लिए आयु सीमा
1	2	3	4	5	6

पाइलट	एक	सधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 1 (राज- पत्रित)	1500 रुपये और उसके साथ (i) 500 रु. उड़ान भत्ते के स्प में। (ii) 45,000 रुपये का बीमा और उसके साथ मासिक आधारित बेतन का 36 गुना	नागू नहीं होता	4.5 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है)
-------	----	---	--	----------------	---

सीधी भर्ती वालों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं	क्या सीधी भर्ती वालों के लिए शैक्षिक अर्हताएं प्रोफेशन की दशा में लागू होगी।	परिवेक्षा की कालावधि, विहित आयु और यदि कोई हो।	भर्ती की पद्धति, क्या भर्ती सीधी होगी या प्रोफेशन द्वारा द्वारा, तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता।
---	--	---	---

7 8 9 10

आवश्यक	लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर अन्तरण या अत्यावधि संविदा या सीधी भर्ती।
(1) चालू एवं साइर्स परिवहन प्रान्तिक्षियां			
(2) पाइलट-इन-कमान्ड (विन और राति) डिकोटा पर या भारी प्रकार के बायुयान, डेकोटा पृष्ठांकन सहित, पर			

7

8

9

10

(3) 4500 घन्टे का कुल उड़ान
अनुभव इसमें डकटा या भारी
प्रकार के वायुयान पर 1000
घंटों से अध्यून का कमांड अनुभव
(अन्यथा सुप्रहित अध्ययितों की
दशा में अहृताएं आयोग के विवेका-
नुसार शिथिल की जासकती हैं)
जाँचीय : रेडियो सहायक साधारण
के प्रश्नशोधन में लगे हुए वांयू-
यान के कमांडर के रूप में
अनुभव ।

प्रोफ्रेश्न/प्रतिनियुक्ति/प्रस्तरण द्वारा भर्ती की यदि विभागीय प्रोफ्रेश्न वे परिस्थितियां जिनमें भर्ती
दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोफ्रेश्न/प्रतिनियुक्ति समिति विद्यमान हैं तो करने में संघर्षोक सेवा आयोग
/प्रस्तरण किया जाता है। उसकी संरचना क्या है से परामर्श किया जाता है।

11

12

13

प्रतिनियुक्ति पर प्रस्तरण या अल्पावधि संविदा : लागू नहीं होता
आरतीय वायुसेना, इंडियन एयर लाइन्स,
एयर इंडिया या सरकारी परिवहन सेवाएँ
उपक्रम या किसी सरकार द्वारा सहायता-
प्राप्त संगठन के पाइलटों से ।

(प्रतिनियुक्ति या अल्पावधि संविदा की
कालावधि सामान्यतः 5 वर्ष से अधिक
नहीं होगी) ।

जैसा नियमों के अधीन अपेक्षित
है ।

[सं० 14-त्री० ई० (38)/65-जिन्व III]

New Delhi, the 30th June 1970

G.S.R. 1193.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Joint Director General in the Civil Aviation Department, namely :—

1. Short title and commencement:—(i) These rules may be called the Joint Director General, Civil Aviation Department (Recruitment) Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the post specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number, classification and scale of pay.—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said schedule.

4. Method of recruitment, age-limit, qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

5. Disqualifications.—(1) No person who has more than one wife living or who having a spouse living, marries in any case in which such marriage is void by reason of its taking place during the life-time of such spouse shall be eligible for appointment to the said post.

(2) No woman, whose marriage is void by reason of her husband having a wife living at the time of such marriage, or who has married a person who has a wife living at the time of such marriage, shall be eligible for appointment to the said post.

(3) The Central Government may, if it is satisfied that there are special grounds for so ordering, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion, that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules in respect of any class or category of persons.

The Scheme

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non-selection Post.	Age for direct recruits
1	2	3	4	5	6
Joint Director General	One	General Central Service Class I Gazetted.	Rs. 2000—125 Selection —2250		Not Applicable.

dule

Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees.	Period of Probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment.
---	--	----------------------------	--	--	--	---

7

8

9

10

11

12

13

Not Applicable	Not Applicable.	Two years.	By promotion failing which by transfer on deputation.	<i>Promotion</i> Deputy General with 3 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis. <i>Transfer on deputation :</i> (i) Officers of Indian Administrative Service or Central Services Class I with at least 15 years' standing as such. (ii) Officers of selection grade of the Central Secretariat Service with at least 5 years service as such. (Period of deputation ordinarily not exceeding 5 years).	Class I Departmental Promotion Committee.	As required under the Union Public Service Commission (Examination from consultation Regulations, 1958).
----------------	-----------------	------------	---	---	---	--

[No. 1-VE(11)/70.]

S. KHURANA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 30 जून 1970

जी० एक्स० आर० 1193 —संविधान के अनुच्छेद ३०९ के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एवं द्वारा सिविल विभाग में संयुक्त महानिदेशक के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :

(1) ये नियम संयुक्त महानिदेशक, सिविल विभाग नियम (भर्ती) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना :

ये नियम इससे उपायद्वारा अनुसूची के स्तम्भ १ में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे।

3. संख्या, वर्गीकारण और वेतनमान :

पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उससे संलग्न वेतनमान ये होंगे जो इससे उपायद्वारा उक्त अनुसूची के स्तम्भ २ से लेकर ४ तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अवृत्ताएं आदि :

उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अवृत्ताएं और उसमें सम्बद्ध अन्य बातें ये होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ ५ से लेकर १३ तक में विनिर्दिष्ट हैं।

5. नियमों एं :

(1) वह व्यक्ति उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा जिसकी एकसे अधिक पत्तियां जीवित हैं या जो एक पत्नी के जीवित रहते हुए किसी ऐसी वशा में विवाह करता है जिसमें ऐसा विवाह इस कारण शूल्य है कि वह ऐसी पत्नी के जीवनकाल में होता है।

(2) वह स्त्री उक्त पद पर नियुक्ति की पात्र नहीं होगी जिसका विवाह इस कारण शूल्य है कि उस विवाह के समय उसके पति की पत्नी जीवित थी या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पत्नी उस विवाह के समय जीवित थी।

(3) यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाचार हो जाए कि किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट देने योग्य विशेष आवार है, तो वह आवेदन के समें किसी को उसे छूट दी जाए।

6. शिथि न करने की शक्ति :

जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीक्षित है, वहाँ वह उन कारणों से जो लेखद्वारा किए जायेंगे, और संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके आदेश द्वारा व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रबंध के बारे में इन नियमों के उपर्योगों में से किसी को भी शिथिल कर सकेगी।

अनुसूची

क्रम पद का पदों की संख्या	वर्गीकरण संख्या	वेतनमान	प्रबलण पद प्रथवा अप्रबलण पद	सीधी भर्ती वालों के लिए आयु सीमा
---------------------------	-----------------	---------	-----------------------------------	----------------------------------

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

संयुक्त महा- निदेशक	एक	साधारण केन्द्रीय सेवा। वर्ग / अराज- पत्रित ।	2000-125- 2250	प्रबलण	लागू नहीं होता
------------------------	----	---	----------------	--------	----------------

सीधी भर्ती वालों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं	क्या सीधी भर्ती वालों के लिए विवित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी।	परिक्षा की भर्ती की पद्धति, क्या भर्ती कालावधि, सीधी होगी या प्रोन्नति द्वारा यदि कोई हो। या प्रतिनियुक्ति/अन्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता।
--	---	--

7	8	9	10
---	---	---	----

लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रोफ्रेसि द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर अन्तरण द्वारा
----------------	----------------	--------	---

प्रोन्नति / प्रतिनियुक्ति/प्रन्तरण द्वारा
भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे
प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/प्रन्तरण
किया जाना है ।

यदि विभागीय प्रोन्नति वे परिस्थितियाँ जिनमें भर्ती करने
समिति विद्यमान है तो
उसकी संरक्षना क्या है । परामर्श किया जाना है ।

11

12

13

प्रोन्नति
उप-महानिवेशक जिन्होंने उस श्रेणी में
नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात्
उसमें तीन वर्ष की सेवा की हो ।
प्रतिनियुक्ति पर अन्तरण द्वारा

वर्ग 1 विभागीय प्रोन्नति
समिति

संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श
से छूट) विनियम, 1958 के
आधीन यथा अपेक्षित ।

- (i) भारतीय प्रशासनिक सेवा या केन्द्रीय
सेवा वर्ग 1 के अधिकारी जिनकी उस
रूप में कम से कम 15 वर्ष की सेवा हो ।
- (ii) केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रबलण
श्रेणी के अधिकारी जिनकी उस रूप
में कम से कम 5 वर्ष की सेवा हो ।
परिवीक्षा की कालावधि सामान्यतया
5 वर्ष से अधिक नहीं होगी ।

[सं 1-बी० ई० (11)/70]

एस० खुराना, उप सचिव, ।

New Delhi, the 1st August 1970

G.S.R. 1194.—The following draft of rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published, as required by section 14 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 25th November, 1970.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

Draft Rules

1. These rules may be called the Aircraft (..... Amendment) Rules, 1970.
2. In the Aircraft Rules, 1937, in paragraph 6(b) of Section E of Schedule II, for the expression "20,000 Kgs" occurring in line 2, the expression "21,000 Kgs" shall be substituted.

[No. F. 10-A/15-70.]

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1970

सं० का० नि० 1194.—वायुयान नियम, 1937 में और आगे संशोधन करने के लिए केन्द्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिन नियमों को बनाने की प्रस्थापन करती है, उनका निम्नलिखित प्रारूप, उक्त अधिनियम की धारा 14 द्वारा यथा अपेक्षित उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है जिनका तद्वारा प्रभावित होना संभाव्य है और एतद्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त प्रारूप पर 25 नवम्बर, 1970 को या के पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्रारूप के बारे में ऐसी विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व किसी व्यक्ति से जो कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त होगे उन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रारूप नियम

1. ये नियम वायुयान (..... (संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
2. वायुयान नियम, 1937 में, अनुसूची 2 के अनुभाग ड के पैरा 6(ख) में, पंक्ति दो में आगे खाले "20,000 किलोग्राम" पद के स्थान पर "21,000 किलोग्राम" पद पर प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(सं० का० 10-ए/15-70)

New Delhi, the 6th August 1970

G.S.R. 1195.—The following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published, as required by section 14 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 30th November 1970.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be considered by the Central Govrnmnt.

Draft Rules

1. These rules may be called the Aircraft(.....Amendment) Rules, 1970.
2. In the Aircraft Rules, 1937, in rule 140-A, for the words "three days previous notice", the words "seven days' previous notice" shall be substituted.

[No. F. 10-A/3-70.]

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 1970

सं। का। नि। 1195.—वायुयान नियम, 1937 में और आगे संशोधन करने के लिए कुछ नियमों का, जिन्हें वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार बनाने की प्रस्थापना करती है, निम्नलिखित प्रारूप, उक्त अधिनियम की धारा 14 की अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है जिनका उससे प्रभावित होना संभाव्य है, और एतद्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त प्रारूप पर 30 नवम्बर, 1970 को या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

2. उक्त प्रारूप के संबंध में यदि किसी व्यक्ति से कोई आक्षेप या सुझाव इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व प्राप्त होंगे तो उन पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

प्रारूप नियम

1. ये नियम वायुयान (..... संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
2. वायुयान नियम, 1937 में, नियम 140-क में, “तीन दिन की पूर्व सूचना” शब्दों के स्थान पर “सात दिन की पूर्व सूचना” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(सं। का। 10-ए/3-70)

G.S.R. 1196.—The following draft of rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published, as required by section 14 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 30th November 1970.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

Draft Rules

1. These rules may be called the Aircraft(.....Amendment) Rules, 1970.
2. In the Aircraft Rules, 1937, in section B of Schedule V, for paragraph 5, the following paragraph shall be substituted namely:—
- “3. When an aircraft, having an all up weight not exceeding 1,140 kgs. (2,500 lbs.), uses an aerodrome on the same day during hours of daylight for landings exceeding five in number, a charge equivalent to five times the charge for a single landing for the class of aircraft concerned shall be levied for that aircraft. Night landings, if any, shall be charged for separately.”

[No. F. 10-A/38-68.]

सं। का। नि। 1196.—वायुयान नियम, 1937 में और आगे संशोधन करने के लिए नियमों का, जिन्हें केन्द्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त

शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, निम्नलिखित प्रारूप उक्त अधिनियम की धारा 14 द्वारा यथावृपेक्षित, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है जिसका उनसे प्रभावित होना संभाव्य है, और एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस प्रारूप पर 30 सप्टेंबर, 1970 को या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

2. उक्त प्रारूप के संबंध में किसी व्यक्ति से यदि कोई आक्षेप या सुझाव इस प्रकार विर्तिदिव्य सारीख से पूर्व प्राप्त होंगे तो उनपर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

प्रारूप नियम

1. ये नियम वायुयान (..... संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
2. वायुयान नियम, 1937 में, अनुसूची 5 के खण्ड ख में, पैरा 5 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“5. जब कि कोई वायुयान जिसका कुल वजन 1,140 किलो ग्राम (2,500 पौंड) से अधिक हो, उसी दिन दिन के प्रकाश के घंटों के दौरान हवाई अड्डे का प्रयोग संघा में पांच से अधिक अवतरणों के लिए करे तब संबंधित वर्ग के वायुयान के लिए एकल अवतरण के लिए प्रभार के पांच गुने का समतुल्य प्रभार उस वायुयान पर उद्गृहीत होगा। यदि कोई रात्रि अवतरण हो तो वे पृथक रूप से प्रभारित होंगे।”

(संफा० 10-ए 38/68)

New Delhi, the 7th August 1970

G.S.R. 1197.—The following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published, as required by section 14 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 30th November 1970.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

Draft Rules

1. These rules may be called the Aircraft(..... Amendment) Rules, 1970.
2. In the Aircraft Rules, 1937 (hereinafter referred to as the said rules), after rule 134, the following rules shall be inserted, namely:—

“135.—*Filing of tariff showing fares, rates and charges.*—(1) Every operator of an air transport service operating in accordance with rule 134 shall file with the Director-General a tariff showing fares, rates and charges in Indian currency for air transportation between points served by it and points served by any other operator when through service and through rates had been established.

(2) Such tariffs shall be filed at least one month in advance of their introduction and shall be published in such form and manner and contain such information as may be prescribed by the Director-General from time to time.

(3) The Director-General may, for reasons to be recorded in writing reject any tariff so filed under this rule and any tariff so rejected shall be ineffective.

135-A.—Levy of fixed fares, rates and charges.—(1) No operator shall charge or demand or collect or receive any greater or less or different compensation for air transportation or for any service connected therewith other than the approved fares, rates or charges.

(2) No operator shall, in any manner or by any device directly or indirectly or through any agent or broker or otherwise, refund or remit any portion of the approved fares, rates and charges or extend to any person any privileges or facilities with respect to matters required by the Director-General, to be specified in tariffs under rule 135.

135-B.—Change in tariff of fares, rates and charges and production of records.—

(1) No change shall be made in fares, rates and charges or in classification, rule regulation or practice, affecting such fares, rates and charges or value of the service thereunder specified in any effective tariff except after previous approval by the Director-General.

(2) An application for such changes shall be made to the Director-General at least 90 days in advance.

(3) The Director-General may revise or disallow any changes.

(4) The revised tariff shall, after approval by the Director-General, be published in such form and manner as may be prescribed under rule 135.

(5) All or any of the records relating to tariff required to be maintained under these rules shall, on demand, by the Director-General or any of the officers authorised by him, by a general or special order, in writing, be produced for inspection.

135-C.—Appeal.—Any operator of an air transport service aggrieved by an order of the Director-General under sub-rule (3) of rule 135 or under sub-rule (3) of rule 135-B may, within a period of thirty days from the date of any such order, prefer an appeal to the Central Government and the decision of the Central Government on such appeal shall be final."

3. In Schedule VI to the said rules, after item 18-A, the following item shall be inserted, namely:—

Nature of offence	Relevant rule or rules	Penalty
(1)	(2)	(3)
“18B—Contravention of rules relating to filing of tariff showing fares, rates and charges; levy of fixed fares, rates and charges and change in tariff of fares, rates and charges and production of records thereof.	135, 135-A and 135-B	Imprisonment for a term not exceeding three months, or a fine not exceeding rupees one thousand or both.”

[No. F.10-A/52-69.]

S. N. KAUL, Under Secy.

नई विली 7 अगस्त, 1970

सा० का० नि० 1197.—वायुयान नियम, 1937 में श्रीरामों संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिन्हें वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हए केन्द्रीय सरकार बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त अधिनियम

की धारा 14 द्वारा यथा अपेक्षित, एतद्वारा उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनका उनसे प्रभावित होना सम्भाव्य है, और एनद्डारा सूचित किया जाता है कि उक्त प्रारूप पर 30 नवम्बर, 1970 को या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

2. यदि किसी व्यक्ति से उक्त प्रारूप के बारे में, ऐसे विनिर्दिष्ट तारीख के पूर्व, कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त हुए तो उन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रारूप नियम

1. ये नियम वायुयान (. संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
2. वायुयान नियम, 1937 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में, नियम 134 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“135. यात्री भाड़े रेट और प्रभार दर्शात् करने वाली टैरिफ़ का फाइल किया जाना

(1) नियम 134 के अनुसार प्रचालित हो रही विमान परिवहन सेवा का प्रत्येक प्रचालक, महानिदेशक के पास एक टैरिफ़ फाइल करेगा जिसमें इसकी परिवहन सेवा के स्थानों और किसी अन्य प्रचालक की परिवहन सेवा के स्थानों के बीच, उस दशा में जिसमें कि पारगामी सेवा और पारगामी रेट की व्यवस्था हो गई हो विमान परिवहन के लिए भारतीय करेंसी में यात्री भाड़े, रेट और प्रभार दर्शित हों।

(2) ऐसी टैरिफ़, उनके लागू किए जाने से कम से कम एक मास पूर्व फाइल की जाएगी और वे ऐसे प्रारूप और ऐसी रूपीति में प्रकाशित होंगी और उनमें ऐसी जानकारी होगी जैसा कि महानिदेशक द्वारा समय-समय पर विहित किया जाए।

(3) महानिदेशक इस नियम के अधीन ऐसे फाइल की गई किसी टैरिफ़ को, उन कारणों से जो लेखबद्ध किए जाएंगे, नामंजूर कर सकेगा और ऐसी मनामंजूर की गई कोई टैरिफ़ प्रभावहीन होगी।

135-क. नियम भाड़ों, रेटों और प्रभारों का उद्घाटन-

(1) कोई भी प्रचालक विमान परिवहन के लिए या उससे सम्बन्धित किसी सेवा के लिए, अनुमोदित यात्री भाड़ों, रेटों या प्रभारों से भिन्न कोई प्रतिकार न तो प्रभारित करेगा, और न मांगेगा श्रथवा उससे अधिक, या कम या भिन्न कोई प्रतिकार न तो संग्रहीत करेगा और न प्राप्त करेगा।

(2) कोई भी प्रचालक, किसी भी रीति में या प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः किसी युक्ति द्वारा श्रथवा किसी अभिकर्त्ता या दलाल की माफ़ी या अन्यथा, अनुमोदित यात्री भाड़ों, रेटों या प्रभारों का कोई विभाग न तो वापस करेगा और न उसकी छूट देगा श्रथवा किसी व्यक्ति को उन विषयों की वापस कोई विजेषाधिकार या सुविधाएं नहीं देगा, जिनकी बाबत महानिदेशक द्वारा यह अपेक्षित हो कि ये नियम 135 के अधीन टैरिफ़ों में विनिर्दिष्ट किए जाएं।

135—ख. यात्री भाड़ों, रेटों और प्रभारों की टैरिफ में परिवर्तन और अभिलेखों का पेश किया जाना —

(1) यात्री भाड़ों, रेटों और प्रभारों या ऐसे यात्री भाड़ों, रेटों और प्रभारों पर प्रभाव डालने वाले वर्गीकरण, नियम, विनियम या पद्धति अथवा किसी प्रभावी टैरिफ में विनियोग्य तद्धीन सेवा के मूल्य में, महानिदेशक के पूर्व अनुमोदन के सिवाय, कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

(2) ऐसे परिवर्तनों के लिए महानिदेशक को कम से कम 90 दिन पहले आवेदन किया जायगा।

(3) महानिदेशक किन्हीं परिवर्तनों को पुनरीक्षित या नामंजूर कर सकेगा।

(4) पुनरीक्षित टैरिफ, महानिदेशक के अनुमोदन के पश्चात्, ऐसे प्ररूप और ऐसी रीति में प्रकाशित की जाएगी जैसा कि नियम 135 में विहित है।

(5) टैरिफ से सम्बद्ध इन नियमों के अधीन बनाए रखे जाने के लिए अपेक्षित, सभी या कोई अभिलेख, महानिदेशक या उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारियों में से किसी के द्वारा लिखित रूप में साधारण या विशेष आदेश द्वारा मांगे जाने पर निरीक्षण के लिए पेश किए जाएंगे।

135—ग. आपोल — महानिदेशक के, नियम 135 के उपनियम (3) के अधीन या नियम 135—ख के उपनियम (3) के अधीन किसी आदेश से व्यक्ति किसी विमान परिवहन सेवा का कोई प्रचालक, ऐसे किसी आदेश की तारीख से तीस दिन की कालावधि के भीतर, केन्द्रीय सरकार को अपील कर सकेगा और ऐसी अपील पर केन्द्रीय सरकार का विनिश्चय अन्तिम होगा।”

3. उक्त नियमों की अनुसूची VI में, मद 18—क के पश्चात्, निम्नलिखित मद अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

अपराध का स्वरूप	सुसंगत नियम	शक्ति
(1)	(2)	(3)

“18—ख—यात्री भाड़े, रेट और प्रभार 135, 135—ख और 135—ख या कारावास से अनधिक अवधि का करने ; नियत यात्री भाड़े, रेट और प्रभार के उद्ग्रहण तथा यात्री भाड़ों, रेटों और प्रभारों की टैरिफ में परिवर्तन और उनके अभिलेखों को पेश करने से सम्बद्ध नियमों का उल्लंघन ।

G.S.R. 1198.—The following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published as required by section 14 of the said Act for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the draft will be taken into consideration on or after the 30th November, 1970.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

Draft Rule

1. These rules may be called the Aircraft (..... Amendment) Rules, 1970.
 2. In the Aircraft Rules, 1937, in Section C of Scheduled II, under clause (d) of paragraph 1, after Note 2, the following Note shall be inserted, namely:—
- “3. 50 per cent of solo gliding experience shall count towards solo flying experience requirement, subject to a maximum of 10 hours.”

[No. F. 10-A/58-69.]

सा० का० नि० 1198.—वायुयान नियम, 1937 में और आगे संशोधन करने के लिए कुछ नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जहें वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाने की प्रस्थापना केन्द्रीय सरकार करती है; उक्त अधिनियम की धारा 14 द्वारा यथा अपेक्षित, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है जिनपर इसका प्रभाव पड़ना संभाय है तथा एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि प्रारूप पर 30 नवम्बर, 1970 को या उसके पश्चात् विचार किया जायगा।

2. उक्त प्रारूप के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से यदि कोई आक्षेप या सुझाव इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख के द्वारा प्राप्त होंगे तो उन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जायगा।

प्रारूप नियम

1. ये नियम वायुयान (———संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

2. वायुयान नियम, 1937, में अनुसूची 2 के खण्ड ग में, पैरा 1 के खण्ड (घ) के नीचे अनुभव के 2 के पश्चात् निम्नलिखित टिप्पण अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“3. सोलो (एकाकी) उड़ान के अनभव की अपेक्षा के सम्बन्ध में सोलो लाइटिंग के अनुभव के 50 प्रतिशत की गणना की जायगी किंतु अधिकतम 10 घटों के से अनुभव को ही गणना में लिया जायगा।”

[सं० का० 10-ए/58-69]

New Delhi, the 10th August 1970

G.S.R. 1199.—The following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government propose to make, in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published, as required by section 14 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 30th November, 1970.

2. Any objection or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date specified above, will be considered by the Central Government.

Draft Rules

1. These rules may be called the Airdraft (.....Amendment) Rules, 1970.
2. In Schedule XI to the Aircraft Rules, 1937,—

(1) in paragraph 15, in sub-paragraph (1), the sentence beginning with the words "The decision of the Director General" and ending with the words "shall be final and binding" shall be omitted;

(2) after paragraph 22, the following paragraph shall be inserted, namely:—

"23. Any applicant or a holder of a permit, aggrieved by an order of the Director-General rejecting the application, cancelling or suspending such permit, as the case may be, may, within a period of thirty days from the date of such order, prefer an appeal to the Central Government and the decision of the Central Government on such appeal shall be final."

[No. F.10-A/46-67.]

S. N. KAUL, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1970

सा० का० नि० 1199.— वायुयान नियम, 1937 में और आगे संशोधन करने के लिए कठिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिन्हें केन्द्रीय सरकार वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त अधिनियम की धारा 14 द्वारा यथापेक्षित, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए जिनका एतद्वारा प्रभावित होना सम्भव्य है, एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है और एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर 30 नवम्बर, 1970 को या के पश्चात् विचार किया जाएगा।

2. किसी व्यक्ति से उक्त प्रारूप के बारे में जो कोई आक्षेप या सुझाव ऊपर विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व प्राप्त होगा उस पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

प्रारूप नियम

1. ये नियम वायुयान (———संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

2. वायुयान नियम 1937 की अनुसूची 11 में —

(1) पैरा 15 में उप-पैरा (1) में, "महानिदेशक का इस बारे में विनिश्चय कि क्या" शब्द से आरम्भ होने वाले और "अन्तिम और वाध्यकर होगा" शब्द से न्त होने वाले वाक्य का लोप कर दिया जायगा;

(2) पैरा 22 के पश्चात् निम्नलिखित पैरा अन्तःस्थापित किया जायगा, अर्थात् :—

“23. कोई आवेदक या अनुज्ञापन धारक जो महा-निदेशक के, यथास्थिति आवेदन को नामंजूर करने वाले, ऐसे अनुज्ञापन को रद्द करने वाले या निलम्बित करने वाले आदेश द्वारा व्यथित हो वह ऐसे आदेश की तारीख से तीस दिन की कालावधि के भीतर केन्द्रीय सरकार को अपील कर सकेगा और ऐसी अपील पर केन्द्रीय सरकार का विनिश्चय अन्तिम होगा ”

[सं. फा० 10-ए/46-67]

सुरेन्द्र नाथ कौल, अवर सचिव।

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

(Transport Wing)

PORTS

New Delhi, the 8th July 1970

G.S.R. 1200.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Tuticorin Harbour Project (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1968 namely:—

1. (1) These rules may be called the Tuticorin Harbour Project (Class III and Class IV posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

(2) For rule 6 of the Tuticorin Harbour Project (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1968 the following rule shall be substituted, namely:—

“6. Disqualification: No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the posts;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.”

[No. 5-PE(23)/70-II.J]

जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन बिंग)

पत्रन

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1970

सा०का०नि० 1200.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा द्यूटीकोरिन बन्दरगाह परियोजना (वर्ग 3 और वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1968 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम द्यूटीकोरिन बन्दरगाह परियोजना (वर्ग 3 और वर्ग 4 पद) (संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
 - (2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्ति होंगे।
 2. द्यूटीकोरिन बन्दरगाह परियोजना (वर्ग 3 और वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1968 के नियम 6 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
- “6. निरहंताएः :— वह व्यक्ति—
- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या पत्नी जीवित है, विवाह किया है ; या
 - (ख) जिसने, पति या पत्नी के जीवित होते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह किया है ;

इन पदों पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा;

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुशेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद है, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।”

[सं० 5-पीई (23)/70-II)]

G.S.R. 1201.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Mangalore and Tuticorin Harbour Projects (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1965, namely:—

1. (1) These rules may be called the Mangalore and Tuticorin Harbour Projects (Class I and Class II posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. For rule 6 of the Mangalore and Tuticorin Harbour Projects (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1965, the following rule shall be substituted, namely:—

“6. Disqualification.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the posts;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule."

[No. 5-PE(28)/70-I.]

P. L. GUPTA, Under Secy.

संविधान नियम 1201।—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा मंगलोर और ट्यूटीकोरिन बन्दरगाह परियोजनाएं (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1965 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम मंगलोर और ट्यूटीकोरिन बन्दरगाह परियोजनाएं (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) (संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
- (2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रबृत्त होंगे।
2. मंगलोर और ट्यूटीकोरिन बन्दरगाह परियोजनाएं (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती नियम 1965 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"निरहंताएः : वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है विवाह किया है, या

(ख) जिसने पति या पत्नी के जीवित होते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह किया है ; इन पदों पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान [हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी ।"

[मं०-५-पी ई (23)/70-I.]

पी० एल० गुप्ता, अवर सचिव ।



(Transport Wing)

New Delhi, the 5th August, 1970

G.S.R. 1202.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Training Ship 'Dufferin' (Class II Non-Gazetted, Class III and Class IV) Recruitment Rules, 1967, namely :—

1. These rules may be called the 'Training Ship 'Dufferin' (Class II Non-Gazetted, Class III and Class IV) Recruitment (Amendment) Rules, 1970.

2. In the Schedule to the Training Ship 'Dufferin' (Class II Non- Gazetted, Class III and Class IV) Recruitment Rules, 1967 for serial No. 13 and the entries relating thereto, the following serial No. shall be substituted, namely :—

	1	2	3	4	5	6	7
Hindi Teacher	1	General Central Service	Rs. 250—10— 290—15—380 EB—15—470.	Not applicable	Not applicable	Not Applicable	Not Applicable

	8	9	10	11	12	13
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation.	By transfer on deputa- tion of a Hindi Tea- cher from the Hindi Teaching Scheme, Ministry of Home Affairs.	Not applicable	Not applicable	Not applicable

[No. 21-M'T(4)/69]

B. ROY, Dy. Secy.

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 1970

सा० का० मि० 1202.— संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शवितयों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति प्रशिक्षण पोत डफरिन (द्वितीय श्रेणी अराजपत्रित, तृतीय श्रेणी और चतुर्थ श्रेणी) नियुक्ति नियम 1967 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. ये नियम प्रशिक्षण पोत डफरिन (द्वितीय श्रेणी अराजपत्रित, तृतीय श्रेणी तथा चतुर्थ श्रेणी) भर्ती नियम (संशोधन) नियम, 1970, कहे जा सकेंगे।

2. प्रशिक्षण पोत डफरिन (द्वितीय श्रेणी अराजपत्रित, तृतीय श्रेणी तथा चतुर्थ श्रेणी) भर्ती नियम, 1967 की अनुसूची में क्रम सं० 13 उससे सम्बद्ध प्रविधियों के लिए निम्नलिखित क्रम संख्या रखी जाएगी, अर्थात् :—

1

2

3

4

5

6

7

हिन्दी	1	सामान्य	250-10-	लागू	लागू नहीं	लागू नहीं होता
अध्यापक		केन्द्रीय सेवा	290-15-	नहीं	होता	
		तृतीय श्रेणी	380 द० रो०	होता		
		अराजपत्रित	15-470			
		अलिपिक				
		वर्गीय				

8

9

10

11

12

13

लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	स्थानान्तरण द्वारा प्रति- नियुक्ति पर	हस्तान्तरण द्वारा गृह मन्त्रालय को हिन्दी प्रशिक्षण योजना से एक अध्यापक की प्रतिनियुक्ति पर	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
-------------------	-------------------	---	---	-------------------	-------------------	-------------------

[सं० 21-एम० टी० (4)/67]

बादल राय, उप सचिव ।

(Transport Wing)

New Delhi, the 6th August 1970

G.S.R. 1203.—In exercise of the powers conferred by section 19 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Shipping Development Fund Committee (General) Rules, 1960, namely:—

1. These rules may be called the Shipping Development Fund Committee (General) Amendment Rules, 1970.

2. In sub-rule (3) of rule 12 of the Shipping Development Fund Committee (General) Rules, 1960,—

(1) in clause (a), the words "and for the Secretary" shall be omitted;

(2) for clause (b), the following clauses shall be substituted, namely:—

"(b) The Secretary shall be his own Controlling Officer in respect of travelling and daily allowances.

(c) The Secretary shall also be the Controlling Officer in respect of the travelling and daily allowances of other officers and employees of the Committee."

[No. 35-MD(9)/69.]

JASWANT SINGH, Under Secy.

(परिवहन संस्था)

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 1970

सं० ३० नि० १२०३.—वाणिज्य पोष परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार पोत परिवहन विकास निधि समिति (साधारण) नियम, 1960 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, प्रथात् :—

1. ये नियम पोत परिवहन विकास निधि समिति (साधारण) संशोधन नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

2. पोत परिवहन विकास निधि समिति (साधारण) नियम, 1960 के नियम 12 के उपनियम (3) में—

(1) खण्ड (क) में "और सचिव के लिए" शब्द लूप्त कर दिए जाएंगे;

(2) खण्ड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किए जाएंगे, प्रथात्

"(ख) सचिव, यात्रा और दैनिक भृतों की बाबत स्वयं अपना नियंत्रण अधिकारी होगा।

(ग) सचिव, समिति के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के यात्रा और दैनिक भृतों की बाबत भी नियंत्रण अधिकारी होगा।"

[सं० 35-एम० डी० (9)/69]
जसवन्तसिंह, अवर सचिव।

(Transport Wing)

New Delhi, the 13th August 1970

G.S.R. 1204.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 33 of the Indian Ports Act 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Transport and Shipping (Transport Wing) No. G.S.R. 581 dated the 4th April, 1967, relating to the levy of fees charged on vessels for services rendered at the Port of Madras, namely:—

- (1) In the Schedule annexed to the said notification under the heading "I. Pilotage and other fees"
 - (a) in the entries under the sub-heading "Scale A-General", the following "Note" shall be added at the end, namely:—"NOTE:—The fees and charges leviable under this heading shall be increased by fifteen per cent".
- (b) in the entries under the sub-heading "Scale B-Other Fees", the following "Note" shall be added at the end, namely:—"NOTE:—The fees and charges leviable under this heading shall be increased by fifteen per cent".
- (2) under the heading "II. Berth Hire Charges"
 - (a) under the sub-heading, "A Steamers", after Note (5) the following "Note" shall be added, namely:—"NOTE:—The Berth Hire Charges leviable under this heading shall be increased by fifteen per cent".
 - (b) under the sub-heading "B. Sailing Vessels", the following "Note" shall be added, namely:—"NOTE:—The Berth Hire Charges leviable under this heading shall be increased by fifteen per cent".
- (3) under the heading "III. Fee for the Detention of Pilot", the following "Note" shall be added, namely:—"NOTE:—The fee leviable for Detention of Pilot shall be increased by fifteen per cent".
- (4) under the heading "IV. Charges for Towage of sailing vessels" the following "Note" shall be added, namely:—"NOTE:—The charges leviable for towage of sailing vessels shall be increased by fifteen per cent".
- (5) under the heading "V. Diver's charges";
 - (a) Note shall be re-numbered as Note (2) thereof and before the Note as so re-numbered the following "Note" shall be inserted, namely:—"NOTE:—(1) The charges leviable under this heading shall be increased by fifteen per cent".
 - (b) after Note (2) as so re-numbered, the following "Note" shall be inserted, namely:—"NOTE:—(3) When the diving boat is towed by a launch, the towage charges will be levied extra".
- (6) under the heading "VI. Salvage Charges" the existing "Note" shall be re-numbered as Note (2) thereof and before the Note as so re-numbered, the following "Note" shall be inserted, namely:—"NOTE:—The fee leviable for Detention of Pilot shall be increased by fifteen per cent".

2. This Notification shall come into force on the 22nd day of August, 1970.

(परिवहन स्कन्ध)

नई दिल्ली, 13 अगस्त, 1970

सा० का० नि० 1204.—भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 35 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व परिवहन और जहाजरानी मंत्रालय परिवहन स्कन्ध, की मद्रास पत्तन पर की गई सेवाओं के लिए जलयानों पर प्रभारित फीस के उद्घाटन से संबंधित अधिसूचना सं० सा० का० नि० 531 तारीख 4 अप्रैल, 1967 में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्

उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में —

(1) “1. चालन प्रभार और अन्य फीस” शीर्षक के नीचे —

(क) “मापमान क—साधारण “उपशीर्षक के नीचे की प्रविष्टियों में अन्त में निम्नलिखित “टिप्पण” जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

टिप्पण : इस शीर्षक के अधीन उद्घाटनीय फीसों और प्रभारों में पन्द्रह प्रतिशत की वृद्धि कर दी जाएगी।”

(ख) “मापमान ‘ख’—अन्य फीसें” उपशीर्षक के अधीन की प्रविष्टियों में अन्त में निम्नलिखित “टिप्पण” जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

टिप्पण :— इस शीर्षक के अधीन उद्घाटनीय फीसों और प्रभारों में पन्द्रह प्रतिशत की वृद्धि कर दी जाएगी।”

2. “II वर्ध भाड़ा प्रभार” शीर्षक के नीचे —

(क) “कस्टीमर” उपशीर्षक के नीचे टिप्पण (5) के प्रश्नात निम्नलिखित “टिप्पण” जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“टिप्पण : इस शीर्षक के अधीन उद्घाटनीय वर्ध भाड़ा प्रभार में पन्द्रह प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी।”

(ख) “ख पालजलयान” उपशीर्षक के नीचे निम्नलिखित ”टिप्पणी जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“टिप्पण :— इस शीर्षक के अधीन उद्घाटनीय वर्ध भाड़ा भार में पन्द्रह प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी।”

3. “III पाइलट को रोक रखने के लिए फीस” शीर्षक के नीचे, निम्नलिखित “टिप्पण” जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“टिप्पण : पाइलट को रोक रखने के लिए उद्घाटनीय फीस में पन्द्रह प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी।”

4. “IV पाल जलयानों के नोकर्ण के लिए उद्घाटनीय प्रभार” शीर्षक के नीचे निम्नलिखित “टिप्पण” जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“टिप्पण : पाल जलयानों के नोकर्ण के लिए उद्घाटनीय प्रभारों में पन्द्रह प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी।”

5. "चालक प्रभार" शीर्षक के नीचे --

(क) टिप्पण को उसके टिप्पण (2) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और ऐसे पुनःसंख्यांकित टिप्पण के पूर्व निम्नलिखित "टिप्पण" अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"टिप्पण (1) :— इस शीर्षक के अधीन उद्ग्रहणीय प्रभारों में पन्द्रह प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी।"

(ख) ऐसे पुनःसंख्यांकित टिप्पण (2) के पश्चात् निम्नलिखित "टिप्पण" अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

टिप्पण: (3) जब निभञ्जन नौका लान्च द्वारा कपित की जाती है तब नोकपंण प्रभार अलग से उद्ग्रहीत किया जाएगा।"

6. "VI उद्धारण प्रभार" शीर्षक के नीचे विद्यमान "टिप्पण" को उसके टिप्पण (2) के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जाएगा और ऐसे पुनःसंख्यांकित टिप्पण के पूर्व निम्नलिखित "टिप्पण" अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"टिप्पण (1) उद्धारण प्रभारों के रूप में उद्ग्रहणीय प्रभारों में पन्द्रह प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी।"

2. यह अधिसूचना 1970 की प्रगति के 22 वें दिन प्रवृत्त होगी।

[सं 13-पी० जी० (24)/70]

के० एल० गुप्ता, अध्यक्ष सचिव ।

**MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND MINES AND METALS
(Department of Mines and Metals)**

New Delhi, the 22nd July 1970

G.S.R. 1205.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Department of Mines and Metals Staff Car Drivers Recruitment Rules, 1970, namely:—

1. (1) These rules may be called the Department of Mines and Metals Staff Car Drivers Recruitment (Amendment) Rules, 1970.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Department of Mines and Metals Staff Car Drivers Recruitment Rules, 1970, for rule 4, the following shall be substituted, namely:—

"4. Disqualifications.—

No person:—

(a) who has entered into, or contracted, a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into, or contracted, a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule."

[No. 16/5/69-Estt.]

M. M. BAKSHI, Under Secy.

‘ट्रोनियम तथा रक्षायन और खान तथा धातु मंत्रालय

(खान तथा धातु विभाग)

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1970

सं. १० नि. १२०३.—संविधान के अनुच्छेद ३०९ के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हए, राष्ट्रपति एतद्वारा, खान तथा धातु विभाग में स्टाफ कार चालक के भर्ती नियम, 1970 में संशोधन करने हेतु निम्नलिखित नियम बनाते हैं :—

(१) यह नियम खान तथा धातु विभाग स्टाफ कार चालक (संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

(२) यह नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

२. खान तथा धातु विभाग स्टाफ कार चालक भर्ती नियम, 1970 में नियम ४ के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“४-निरहंताएः :—

कोई ऐसा पुरुष/ऐसी महिला उक्त पदों में से किसी भी पक की नियुक्ति के लिए नहीं होगा/होगी :—

(क) जिसने ऐसी महिला /ऐसे पुरुष से विवाह किया जो अथवा विवाह करने का निश्चय किया हो जिसका पति /जिसकी पत्नी जीवित है, अथवा

(ख) जिसकी पत्नी/जिसका पति जीवित होते हुए किसी अन्य महिला/पुरुष में विवाह किया जो अथवा करने का निश्चय किया हो,

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि इस प्रकार का विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्ष को प्रत्रोज्य वैयक्तिक कानून के आधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के अन्य कारण हैं, तो वह इस नियम के प्रवर्तन में छूट दे सकेगी”।

मदन मोहन बर्ही, अधिकारी, सचिव ।

सं. १६/५/६९—स्थापना]

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 10th August 1970

G.S.R. 1206.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Research Designs and Standards Organisation (Non-Gazetted Ministerial posts) Recruitment Rules, 1967.

1. **Short title.**—(1) These rules may be called the Research Designs and Standards Organisation (Non-Gazetted Ministerial posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Research Designs and Standards Organisation (Non-Gazetted Ministerial posts) Recruitment Rules, 1967,—

(a) against item 4 relating to the post of "Lower Division Clerks"—

(i) in column 10, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"(a) 10 per cent of the vacancies may be filled by appointment of Class IV employees (borne on regular establishment) working in the Research Designs and Standards Organisation on the basis of competitive examinations held for the purpose by that Organisation.

(b) 90 per cent of the vacancies shall be filled by direct recruitment on the basis of competitive examinations held by the Union Public Service Commission.

NOTE.—To the extent sufficient number of qualified candidates from the competitive examinations referred to in (a) and (b) above are not available for appointment on the basis of such competitive examinations, the vacancies may be filled by drafting suitable candidates from the Railways subject to an upper limit of 25 per cent of the total number of vacancies.";

(ii) in column 12, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"Selection Board for filling vacancies from amongst the class IV staff of the Research Design and Standards Organisation or from Railways shall consist of 2 Senior Scale Officers and Deputy Director (Establishment)".

(b) the Note shall be omitted.

[No. ERBI-70/44/18.]

C. S. PARAMESWARAN, Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 10th August 1970

G.S.R. 1207.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 3 of All India Services Act 61 read with rule 11 of the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954, the Central Government hereby makes the following amendments to Schedule III appended to the said rules;

2. The amendments may be called the tenth, Amendment of 1970 to the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954.

3. These amendments shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

AMENDMENT TO IPS (PAY) SCHEDULE

4. In the said Schedule III, under the heading "A-Posts carrying pay above the time scale pay in the Indian Administrative/Indian Police Service under the State Government's against Union Territories the following entry may be added:—

Posts under the Delhi Administration

Deputy Inspector General of Police (Administration) 1600—100—2000.

Deputy Inspector General of Police (Armed Police) 1600—100—2000.

(ii) for the entry:—

Deputy Inspector General of Police the following entry may be substituted:

Deputy Inspector General of Police (Range).

5. Under the heading "B-Posts carrying pay in the senior time-scale of the Indian Administrative/Indian Police Service under the State Governments, including posts carrying special pays in addition to pay in the time scale" against Union Territories the following entries may be added namely:—

Posts under the Delhi Administration

Additional Superintendent of Police.

Posts under the Government of Manipur

Supdt. of Police, C.I.D.

(ii) the following entry may be deleted:

Posts under the Delhi Administration

Foreigners Regional Registration Officer (S.P.)

(iii) for the entry:

Posts under the Government of Tripura

Commandants the following may be substitute; Commandant, Tripura Armed Police.

[No. 11/34/69-AIS(I).]

गृह संशोधन

नई दिल्ली 10 अगस्त, 1970

सा० न० नि० 1207.—भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) नियम, 1954 के नियम 11 के साथ पर्णित श्रविल भारतीय से एं अधिनियम की धारा 3 की उपधा । (1) द्वारा प्रदत्त ग्रक्षितयों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार उक्त नियम के साथ मल्गन अनुसूची ॥। में एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है :—

2. इन पंशोधनों को भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) नियम, 1954 का दम्भवां संशोधन 1970 कहा जा सकेगा ।

3. ये नंशोधन सरकारी नज़पत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे ।

भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) अनुसूची में संशोधन

4. उक्त अनुसूची ॥। में संघ शामिल क्षेत्रों के सामने "क—राज्य सरकारी के अधीन भारतीय पुलिस में समय-मान वेतन से अधिक वेतन बाल पद" शीर्षक के अन्तर्गत (1) निम्नलिखित प्रविस्ति जोड़ दी जाय :—

दिल्ली प्रशासन के अधीन पद

पुलिस उप महानिरीक्षक (प्रशासन) 1600-100-2000 ₹०

पुलिस उप महानिरीक्षक (सशस्त्र पुलिस) 1600-100-2000 ₹०

(ii) निम्नलिखित प्रविधि की जगह :—

पुर्णिम उपमहानिरीक्षक

निम्नलिखित प्रविधि प्रतिस्थापित की जाय :

पुर्णिम उपमहानिरीक्षक (रेज)

5. मंध शासित क्षेत्रों के सामने 'ख-गज्य सरकारों के अधीन भारतीय पुलिस सेवा के वरिट मय मान के बेतन वाले पद, जि, में समय-मान के बेतन के अतिरिक्त विशेष बेतन वाले पद भी शामिल हैं शीर्षक के प्रत्यर्गत निम्नलिखित प्रविधियां जोड़ दी जाय, अर्थात् :—

दिल्ली प्रशासन के अधीन पद

पुलिस अधीक्षक

मणिपुर राज्य के अधीन पद

पुलिस अधीक्षक, सी० आई० डी०

(ii) निम्नलिखित प्रविधि यां हटा दी जाय :—

दिल्ली प्रशासन के अधीन पद

विदेशियों के क्षेत्रीय पंजीयन अधिकारी (एम० वी०)

(iii) निम्नलिखित प्रविधियों के न्याय पर :—

त्रिपुरा सरकार के अधीन पद :—

'कम-डेट'

निम्नलिखित प्रविधि प्रतिस्थापित की जाय :—

"कनांडे-ट, त्रिपुरा सशस्त्र पुलिस"।

[म 11/34/69-प्र० भा०सं०-1]

G.S.R. 1208.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Police Service (cadre) Rules, 1954, the Central Government in consultation with the Government of Haryana, hereby makes the following regulations, namely:—

(i) The amendment shall take effect from the fifth July, 1970.

(ii) These Regulations may be called the Indian Police Service (Fixation of cadre Strength) Sixth Amendment Regulations, 1970.

AMENDMENT TO THE FIXATION OF CADRE STRENGTH

1. Senior posts under the State Government	19
Inspector General of Police	1
Deputy Inspectors General of Police	2
Asstt. Inspectors General of Police	3
Superintendent of Police (Districts)	7
Superintendent of Police (CID)	3
Superintendent of Police (HAP)	2
Director, Special Inquiry Agency	1
	<hr/>
	19
2. Central Deputation Reserve @ 40% of 1 above.	8
	<hr/>
	27

3. Posts to be filled by promotion in accordance with rule 9 of the IPS (Recruitment) Rules, 1954.	9 6
4. Posts to be filled by direct recruitment	21
5. Deputation Reserve @ 20% of 4 above	4
6. Leave Reserve @ 11% of 4 above	2
7. Junior posts @ 20.60% of 4 above	4
8. Training Reserve @ 10.59% of 4 above.	3*
 Direct Recruitment posts	 34
Promotion posts	6
 Total Authorised Strength:	 40

*Includes 1 post in excess of 10.59%.

[No. 7/8/70-AIS(I).]

Explanatory Memorandum

The purpose of this amendment is to accommodate one Indian Police Service Probationer to the Indian Police Service Cadre of Haryana in excess of the authorised Strength. It has become necessary to give effect to the increase with effect from the date on which the Indian Police Service Probationers joined the National Academy of Administration, Mussorie, i.e. the 5th July, 1970.

The retrospective effect given to the notification would not prejudicially affect the rights of other persons.

B. NARASIMHAN, Under Secy.

स्त्रा० का० मि० 1203.— भारतीय पुलिस सेवा (संवर्ग) नियम, 1954 के नियम 4 के उपनियम (1) के साथ पश्चिम भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा () द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार हरियाणा सरकार के परामर्श से एतदद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, प्रथात् :—

(i) यह संशोधन 5 जुलाई, 1970 से लागू होगा।

(ii) इन विनियमों को भारतीय पुलिस सेवा (संवर्ग संख्या नियतन) छटवा संशोधन विनियम, 1970 कहा जा सकेगा।

संवर्ग संख्या नियतन में संशोधन

1. राज्य सरकार के अधीन वरिष्ठ	19
पुलिस महानिरीक्षक	1
पुलिस उप-महानिरीक्षक	2
पुलिस सहायक महा निरीक्षक	3
पुलिस अधीक्षक (जिला)	7

पुलिस अधीक्षक (जिला)	7
पुलिस अधीक्षक (सी० आई० डी०)	3
पुलिस अधीक्षक (एच० ए० पी०)	2
निदेशक, विषेष जांच अधिकरण	1
	—
	19
	8
	—
2. केन्द्रीय प्रतिनियक्ति रिजर्व उपर्युक्त 1 के 40 प्र० श० के हिसाब से	27
3. भारतीय पुलिस सेवा (भर्णी) नियम, 1954 के नियम 9 के अधीन पदोन्नति द्वारा भरे जाने वाले पद, उपर्युक्त 1 और 2 के 25 प्र० श० के हिसाब से	6
4. पीढ़ी भर्णी द्वारा भरे जाने वाले पद उपर्युक्त 1 और 2 में घटकर	21
5. प्रतिनियुक्ति रिजर्व	
उपर्युक्त 4 के 20 प्र० श० के हिसाब से	4
6. छुट्टी रिजर्व	
उपर्युक्त 4 के 11 प्र० श० के हिसाब से	2
7. कनिष्ठ पद	
उपर्युक्त 4 के 20. 60 प्र० श० के हिसाब से	4
8. प्रणिक्षण रिजर्व	
उपर्युक्त 4 के 10. 59 प्र० श० के हिसाब से	3
सीधी भर्णी के पद	3
पदोन्नति के पद	4
	—
कुल प्राधिकृत संख्या	6
	—
40	

*10. 59 प्र० श० में एक पद और मिलाकर

व्याख्यातमक ज्ञापन

इस संशोधन का अभिप्राय भारतीय पुलिस सेवा के हरियाणा संघर्ग में प्राधिकृत संख्या के अतिरिक्त एक भारतीय पुलिस सेवा परिवीक्षाधीन अधिकारी को समायोजित करना है। इस बढ़ोत्तरी को उस तारीख (अर्थात् 5 जुलाई, 1970) से लागू करना आवश्यक हो गया है जिस तारीख से भारतीय पुलिस सेवा परिवीक्षाधीनों ने राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मंसूरी में सेवा आरम्भ की।

इस अधिसूचना को पिछी तारीख से लागू करने से अन्य लोगों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० 7/8/70-प्र० भा० स० (1)]

बी० नगसिहन, अवर सचिव।

New Delhi, the 11th August 1970

G.S.R. 1209.—In exercise of the powers conferred by article 239 of the Constitution and Section 46 of the Government of the Union Territory Act, 1963 (20 of 1963) and all other powers enabling him in that behalf, the President hereby makes the following rules further to amend the Business of the Government of Manipur (Allocation) Rules, 1963, namely:—

1. These rules may be called the Business of the Government of Manipur (Allocation) Amendment Rules, 1970.
2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
3. In the Schedule appended to the Business of the Government of Manipur (Allocation) Rules, 1963 (a) sub-entry (iii) of entry 16 shall be omitted and sub-entry (iv) of that entry 16 shall be renumbered as sub-entry (iii); (b) after entry 19, the following entry shall be inserted, namely:—

“20. Electricity Department”.

[No. 12/39/70-HMT.]

H. S. DUBEY, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 1970

सरकारी नियम 1209.—गायत्रीपति, संविधान के ग्रन्तुच्छेद 239, तथा संघ-शासित क्षेत्र सरकार आधिकारियम 1963 (1962 का 20) की धारा 46 द्वारा प्रदत्त शक्तियों, तथा उन्हें उस सम्बन्ध में समर्थ करने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मणिपुर सरकार कार्य (आवंटन) नियम, 1963 में और संशोधन करते हुए, एन्ड्रूग निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अधिकारी।

- 1— ये नियम मणिपुर सरकार कार्य (आवंटन) संशोधन नियम 1970 कहे जा सकेंगे।
- 2— ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।
- 3— मणिपुर सरकार कार्य (आवंटन) नियम 1963 के साथ संलग्न सूची में—
 - (क) प्रविष्टि 16 की उप-प्रविष्टि (III) हटा दी जायेगी, और उस प्रविष्टि 16 की उप-प्रविष्टि (4) का पुनर्संबद्धाकाम, उप-प्रविष्टि (III) के रूप में किया जायेगा,
 - (ख) प्रविष्टि 19 के बाद, निम्नलिखित प्रविष्टि जोड़ दी जायेगी।

“20 बिजली विभाग

[सं. 12/39/70-एच० एम० टी०]

एच० एम० दूषे उप सचिव।

ORDER

New Delhi, the 5th August 1970

G.S.R. 1210.—In pursuance of clause (22) of article 366 of the Constitution of India, the President is hereby pleased to recognise Thakore Shri Dharamendra-singhji as the Ruler of Muli with effect from 14th June 1970 in succession to late Thakore Shri Harishchandrasinghji.

[No. F.16/12/70-Poll-III.]

L. P. SINGH, Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 1970

सं० १० फि० १२१०.—भारत के संविधान के अनुच्छेद ३६६ की धारा (२२) के प्रत्युमार राष्ट्रपति जी इस आदेश के द्वाग ठाकुर श्री धर्मेन्द्र मिहं जी को १४ जून, १९७० से स्वार्थी ठाकुर श्री हरिश्चन्द्र सिंह जी के स्थान पर मृती के शासक के रूप में सर्वो मान्यता प्रदान करते हैं।

[सं० १६/१२/७०—रोलिटिकल (३)]

ल० प्र० मिहं, सचिव।

CABINET SECRETARIAT
(Department of Personnel)
New Delhi, the 6th August 1970

G.S.R. 1211.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with Rule 11 of the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, the Central Government in consultation with the Governments of the States concerned hereby makes the following amendments to Schedule III appended to the said Rules.

1. (1) These amendments may be called the Thirteenth Amendment of 1970 to the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954.
- (2) They shall come into force with effect from 1st March, 1970.

AMENDMENT TO I.A.S. (PAY) SCHEDULE

2. In schedule III to the I.A.S. (Pay) Rules, 1954, under the heading "A-Posts carrying pay above the time scale pay in the Indian Administrative Service under the State Governments", the pay of Rs. 3000 shown against the post of Chief Secretary to the Government in respect of the following States may be substituted as Rs. 3500:—

1. Andhra Pradesh
2. Bihar
3. Gujarat
4. Haryana
5. Jammu and Kashmir
6. Maharashtra
7. Madhya Pradesh
8. Mysore
9. Orissa
10. Punjab
11. Rajasthan
12. Tamil Nadu
13. Uttar Pradesh
14. West Bengal.

Explanatory Memorandum

The Government of India have decided that these orders be made effective from the 1st March, 1970, and no officer is likely to be adversely affected.

[No. 1/60/68-AIS(II).]

B. NARASIMHAN, Under Secy.

(Department of Personnel)

New Delhi, the 22nd August 1970

G.S.R. 1212.—In pursuance of the provisions of sub-paragraph (2) of paragraph 2 of the Fourth Schedule to the Central Secretariat Service Rules, 1962, the Central Government in the Ministry of Home Affairs, in consultation with the Union Public Service Commission, hereby makes the following regulations further to amend the Central Secretariat Service Section Officers' Grade Limited Departmental Competitive Examination Regulations, 1964, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Central Secretariat Service Section Officers' Grade Limited Departmental Competitive Examination (Second Amendment) Regulations, 1970.

(2) They shall come into force at once.

2. In the Central Secretariat Service Section Officers' Grade Limited Departmental Competitive Examination Regulations, 1964, in sub-regulation (1) of regulation 2, for clause (a) the following clause shall be substituted, namely:—

(a) "crucial date" means the first day of July of the year preceding the date of commencement of the examination;".

[No. F. 5/35/70-CS(I).J]

M. K. VASUDEVAN, Under Secy.

मंत्रिमंडल संचिवालय

(कार्यालय विभाग)

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1970

सा० का० नि० 1212.—केन्द्रीय सचिवालय सेवा नियम, 1962 की चतुर्थ अनुसूची के पैरा 2के उप-पैरा (2) के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, गृह मंत्रालय में संघ सेवा आयोग के परामर्श से केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा विनियम, 1964 का और संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात् :—

(1) ये विनियम केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा (द्वितीय संशोधन) विनियम, 1970 कहे जा सकेंगे,

(2) ये तुरन्त लागू होंगे।

2 केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा विनियम, 1964 में, विनियम 2 के उप-विनियम (1) के खण्ड (क) की जगह निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जायगा, अर्थात् :—

'(क)' "निर्णायक तारीख" का तात्पर्य परीक्षा आरम्भ होने की सारीख से पहले के वर्ष के जुलाई महीने के प्रथम दिन से है।

[सं०फ० 5/35/70-के० से० (1)]

एम० के० वासुदेवन, अधर सचिव

DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE

CORRIGENDUM

New Delhi, the 6th August 1970

G.S.R. 1213.—Please substitute the following in Col. 4 (Scale of pay) of the Schedule enclosed with Department's Notification No. F.14/9/68-SW.5 dated the 18th June, 1970 Rs. 325—15—475—EB—20—575.

ORDER

Ordered that the corrigendum be published in the Gazette of India for general information.

[No. F. 14/9/68-S.W.S.]

M. C. NANAVATTY,
Adviser, Social Welfare.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

New Delhi, the 15th July 1970

G.S.R. 1214.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Ministry of Commerce Class I and Class II (Gazetted) posts Recruitment Rules, 1967, namely:—

1. (i) These rules may be called the Ministry of Commerce Class I and Class II (Gazetted) posts Recruitment (Amendment) Rules, 1970.

(ii) In the Schedule to the Ministry of Commerce Class I and Class II (Gazetted) posts Recruitment Rules, 1967, in the post relating to "Junior Analyst", in the entries relating to Serial No. 2, for the figure, bracket and word "1 (one)", the figure, brackets and word "2 (Two)" shall be substituted.

[No. F.1/31/69-E.I.]

K. K. SACHDEV, Under Secy

बिवादी व्यापार मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1970

जी० एस० आर० 1214.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, वाणिज्य मंत्रालय श्रेणी 1 तथा श्रेणी 2 (राजपत्रित) पद भर्ती नियम, 1967 में संशोधन करने हेतु, एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं:—प्रार्थत्

- इन नियमों को, वाणिज्य मंत्रालय श्रेणी 1 तथा श्रेणी 2 (राजपत्रित) पद भर्ती (संशोधन) नियम, 1970, कहा जाये।

2. वाणिज्य मंत्रालय श्रेणी 1 तथा श्रेणी 2 (राजपत्रित) पद भर्ती नियम, 1967 की अनुसूची में 'कनिष्ठ विशेषक' के पद के सम्बन्ध में कन संख्या 2 से सम्बन्धित प्रविष्टियों में "1(एक)" इन अंक, कोटक तथा शब्द के स्थान पर "2(दो)" ये अंक, कोटक तथा शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

[मं० एफ० 1/31/69-ई-1]

के० कृ० सचदेव, अवर मचिव।

**MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue and Insurance)**

INCOME-TAX ESTABLISHMENTS

New Delhi, the 23rd December, 1969.

G.S.R. 473.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Appraisers in the Income-tax Department, namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Income-tax Department Appraisers' Recruitment Rules, 1969.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Application.**—These rules shall apply to the post specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

3. **Number, classification and scale of pay.**—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. **Method of recruitment, age limit and other qualifications.**—The method of recruitment to the said post, the age-limit and qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

5. **Disqualifications.**—(1) No person who has more than one wife living or who, having a spouse living, marries in any case in which such marriage is void by reason of its taking place during the life time of such spouse, shall be eligible for appointment to the said post; and

(ii) No woman, whose marriage is void by reason of the husband having a wife living at the time of such marriage or who has married a person, who has a wife living at the time of such marriage, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that there are special grounds for so ordering, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

SCHE

Recruitment Rules for Appraisers in the

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection for direct recruitment non-selective post	Age limit	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Appraiser	Two	General Central Service Class II (Gazetted) Non- Ministerial	Rs. 350—25— 500—30—590— EB—30—800— EB—830—35— 900 plus special pay of Rs. 75/- p.m.	Not applicable	Not applicable	Not applicable

DULE

Income-tax Department

Whether age and educational qualifications prescribed for any direct recruits will apply in the case of promotees	Period of qualification, if any	Method of recruitment, if any	In case of recruitment by promotion/deputation/ transfer grades from what is or by deputation/ which promotion/deputa- tion/transfer to be made.	If a D.P.C. Circumstances exists in its com- position is to be consulted in making recruitment
---	---------------------------------	-------------------------------	--	--

8

9

10

11

12

13

No. 12 Not applicable	No. 13 By transfer on deputation.	Transfer on Deputation.	No. 14 Not applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.
		From the grade of appraisers in the Customs Department, who have experience of valuation of jewellery. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years).		

[No. F. 22/32/69-Ad.VI.]

M. G. THOMAS, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजत्व अमेर विभाग)

आदेश स्थापन

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर, 1969

सांकेतिक नाम अमेर प्रार भ.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, आयकर विभाग में मूल्य निरूपक के पदों पर भर्ती की पद्धति विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम अमेर प्रार भ.—(1) ये नियम आयकर विभाग मूल्य निरूपक भर्ती नियम 1969 कहे जा सकेंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की सारीख को प्रकृत होंगे।

2. नाम होना.—ये नियम इन नियमों से उपाबद्ध अनुभूति के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे।

3. पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और वेतनमान।—पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उससे संलग्न वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से लेकर 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा तंत्र अवधि अनुसार।—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा अनुसार और उनमें सम्बद्ध अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से लेकर 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

5. निर्दीश।—(i) वह व्यक्ति उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा जिसकी एक से अधिक पत्नियां जीवित हैं या जो एक पत्नी के जीवित रहने हुए किसी ऐसी दशा में विवाह करता है जिसमें ऐसा विवाह इस कारण शून्य है कि वह ऐसी पत्नी के जीवन काल में होता है।

(ii) वह स्त्री उक्त पद पर नियुक्ति की पात्र नहीं होगी जिसका विवाह इस कारण शून्य है कि उस विवाह के समय उनके पति की पत्नी जीवित थी या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पत्नी उस विवाह के समय जीवित थी।

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यह समाधान हो जाने पर कि किसी व्यक्ति को इन नियम के प्रबंधन से छूट देने योग्य विशेष आधार है, आदेश दे सकेगी, कि उसे छूट दी जाए।

6. तिथि : करने की शक्ति।—जहां केन्द्रीय सरकार की नाय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उन कारणों से जो लेखबद्ध किए जाएंगे, और मंधलोक मेवा आयोग के परामर्श से अदैश द्वारा व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रबंधी के बारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को भी शिथित कर सकेगी।

अनु

वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) आय-कर स्कंध में

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	क्या प्रबरण पद है अथवा अप्रबरण	सीधी भर्ती वालों के लिए आयु सीमा
-----------	----------------	----------	---------	--------------------------------	----------------------------------

1	2	3	4	5	6
ल्य निऱपक दो	साधारण केन्द्रीय मेवा वर्ग 2 (राजपत्रित) अनुसंचिचीय	साधारण केन्द्रीय मेवा वर्ग 2 (राजपत्रित) अनुसंचिचीय	350-25-500-30- 590-द० रो०-30- 800-द० रो०-830- 35-900-तथा 75 र० प्रति मास का विशेष वेतन	लागू नहीं होता -	लागू नहीं होता

सीधी भर्ती वालों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अहंताएं। क्या सीधी भर्ती वालों के लिए विहित प्राय् और शैक्षिक अद्वेषाएं परिवेशाकालावधि, यदि प्रोफेसनी की दशा में लागू होंगी। परिवेशाकालावधि, यदि कोई हो। भर्ती की पद्धति, क्या भर्ती सीधी होगी या प्रोफेसनी द्वारा या प्रतिनियुक्ति/अन्तरण द्वारा, तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता।

7

8

9

10

लागू नहीं होता

लागू नहीं होता

लागू नहीं होता

प्रतिनियुक्ति पर अन्तरण द्वारा

सूची

प्राय-कर विभाग में मूल्य निरूपकों के लिए भर्ती नियम।

प्रोफेसनी/प्रतिनियुक्ति/अन्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोफेसनी/प्रतिनियुक्ति/अन्तरण किया जाना है। यदि विभागीय प्रोफेसनी समिति वे परिस्थितियां जिनमें भर्ती क्या है। विद्यमान है तो उसकी संरचना करने में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाना है।

11

12

13

प्रतिनियुक्ति पर अन्तरण

सीमा शुल्क विभाग में मूल्य निरूपकों की सीमा शुल्क विभाग में मूल्य निरूपकों की श्रेणी से, जिन्हें रत्नामाला भवण के मूल्यांकन का अनुभव हो। (प्रतिनियुक्ति की कालावधि सामान्यतया 3 वर्ष से अनधिक होगी)

जैसा संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अधीन अपेक्षित है।

[सं. 473-फा. सं. 22/32/69-एडी-6]

एम. जी. टा.स, अवर सचिव।

(Department of Revenue and Insurance)

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 22nd August 1970

G.S.R. 1216.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) and (3) of section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 230/69-Central Excises, dated the 6th December, 1969, namely:—

In the said notification—

(1) in Table I,—

(a) in Serial Nos. 1, 2 and 3, in column 2, for the words "Squirrel Cage Motors," the words "Three Phase Squirrel Cage Motors" shall respectively be substituted,

(b) in Serial Nos. 5 and 6, in column 2, for the words "Slipring motors", the words "Three Phase Slipring motors" shall respectively be substituted;

(2) in Table III, in Serial No. 1, in column 2, for the words "Squirrel Cage Motors", the words "Three Phase Squirrel Cage Motors" shall be substituted.

[No. 60/70-CE]

K. L. REKHI, Under Secy.

(राजस्व और बीमा विभाग)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1970

सा० का० फ० 1216.—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 की उपधारा (2) और (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना में 230/69 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नारीव 6 दिसम्बर, 1969 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में—

(1) सारणी 1 में,—

(क) स्तम्भ 2 में क्रम संख्याओं 1, 2 और 3 में "स्क्वीरल केज मोटर्स" शब्दों के स्थान पर "थ्री फेज स्क्वीरल मोटर्स" शब्द क्रमशः प्रतिस्थापित किए जाएंगे,

(ख) स्तम्भ 2 में क्रम संख्याओं, 5 और 6 में "स्लीपरिंग मोटर्स" शब्दों के स्थान पर "थ्री फेज स्लीपरिंग मोटर्स" शब्द क्रमशः प्रतिस्थापित किए जाएंगे;

(2) सारणी III में स्तम्भ 2 में, मद संख्या (1) में "स्क्वीरल केज मोटर्स" शब्दों के स्थान पर "थ्री फेज स्क्वीरल केज मोटर्स" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[स० 60/70-कै०उ० श०]

कै० एल० रेखी, अवर सचिव ।

(Department of Revenue and Insurance)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 22nd August 1970

G.S.R. 1217.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. G.S.R. 895, dated the 6th June, 1970, published at page 2109 of the Gazette of India Part II-Section 3-Sub-section (i), dated the 6th June, 1970, in the preamble, for '29th October, 1970', read '29th October, 1960'.

[No. 12/F.No. 45/5(41)/68-OPIUM.]

M. S. SIVARAMAKRISHNA, Dy. Secy.

(अर्थ विभाग)

नई दिल्ली, 14 मार्च, 1970

सा० का० नि० 442.—सरकारी बचत प्रमाण पत्र अधिनियम, 1959 (1959 का 46) की धारा 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग रक्ते हुए केन्द्रीय सरकार, सरकारी बचत प्रमाणपत्र (आवधिक निक्षेप) नियम, 1968, का संशोधन करने के लिए एतदद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम सरकारी बचत प्रमाणपत्र (आवधिक निक्षेप) (संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
(2) ये 16 मार्च 1970 को प्रवृत्त होंगे।
2. सरकारी बचत प्रमाणपत्र (आवधिक निक्षेप) नियम, 1968 में नियम 7 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"7. पुनः सन्दाय—

- (1) निक्षेपकर्ता के लेखा में किया गया प्रत्येक आवधिक निक्षेप प्रत्येक निक्षेप की तारीख से पांच वर्ष के अवसान के पश्चात् संदेय हो जाएगा।
- (2) उप-नियम (1) में किसी बात के होते हुए भी, निक्षेप, निक्षेपकर्ता द्वारा बैंक, जिसमें उसने आवधिक निक्षेप किया है, के कार्यालय को आवेदन किए जाने पर, निक्षेप की तारीख से तीन वर्ष अवसान के पश्चात् पुनः संदस्त किया जा सकता है।
- (3) निक्षेपकर्ता केवल उस कार्यालय से संदाय का दावा कर सकता है जहाँ उसने आवधिक निक्षेप किया हो, यद्यपि बैंक अपने विकल्प पर, उसकी किसी अन्य शाखा या कार्यालय से संदाय कराने की व्यवस्था कर सकता है।

(4) आवधिक निक्षेप की बाबत संदाय उससे सम्बन्धित रसीद, जिसके साथ प्रकृप्य "ग" में आवेदन संलग्न हो, प्रस्तुत किए जाने पर ही किया जाएगा।

(5) (क) 50 रु० के प्रत्येक आवधिक निष्क्रेप के लिए, उप नियम (1) के अधीन संदेय रकम यह होंगी —

- (i) 16 मार्च, 1970 से पूर्व किए गए निष्क्रेप की बाबत
62.50 रु० ; और
- (ii) 16 मार्च, 1970 को या उसके पश्चात् किए गए निष्क्रेप की बाबत
. 63.00 रु० ।

(ख) अन्य अभिधानों के आवधिक निष्क्रेपों के लिए संदेय रकमें आनुपातिक रूप से परिकलित की जाएंगी ।

(6) (क) 50 रुपये के प्रत्येक आवधिक निष्क्रेप के लिए उपनियम (2) के अधीन संदेय रकम यह होंगी —

- (i) 16 मार्च, 1970 से पूर्व किए गए निष्क्रेप की बाबत
56.55 रु० ; और
 - (ii) 16 मार्च, 1970 को या उसके पश्चात् किए गए निष्क्रेप की बाबत
. 57.00 रु० ।
- (ख) अन्य अभिधानों के आवधिक निष्क्रेपों के लिए संदेय रकमें आनुपातिक रूप से परिकलित की जाएंगी ।

(7) पुनः संदाय की रकम प्रत्येक आवधिक निष्क्रेप रसीद, में, बैंक के आफिसर के तारीख स्टाम्प के साथ हस्ताक्षर सहित प्रविष्ट की जाएगी ।

[सं० एफ० 3 (14) रा० ब० / 70]

सा० फा० नि० 443.—सरकारी बचत प्रमाणपत्र अधिनियम 1959 (1959 का 46) की धारा 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, सरकारी बचत प्रमाणपत्र नियम 1965, में संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम सरकारी बचत प्रमाणपत्र (संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे ।
(2) ये 16 मार्च, 1970 को प्रकृत होंगे ।

2. सरकारी बचत प्रमाणपत्र नियम, 1965, में (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है), नियम 1 के उपनियम (3) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(3) ये इन को लागू होंगे —

- (क) राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (प्रथम पुरोधरण) —बैंक आवलि ;
- (ख) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (II पुरोधरण) —बैंक आवलि ;
- (ग) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (III पुरोधरण) —बैंक आवलि, और
- (घ) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (IV पुरोधरण) —बैंक आवलि ।”

3. उक्त नियमों के नियम 2 में, खण्ड (iii) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(iii)” प्रमाणपत्र से —————

- (क) राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (प्रथम पुरोधरण) —बैंक आवलि ;
- (ख) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (II पुरोधरण) —बैंक आवलि ;
- (ग) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (III पुरोधरण) —बैंक आवलि ;
- (घ) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (IV पुरोधरण) —बैंक आवलि ;

अभिप्रेत है।”

4. उक्त नियमों के नियम 3 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“3. वे अभिधान, जिनमें प्रमाणपत्र जारी किए जाएंगे —————

- (i) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (II पुरोधरण) —बैंक आवलि, 10 रु., 100 रु., 1000 रु. और 5000 रु. के अभिधानों में जारी किए जाएंगे।

- (ii) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (III पुरोधरण) —बैंक आवलि, 100 रु., 1000 रु. और 5000 रु. के अभिधानों में जारी किए जाएंगे;

- (iii) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (IV पुरोधरण) —बैंक आवलि, 100 रु., 1000 रु. और 5000 रु. के अभिधानों में जारी किए जाएंगे।”

5. उक्त नियमों के नियम 4 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“4. प्रमाणपत्रों के प्रकार —

- (i) प्रमाण निम्नलिखित प्रकार के होंगे, अर्थात् :—

(क') एकल धारक प्रकार के प्रमाणपत्र ;

(ख) संयुक्त 'क' प्रकार के प्रमाणपत्र ; और

(ग) संयुक्त 'ख' प्रकार के प्रमाण पत्र।

- (2) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (II और III पुरोधरण) —बैंक आवलि, की दस्ता में —————

(क) एकल धारक प्रकार के प्रमाणपत्र इन्हें जारी किए जा सकते हैं :—

- (i) एकल व्यक्ति, वह आहे व्यस्क हो या अव्यस्क ;
- (ii) बैंकिंग कम्पनी या सहकारी भू-बन्धक बैंक ;
- (iii) कम्पनी ;
- (iv) निगम

- (v) सहकारी सोसाइटी, जिसमें सहकारी बैंक सम्मिलित है ?
 (vi) तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन, सोसाइटी के रूप में रजिस्ट्रीड़िकृत संगम, संस्था या निकाय ;
 (vii) भारतीय भागीदारी अधिनियम 1932 (1932 का 9) के अधीन रजिस्ट्रीड़िकृत फर्म ;
 (viii) स्थानीय प्राधिकारी — और
 (ix) भविष्य निधि

(ख) संयुक्त (क) प्रकार के प्रमाणपत्र दो व्यस्कों को संयुक्त रूप से जारी किए जा सकते हैं जो दोनों धारकों को संयुक्त रूप से या उत्तर जीवी को संदेय होंगे ;

(ग) संयुक्त 'ख' प्रकार के प्रमाणपत्र दो व्यस्कों को संयुक्त रूप से जारी किए जा सकते हैं जो धारकों में से किसी एक को या उत्तर जीवी को संदेय होंगे

6. उक्त नियमों के नियम 7 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

"7. सीमाएं जिन तक प्रमाणपत्र क्रय किए जा सकते हैं ।

(क) अधिकतम रकम, जो 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (II और III पुरोधरण)बैंक आवलि, में विनिहित की जा सकती है यह होगी ——

(i) वयस्थ, बिंग कम्पनी, कम्पनी निगम, भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 9) के अधीन रजिस्ट्रीड़िकृत फर्म के लिए
 25,000 रु० ।

(ii) संयुक्त रूप से दो व्यस्कों के लिए —————— 50,000 रु० ।

(iii) अवस्थक के लिए 25,000 रु० ।

(iv) खण्ड (5) में निर्दिष्ट संगम, संस्था या निकाय के भिन्न, तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन सोसाइटी के रूप में रजिस्ट्रीड़िकृत संगम, संस्था या निकाय के लिए
 50,000 रु० ।

(v) सहकारी सोसाइटी, जिसमें सहकारी भू-बन्धक बैंक, स्थानीय प्राधिकारी, संगम, संस्था या तत्समय प्रवृत्त किसी विधि अधीन सोसायटी के रूप में रजिस्ट्रीड़िकृत निकाय और वे संदान जिन पर संगम, या निकाय आयकर के संदाय से छूट प्राप्त हैं, ——
 1,00,090 रु० ।

(vi) भविष्यनिधि के लिए बिना सीमा

(2) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (ivपुरोधरण) —बैंक आवलि, किसी भी रकम के क्रय किए जा सकते हैं

7. उक्त नियमों के नियम 8 के खण्ड (II) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तः स्थापित किया जाएगा , अर्थात् :—

(iii) भारत सरकार वित्त मंत्रालय की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 318, तारीख 28 फरवरी, 1970 के निवधन के अनुसार राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (II और IIIपुरोधरण) में,

राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों, 12 वर्षीय राष्ट्रीय योजना बचत प्रमाणपत्रों, 12 वर्षीय राष्ट्रीय रक्षा प्रमाणपत्रों, $3\frac{1}{2}$ प्रतिशत खजाना बचत निक्षेप प्रमाणपत्रों, 4 प्रति शत खजाना बचत निक्षेप प्रमाणपत्र और $4\frac{1}{2}$ प्रतिशत रक्षा निक्षेप प्रमाणपत्रों में विनिधानों को लेखे में लिया जाएगा।"

8. उक्त नियमों के नियम 11 के उपनियम (i) में, "प्रमाणपत्र जारी किए जाने की तारीख से दो वर्ष की कालावधि के दौरान कोई अन्तरण" शब्दों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (प्रथम पुरोधरण) —बैंक आवलि, के जारी किए जाने की तारीख से दो वर्ष की कालावधि के दौरान कोई अन्तरण और —7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (ii) और iii (पुरोधरण) —बैंक आवलि, के जारी किए जाने की तारीख से एक वर्ष की कालावधि के दौरान कोई अन्तरण।"

9. उक्त नियमों के नियम 1 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"16 भुनाया जा सकता —— (1) उपनियम (3) में यथा उपबन्धित के सिवाय, राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (प्रथम पुरोधरण) —बैंक आवलि, इसके क्रय की तारीख से चौबिस मास की कालावधि भीतर भुनाया नहीं जा सकेगा।

(2) उपनियम (3) में यथा उपबन्धित के सिवाय, किसी भी अभिधान का 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (ii पुरोधरण) —बैंक आवलि, 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (iii पुरोधरण) —बैंक आवलि, या 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (iv पुरोधरण) —बैंक आवलि, जारी किए जाने की तारीख से तीन वर्ष के अवधान के पश्चात् किसी भी मृत्यु भुनाया जा सकता है।

(3) यथास्थिति, उपनियम (1) या उपनियम (3) में निर्दिष्ट प्रमाणपत्र निम्नलिखित परिस्थितियों में से किसी में, इसके भुनाए भुनाए न जा सकने की कालावधि से पूर्व भुनाया जा सकता है, अर्थात् :—

- (क) धारक की मृत्यु पर या संयुक्त धृति की दशा में दोनों धारकों की मृत्यु पर;
- (ख) गिरवीदार द्वारा जो सरकार का राजपत्रित आकिमर है, समयहरण पर जहां गिरवी इन नियमों के उपबन्धों के अनुरूप हो।
- (ग) जब धृति इन नियमों के अधीन निहित सोमाश्रों से आधिक्य में हो :
- (घ) जब प्रमाणपत्र इन नियमों के उल्लंघन में जारी किया गया हो ; और
- (ङ) जब न्यायालय द्वारा आदेश दिया गया हो।"

10. उक्त नियमों का नियम 20 लुप्त कर दिया जाएगा।

11. उक्त नियमों का नियम 26 उस नियम के उपबन्ध (i) रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनः संख्यांकित उपनियम (i) के पश्चात्, निम्नलिखित उपनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(2) विभिन्न अभिधानों 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (ii पुरोधरण) —बैंक आवलि, के उन्मोचन पर संदेय रकमें (व्याज सहित) निम्न सारणी के अनुसार होंगी, अर्थात् :—

सारणी

7—वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्रों (ii पुरोधरण) का
अभ्यर्पण मूल्य

अंकित मूल्य	10 रु०	100 रु०	1000 रु०	5 000 रु०
जारी किए जाने की तारीख से 3 वर्ष के अवसान के पश्चात् किन्तु 4 वर्ष के अवसान से पूर्व अभ्यर्पण मूल्य	11. 40	114.00	1,140.00	5,700.00
जारी किए जाने की तारीख से 4 वर्ष के अवसान के पश्चात् किन्तु 5 वर्ष के अवसान से पूर्व अभ्यर्पण मूल्य	11. 40	114.00	1,140.00	5,700.00
जारी किए जाने की तारीख से 5 वर्ष के अवसान के पश्चात् किन्तु 6 वर्ष के अवसान से पूर्व अभ्यर्पण मूल्य	12. 60	126.00	1,260.00	6,300.00
जारी किए जाने की तारीख से 6 वर्ष के अवसान के पश्चात् किन्तु 7 वर्ष के अवसान से पूर्व अभ्यर्पण मूल्य	12. 60	126.00	1,260.00	6,300.00
7 पूरे वर्षों के पश्चात्	14. 10	141.00	1,410.00	7,050.00

(3) विभिन्न अभिधानों के 7—वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्रों (iii पुरोधरण) बैंक आक्रमि के उन्मानन पर, छूट के समायोजन के पश्चात् संदेय अभ्यर्पण मूल्य निम्न सारणी में के अनुसार होगा, अर्थात् :—

सारणी

7—वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्रों (iii) पुरोधरण) —बैंक आवलि का अभ्यर्पण मूल्य

अंकति मूल्य	100 ₹	1000 ₹	5000 ₹
-------------	-------	--------	--------

जारी किए जाने की तारीख से 3 वर्ष के अवसान के पश्चात किन्तु 4 वर्ष के अवसान से पूर्व अभ्यर्पण मूल्य .	98.50	985.00	4,925.00
जारी किए जाने की तारीख से 4 वर्ष के अवसान के पश्चात किन्तु 5 वर्ष के अवसान से पूर्व अभ्यर्पण मूल्य	98.50	985.00	4,925.00
जारी किए जाने की तारीख से 5 वर्ष के अवसान के पश्चात किन्तु 6 वर्ष के अवसान से पूर्व अभ्यर्पण मूल्य	98.75	987.50	4,937.50
जारी किए जाने की तारीख से 6 वर्ष के अवसान के पश्चात किन्तु 7 वर्ष के अवसान से पूर्व अभ्यर्पण मूल्य	98.75	987.50	4,937.50
7 पूरे वर्षों के पश्चात . . .	100.00	1,000.00	5,000.00

(4) विभिन्न अभिधानों के 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (iv) पुरोधरण) —बैंक आवलि के उन्मोक्षन पर, क्लूट के समायोजन के पश्चात संदेश अभ्यर्पण मूल्य निम्न सारणी में के अनसार होगा, अर्थात् :—

सारणी

7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्रों (iv पुरोधरण) —बैंक आवलि का अभ्यर्पण मूल्य

अंकित मूल्य	100 रु.	1000 रु.	5000 रु.
जारी किए जाने की तारीख से 3 वर्ष के अवसान के पश्चात किन्तु 4 वर्ष के अवसान से पूर्व अभ्यर्पण मूल्य	96.00	960.00	4,800.00
जारी किए जाने की तारीख से 4 वर्ष के अवसान के पश्चात किन्तु 5 वर्ष के अवसान से पूर्व अभ्यर्पण मूल्य	96.00	960.00	4,800.00
जारी किए जाने की तारीख से 5 वर्ष के अवसान के पश्चात किन्तु 6 वर्ष के अवसान से पूर्व अभ्यर्पण मूल्य	97.00	970.00	4,850.00
जारी किए जाने की तारीख से 6 वर्ष के अवसान के पश्चात किन्तु 7 वर्ष के अवसान से पूर्व अभ्यर्पण मूल्य	97.00	97.00	4,850.00
7 पूरे वर्षों के पश्चात अंकित मूल्य	100.00	1,000.00	5,000.00

(5) नियम 16 के उपनियम (3) में वर्णित परिस्थितियों में से किसी में भुनाए गए विभिन्न अभिधानों के 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्रों (ii पुरोधरण) के उन्मोक्तन पर संदेय अभ्यर्पण मूल्य निम्न सारणी में के अनुमार होगा, अर्थात् :—

सारणी

नियम 16(3) के अधीन 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्रों (ii पुरोधरण) —बैंक आवलि का अभ्यर्पण मूल्य

अंकित मूल्य	10 रु.	100 रु.	1000 रु.	5000 रु.
जारी किए जाने की तारीख से 1 वर्ष के अवसान के पश्चात किन्तु 2 वर्ष के अवसान से पूर्व अभ्यर्पण मूल्य	10.40	104.00	1,040.00	5,200.00
जारी किए जाने की तारीख से 2 वर्ष के अवसान के पश्चात किन्तु 3 वर्ष के अवसान से पूर्व अभ्यर्पण मूल्य	10.90	109.00	1,090.00	5,450.00

(6) नियम 16 के उपनियम (3) में वर्णित परिस्थितियों में से किसी में भूमाए गये विभिन्न अभिधानों के 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्रों (iii) पुरोधरण—बैंक आवलि के उन्मोचन पर, छूट के समायोजन के पश्चात संदेय अभ्यर्पण मूल्य निम्न सारणी में के अनुसार होगा, अर्थात् :—

सारणी

नियम 16(3) के अधीन 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्रों (iii) पुरोधरण) — बैंक आवलि का अभ्यर्पण मूल्य

अंकित मूल्य	100 रु०	1000 रु०	5000 रु०
-------------	---------	----------	----------

जारी किए जाने की तारीख से 1 वर्ष के अवसान के पश्चात् किन्तु 2 वर्ष के अवसान से पूर्व अभ्यर्पण मूल्य	99.00	990.00	4,950.00
जारी किये जाने की तारीख से 2 वर्ष के अवसान के पश्चात् किन्तु 3 वर्ष के अवसान से पूर्व अभ्यर्पण मूल्य	98.75	987.50	4,937.50

(7) नियम 16 के उपनियम (3) में वर्णित परिस्थितियों में से किसी के अधीन 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्रों (iv) पुरोधरण) — बैंक आवलि के उन्मोचन पर संदेय अभ्यर्पण मूल्य निम्न सारणी में के अनुसार होगा, अर्थात् :—

सारणी

नियम 16(3) के अधीन 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्रों (iv) पुरोधरण) — बैंक आवलि का अभ्यर्पण मूल्य

अंकित मूल्य	100 रु०	1000 रु०	5000 रु०
-------------	---------	----------	----------

जारी किए जाने की तारीख से 1 वर्ष के अवसान के पश्चात् किन्तु 2 वर्ष के अवसान से पूर्व अभ्यर्पण मूल्य	98.25	982.50	4,912.50
जारी किए जाने की तारीख से 2 वर्ष के अवसान के पश्चात् किन्तु 3 वर्ष के अवसान से पूर्व अभ्यर्पण मूल्य	97.00	970.00	4,850.00

12. उक्त नियमों के नियम 26 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

- “26क. व्याज—(1) 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (III पुरोधरण) —बैंक आवलि—पर व्याज 5 प्रतिशत वार्षिक संदेय होगा।
- (2) 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (IV पुरोधरण) पर व्याज $7\frac{1}{4}$ प्रतिशत वार्षिक संदेय होगा।

13. उक्त नियमों के नियम 27 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

- “27 आय कर—(1) राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (प्रथम पुरोधरण) बैंक आवलि पर व्याज आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर के दायित्वाधीन होगा किन्तु प्रमाणपत्र के उन्मोचन मल्य का संदाय करते समय किसी कर की कटौती नहीं की जाएगी।
- (2) 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (II पुरोधरण) बैंक आवलि और 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (III पुरोधरण) बैंक आवलि पर व्याज आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर के दायित्वाधीन नहीं होगा।
- (3) 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (IV पुरोधरण) —बैंक आवलि पर व्याज आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर के दायित्वाधीन होगा परन्तु व्याज के संदाय के सभय किसी कर की कटौती नहीं की जाएगी।”

14. उक्त नियमों के उपनियम (1) में खण्ड (IV) लुप्त कर दिया जाएगा।

15. उक्त नियमों के नियम 28 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

- “28क. राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (प्रथम पुरोधरण) बैंक आवलि का बन्द कर देना।
14 मार्च 1970 को कारबाह बन्द होने के पश्चात् राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (प्रथम पुरोधरण) का कोई पुरोधरण नहीं होगा।

28 क. विशेष उपबन्ध—जहाँ 16 मार्च 1970 से पूर्व एक वयस्थ या संयुक्त रूप से दो वयस्त्रों द्वाय धारण किए गए राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों 12 वर्षीय राष्ट्रीय योजना प्रमाणपत्रों और 12 वर्षीय राष्ट्रीय रक्षा प्रमाणपत्रों जिनमें 3 प्रतिशत रक्षाना बचत निष्पेप प्रमाणपत्र 4 प्रतिशत रक्षाना बचत निष्पेप प्रमाणपत्र और $4\frac{1}{2}$ प्रतिशत रक्षा निष्पेप प्रमाणपत्र सम्मिलित हैं का वृक्षिकत मूल्य नियम 7 के अधीन विहित क्रमशः 25,000 रु. और 50,000 रु. की सीमाओं से अधिक है किन्तु उक्त तारीख से पूर्व अनुज्ञेय सीमाओं से अधिक नहीं है, वहाँ ऐसे अधिक्य को नियम 9 के अधीन अधिक्य धृति नहीं समझा जाएगा ;”

16. उक्त नियमों की अनुसूची में उपर्युक्त प्ररूपों के स्थान पर निम्नलिखित प्ररूप प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

प्रस्तुप 1

[नियम 5(2) वेखिए]

— का स्टेट बैंक

शाखा

7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (II, III, IV पुरोधरण) (बैंक आवलि)

(1) मैं / हम 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (II, III, IV पुरोधरण),^{*} (बैंक आवलि) जिनका व्यौरा नीचे विवरण में दिया गया है के क्रय के लिए एतद्वारा आवेदन करता हूँ/करते हैं। और विवरण के स्तरभ 1 में दिखाई गई रकम निविदत्त करता हूँ/करते हैं।

विविदान का प्रस्तुप	रकम	जिन प्रमाण- पत्रों के लिए प्रमाणपत्रों आवेदन की संख्या दिया गया है उनका अधिकार	अपेक्षित संयुक्त प्रमाणपत्रों का प्रकार (क या ख)	रुपयों में कल अंकित मूल्य
1	2	3	4	5
(i) नकदी	10 रु०			
(ii) चैक दर्शनी हुँडी या अदायगी आदेश	100 1000			
कुल (अंकित मूल्य)				
*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)				
*केवल संयुक्त धृति की दशा में भरा जाएगा				
(क) **उपनामों सहित यदि कोई हो/हों, मेरे /हमारे नाम (नामों) में (स्पष्ट अक्षरों में)				
*एकल या संयुक्त धारक के लिए				
(ख) (स्पष्ट अक्षरों में) की ओर से प्रतिशत अवयस्क की ओर से क्रय के लिए प्रतिशत।				
(अवयस्क की जन्म तारीख)				

अवयस्क के

- (1) पिता
- (2) माता
- (3) माता-पिता में से किसी एक
- (4) विधिक संरक्षक

द्वारा भुनाया जा सकने वाला बनाया जाएगा/(अनापेक्षित विकल्प को या यदि प्राप्तिकृत करने की उच्छ्वा नहीं है, सभी मदों को काट दीजिए)।

(2) *मैं/हम एतद्वारा सरकारी बचत प्रमाणपत्र नियम, 1965 का पालन करने का करार करता हूँ / करते हैं तथा यह और घोषित करता हूँ/करते हैं कि अब क्य किए जाने के लिए प्रस्थापित 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (II पुरोधरण) वैक अवलि/ 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (III पुरोधरण) —वैक आवलि तथा पहले से ही क्य किए गए ये प्रमाणपत्र यदि कोई हों और पहले से ही धारणा किए गए 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (II पुरोधरण) / 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (III पुरोधरण) राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र 12 वर्षीय राष्ट्रीय योजना बचत निषेप प्रमाणपत्र, 4 प्रतिशत खाजाना बचत निषेप प्रमाणपत्र और 4 $\frac{1}{2}$ प्रतिशत रक्षा निषेप प्रमाणपत्र यदि कोई हों इन नियमों में विहित अधिकतम सीमा से अधिक नहीं होंगे। मगि मेरी / हमारी धृति विहित सीमा से अधिक पायी जाए तो मैं/हम ऐसा करने की अपेक्षा किए जाने पर अधिक धृति को तुरन्त उन्मोचित करने के लिए आवश्यक हूँगा /होंगे और उस पर किसी व्याज का हकदार नहीं हूँगा/ होंग :

**

XXपता

XXनिरक्षर आवेदक की दशा में पिता का नाम
किया जा सकता है

विनिधान कर्ता (कर्ताओं) के हस्ताक्षर या अंगठे

का निशान यदि निरक्षर हो)

तारीख —

उपरोक्त 1 (ख) के अनुसार प्राधिकृत व्यक्ति
(व्यक्तियों) यदि कोई हों के हस्ताक्षर या
अंगूठ का निशान

तारीख

(3) प्रमाणपत्र मेरे/हमारे अभिकर्ता श्री/श्रीमती
के हवाले किया/किए जा सकता है/ जा सकते हैं। उस संदेशवाहक की प्राधिकार संख्या
जो यह आवेदन प्रस्तुत करता है

विनिधान कर्ता (कर्ताओं) के हस्ताक्षर या अंगूठे
का निशान यदि निरक्षर हों)

तारीख

(नाम निर्देशन की मुविधा प्रमाणपत्र के व्यस्थ व्यक्ति धारक को उपलब्ध है और इसके लिए
आवेदन किया जा सकता है)

प्रमाण पत्र जिसका व्यौरा आगे दिया गया है प्राप्त किया/किए।

केता या उसके अभिकर्ता/संदेशवाहक के हस्ता-
क्षर या अंगठे का निशान
(प्राधिकृत अभिकर्ता की दशा में उसकी प्रा-
धिकार संख्या दी जानी चाहिए)

नमूने के हस्ताक्षर

पहचान चिन्ह

बैंक द्वारा भरा जाना है।

जारी किए गए प्र-
माणपत्रों की क्रम
संख्या

अभिधान
रु०

भनाने की तारीख और
भार साधक आफिसर
के आद्यक्षर

प्रमाणपत्र को प्रभावित करने वाला
प्रत्येक परिवर्तन जैसे कि अन्तरण
नष्ट हुए प्रमाणपत्रों के बदले में
प्रमाणपत्रों का जारी करना अध्य-
पित प्रमाणपत्र खोए गए प्रमाणपत्रों
की दशा में दूसरी प्रति का जारी
करना आदि इसके नीचे लिखा और
भार साधक आफिसर द्वारा आद्य-
क्षरित किया जाना चाहिए।

तारीख को जारी किए;

7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (II/III/IV पुरोधरण) * (बैंक आवलि) की कुल संख्या

भार-साधक आफिसर के हस्ताक्षर

प्रक्षेप 2

[नियम 6(3) देखिए]

का स्टेट बैंक

शास्त्रा

पुस्तक संख्या

क्रम संख्या

अंतिम रसीद निक्षेप कार्यालय द्वारा जारी की जानी है जब आवेदन किए गए 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र (II/III/IV पुरोधरण) * (बैंक आवलि) तुरन्त जारी नहीं क्या गया है/ किए गए हैं।

से _____ लघुपते जो उसके द्वारा
को आवेदन किए गए राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (पत्रों) (II/III/IV पुरोधरण))बैंक आवलि)
का / के दाम है/हैं प्राप्त किए।

भूम्य के लिए आवेदन _____ तारीख के अधीन
रजिस्ट्रीकृत हुआ है।

निक्षेप कार्यालय का स्टाम्प

भार-साधक आफिसर

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए

प्रारप 3

(नियम 10 देखिए)

का स्टेट बैंक
शाखा |
नये कार्यालय की क्रम संख्या |

राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र (प्रथम पुरोधरण) ।
7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र (II/III/IV
पुरोधरण) (बैंक आवलि) के क्रम के लिए
मूल आवेदन की क्रम संख्या और तारीख ।

राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र (प्रथम पुरोधरण) । 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र (II/
III/IV पुरोधरण) (बैंक आवलि) के अन्तरण के लिए आवेदन ।

सेवा में,

भारत्साधक आफिसर

मैं/हम _____
प्रार्थना करता हूँ/करते हैं कि मेरे/हमारे नाम में निम्नवर्णित राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र (प्रथम पुरोधरण) 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण (II/III/IV पुरोधरण) *(बैंक आवलि) जो आपके कार्यालय की पुस्तकों में रजिस्ट्रीकृत हैं.....
कार्यालय की पुस्तकों में अन्तरित कर दिए जाएं ।
प्रमाण पत्र की विविधियां

संख्या तारीख अभिधान

रु०

बैंक द्वारा भरा जाना है

उन्मोक्त की तारीख

और अभिकर्ता / उप
अभिकर्ता के धार्यकर

दिव्यणियाँ

(प्रमाण पत्र को प्रभावित करने वाला
प्रत्येक परिवर्तन जैसे कि अन्तरण,
खराब हुआ, दूसरी प्रति का जारी
करना आदि यहां नीचे अभिकर्ता/
उप अभिकर्ता के तारीख सहित
आद्यकर के साथ लिखा जाना
चाहिए)

प्रमाण पत्रों की कुल संख्या ——————

हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान (यदि निरक्षर हो) ——————

पता ——————

तारीख ——————

पता ——————

तारीख ——————

राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (प्रथम पुरोधरण)

(बैंक आवलि) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत
प्रमाण पत्रों (II/III/IV पुरोधरण) *(बैंक
उचिलि) के अन्तरण की प्रकापना।

सेवा में,

भारतीय आफिसर

भृदय,

सादर निवेदन है कि गष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र (प्रथम पुरोधरण) (बैंक आवलि) । 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र (II/III/IV पुरोधरण) *(बैंक आवलि) जिनका व्यौरा इस प्रकापना में पहले दिया गया है आपके कार्यालय को इससे पहले आवेदक के हस्ताक्षरों को इस कार्यालय के अभिलेख पर उसके हस्ताक्षर के नमूने से सावधानी पूर्वक मिलाने के पश्चात् अन्तरित कर दिए गए हैं।

आवेदक का जन्म —————— को, जैसा यह इस कार्यालय में क्य के लिए आवेदन पर अभिलिखित है, हुआ था।

तारीख

स्टाम्प

भवदीय,

अभिकर्ता / उप अभिकर्ता

अन्तरण स्वीकृत

अभिकर्ता / उप अभिकर्ता

नये कार्यालय का अभिकर्ता / उप-
अभिकर्ता

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

प्रश्न ४
[नियम २ (१) देखिए]

का स्टेट बैंक
शाखा

राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्रों (प्रथम पुरोधरण) (बैंक आवलि)। 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्रों (II/III/IV पुरोधरण) *(बैंक आवलि) के क्रय के लिए मूल आवेदन की त्रिम संख्या और तारीख।

रजिस्ट्रेशन संख्या—

राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्रों (प्रथम पुरोधरण) (बैंक आवलि)। 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्रों (II/III/IV पुरोधरण) *(बैंक आवलि) के एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को अन्तरण के लिए आवेदन।

(ध्यान दीजिए—सभी अन्तरण आत्यंतिक है और जब अन्तरण पूरा हो जाता है तो अन्तरक का हित समाप्त हो जाता है)।

तारीख

सेवा में,

भार-साधक आफिसर—

महोदय,

मैं आपसे, निम्नविणित राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्रों (प्रथम पुरोधरण) (बैंक आवलि)। 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्रों (II/III/IV पुरोधरण) *(बैंक आवलि) को जिनका मैं धारक हूँ को अन्तरण करने की प्रार्थना करता हूँ। मैं एतद्वारा घोषित करता हूँ कि उक्त राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्रों (प्रथम पुरोधरण) (बैंक आवलि)। 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्रों (II/III/IV पुरोधरण) *(बैंक आवलि) के उक्त को अन्तरण हो जाने पर मैं उन पर सभी दावों का त्याग करता हूँ।

प्रमाण पत्रों की विशिष्टियाँ

संख्या	तारीख	अभिधान	संख्या	तारीख	अभिधान
		रु०			रु०

प्रमाण पत्रों की कुल संख्या

भवीय,

राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्रों (प्रथम पुरोधरण)
(बैंक आवलि)। 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत
प्रमाण पत्रों (II/III/IV पुरोधरण)* (बैंक
आवलि) के अन्तरक के हस्ताक्षर या अंगूठे
का निशान (यदि निरक्षर हो)

जारी करने वाले कार्यालय की क्रम संख्या—



जारी करने वाले कार्यालय का स्थान

प्रतिरितदारा घोषणा

*(i) में— एतद्वाग घोषित करता हूँ कि
मेरे द्वारा धारण किए गए राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्रों (प्रथम पुरोधरण) (बैंक आवलि) और राष्ट्रीय
बचत प्रमाण पत्र (प्रथम पुरोधरण) का कुल मूल्य जिसमें उन प्रमाण पत्र (पत्रों) का मूल्य भी
सम्मिलित है जिसको/जिनको मैं— से ले रहा हूँ, 25,000 रु०
(पुरोधरण कीमत) से अधिक नहीं है और मैं सहमत होता हूँ कि यदि मेरे राष्ट्रीय बचत
प्रमाण पत्रों (प्रथम पुरोधरण) की कुल धृति 25,000 रु० से अधिक्य म है तो मैं ऐसी
अधिक्य छुट्ठि पर अ्याज का हकदार नहीं हूँगा। मैं और आगे सहमत, होता हूँ कि
यह घोषणा और तत्समय प्रवृत्त सरकारी बचत प्रमाण पत्र, नियम, 1965, राष्ट्रीय
बचत प्रमाण पत्र (पत्रों) (प्रथम पुरोधरण) (बैंक आवलि), जिनकी विशिष्टियां पहले दी गई हैं कि
अन्तर्गती के रूप में और भारत सरकार के बीच में संविदा का आधार होंगे।

था

(ii) में— एतद्वाग घोषित करता हूँ कि मेरे द्वारा धारण किए गए 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्रों (II/III/IV पुरोधरण) (बैंक
आवलि) 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (II/III/IV पुरोधरण)* 12 वर्षीय राष्ट्रीय रक्षा
प्रमाणपत्रों, 12 वर्षीय राष्ट्रीय योजना बचत प्रमाण पत्रों, राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्रों, 3½ प्रति-
शत खजाना बचत निक्षेप प्रमाण पत्रों, 4 प्रतिशत खजाना बचत निक्षेप प्रमाण पत्रों और 4½ प्रति-
शत रक्षा निक्षेप प्रमाण पत्रों का कुल मूल्य, जिसमें उन प्रमाण पत्र (पत्रों) का यून्द्य भी सम्म-
लित है जिनको मैं— से ले रहा हूँ, नियमों में विहित अधिकतम सीमा
से अधिक नहीं है। उस दशा में जिसमें मेरे छुति विहित सीमा से अधिक्य में पाई जाए, मैं तुरन्त,
जब मुझे ऐसा करने के लिए कहा जायगा, अधिक्य में धृति को उन्मोक्षन करने के लिए वाप्र्य हूँगा

और उस पर किसी व्याज का हकदार नहीं होगा। मैं और आगे सहमत होता हूँ कि यह घोषणा और तत्समय प्रवृत्त सरकारी बचत प्रमाण पत्र नियम, 1965, मेरे, 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्रों, (II/III/IVपुरोधरण) * (बैंक आवलि) जिनकी विशिष्टियाँ आगे की गई हैं, के अन्तर्गती के रूप में और भारत सरकार के बीच संविदा का आधार होंगे।

राष्ट्रीय बचत पत्रों (प्रथम पुरोधरण)
(बैंक आवलि) 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण
पत्रों (II/III/IV पुरोधरण) * (बैंक आवलि)
के अन्तर्गती के हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान
(यदि निश्चार हो)।

*जो लागू न हो उने काट दीजिए।

टिप्पणी :

सरकारी आफिसर जो प्रमाण पत्रों के अपनी पदीय हैसियत में
प्रतिभूति के रूप में धारक है, रिजर्व बैंक, अनुसूचित बैंक,
सहकारी समिति, निगम या स्थानीय प्राधिकरण इस
घोषणा पर हस्ताक्षर करने से छूट प्राप्त है।

अन्तर्गती को जारी किए गए प्रमाण पत्रों की विशिष्टियाँ

(जारी करने वाले कार्यालयद्वारा भरी जानी हैं)

संख्या तारीख अभिधान

उन्मोचन की तारीख और

धार-साधक आफिसर के
आद्यक्षर

टिप्पणीय

(प्रमाण पत्र को प्रभावित करने वाले
प्रत्येक परिवर्तन जैसे कि अन्तरण,
व्यराब हुआ, दूसरी प्रति का जारी
करना आदि यहाँ नीचे भार-साधक
आफिसर के तारीख सहित आद्य-
क्षर के माथ लिखा जाना चाहिए)।

प्रृष्ठ 5

(नियम 13 देखिये)

—का स्टेट बैंक
—शाखा

राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (प्रथम पुरोधरण) (बैंक आवलि)/7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्रों (II/III/IV पुरोधरण) * (बैंक आवलि) के ऋण के लिये मूल श्रावेदन की ऋण संख्या और तारीख ।

रजिस्ट्रेशन संख्या ——————

राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्रों (प्रथम पुरोधरण) (बैंक आवलि)/7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत-पत्रों (II/III/IV पुरोधरण) * (बैंक आवलि) के एकल धृति से संयुक्त धृति और संयुक्त धृति से एकल धृति में अन्तरण का प्रलेप (स्थान दीजिये—सभी अन्तरण आत्यतिक है और जब अन्तरण पूरा हो जाता है तो अन्तरक का हित समाप्त हो जाता है)

सेवा में,

तारीख

भार-पाधक ग्राफिक्स

महोदय,

मैं/हम —————— आपसे निम्नवर्णित राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्रों, (प्रथम पुरोधरण) (बैंक आवलि)/7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (II/III/IV पुरोधरण)* (बैंक आवलि) को जिनका मैं/हम धारक हूँ/हैं —————— को अन्तरण करने की प्रार्थना करता हूँ/करते हैं। मैं/हम एन्ड्रारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उक्त राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों, के उक्त —————— को अन्तरण हो जाने पर मैं/हम उन पर सभी दावों का न्याय करता हूँ/करते हैं।

प्रमाणपत्रों की विशिष्टियाँ

संख्या	तारीख	अभिधान	संख्या	तारीख	अभिधान

प्रमाणपत्रों की कुल संख्या

भवदीय

राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों के अन्तरक/अन्तरकों का/
के हस्ताक्षर या आगूठे का/के निशान (यदि
निरक्षर हो/हों)

जारी करने वाले कार्यालय की क्रम संख्या

जारी करने वाले कार्यालय का स्थान

अन्तरिती/अन्तरितियों द्वारा घोषणा

* (i) में— एतद्वारा घोषित करता हूँ कि मेरे द्वारा धारण किये गये राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (प्रथम पुरोधरण) (बैंक आवलि) और राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (प्रथम पुरोधरण) का कुल मूल्य जिसमें उन प्रमाणपत्र/प्रमाणपत्रों का मूल्य भी सम्मिलित है जिसको/जिनको मैं— से ले रहा हूँ 25,000 रु (पुरोधरण कीमत) से अधिक नहीं है और मैं सहमत होता हूँ कि यदि उक्त प्रमाणपत्रों की मेरी धृति 25,000 रु (पुरोधरण कीमत) से अधिक्य में है तो मैं ऐसी अधिक्य धृति पर व्याज का हक्कदार नहीं हूँगा। मैं और आगे सहमत होता हूँ कि यह घोषणा और तत्समय प्रवृत्त सरकारी बचत प्रमाणपत्र नियम, 1965 मेरे, प्रमाणपत्रों/प्रमाणपत्र जिनकी/जिसकी विशिष्टियां पहले दी गयी हैं/है कि अन्तरित के रूप में और भारत सरकार के बीच में संविदा का आधार होंगे।

या

* (ii) में— एतद्वारा घोषित करता हूँ कि मेरे द्वारा धारण किये गए 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (II/III/IV पुरोधरण) * (बैंक आवलि), 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (II/III/IV पुरोधरण *) (12 वर्षीय राष्ट्रीय रक्खा प्रमाणपत्रों, 12 वर्षीय राष्ट्रीय योजना बचत प्रमाणपत्रों, राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों, 3½ प्रतिशत खजाना बचत निक्षेप प्रमाणपत्रों, 4 प्रतिशत खजाना बचत निक्षेप प्रमाणपत्रों और 4½ प्रतिशत रक्खा निक्षेप प्रमाण पत्रों का कुल मूल्य जिसमें उन प्रमाणपत्रों (पत्रों का मूल्य भी सम्मिलित है) जिनको मैं— से ले रहा हूँ नियमों में विहित अधिकतम सीमा से अधिक नहीं है। उस दशा में जिसमें मेरी धृति विहित से अधिक्य में पाई जाए, मैं तुरन्त, जब मुझे ऐसा करने के लिए कहा जायगा, अधिक्य में धृति को उन्मोचित करने के लिए आध्य हुंगा और उस पर किसी व्याज का हक्कदार नहीं हूँगा। मैं और आगे सहमत होता हूँ कि यह घोषणा और तत्समय प्रवृत्त सरकारी बचत प्रमाणपत्र नियम, 1965 मेरे, 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों, (II/III/IV पुरोधरण) (बैंक आवलि) जिनकी विशिष्टियां पहले दी गई हैं, के अन्तर्गती के रूप में, और भारत सरकार के बीच संविदा का आधार होंगे।

राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों के अन्तर्गती के हस्ताक्षर
या आगूठे का निशान (यदि निरक्षर हो)

प्रलेप 6
[नियम 15(3)]

क्षतिवृत्ति बन्ध-पत्र

राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (प्रथम पुरोधरण) (बैंक आवलि) / 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत पत्र (II/III/IV पुरोधरण)* (बैंक आवलि) के धारक द्वारा प्रमाणपत्र (पत्रों) की दूसरी प्रति जारी किये जाने के समय निष्पादित की जानी है।

इस विलेख द्वारा सब लोगों को यह जात हो कि मैं/हम (क) ——————

का सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी ——————

राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (प्रथम पुरोधरण) (बैंक आवलि) / 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों II/III/IV पुरोधरण)* (बैंक आवलि) (का/के धारक) और (ख) ——————

प्रतिभू) भारत के राष्ट्रपति के प्रति (जिसे इसमें इसके पश्चात् राष्ट्रपति कहा गया है) —————— रूपये (————— रूपये) की राशि के लिए सभी खाचों, प्रभारों, नुकसानी सहित जैसा इसके पश्चात् वर्णित है राष्ट्रपति, उसके अटनियों, वारिसों या समनुदेशितियों को भली प्रकार और वास्तव में संदर्भ करने के लिये हम अपने आपको, अपने वारिसों, निष्पादकों, प्रशासकों और प्रतिनिधियों को इस विलेख के द्वारा पृथक पृथक रूप से आज एक हजार नौ सौ सत्तर के दिन —————— को बचन बढ़ और दृढ़तापूर्वक आबद्ध हूँ/हैं।

यस: इस —————— दिन को उक्त (का) —————— सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी ——————, ने —————— से राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्रों (प्रथम पुरोधरण) (बैंक आवलि) / 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (II/III/IV पुरोधरण)* (बैंक आवलि) संभाला ——————, ——————-६० के अधिकारों के ध्रीय बचत प्रमाणपत्रों (प्रथम पुरोधरण) (बैंक आवलि) / 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्रों (II/III/IV पुरोधरण) (बैंक आवलि) को क्रय किया है।

और यस: उक्त (क) ——————, ने —————— को अभ्यावेदन किया है कि उपरोक्त प्रमाणपत्र जब ये उक्त (क) की असिरक्षा में थे खोए गए या चुराए गए या नष्ट हो गए या बेठिकाने रखे गए, या खराब हो गए या विकृत हो गए हैं।

और यस: इस उक्त (क) —————— ने यह और अभ्यावेदन किया है कि उपरोक्त प्रमाण पत्र और पहचान पर्ची प्रतिभूति के तौर पर या अन्यथा, अन्तरण, विक्रय, गिरवी या निशेष नहीं किया है या उसे/उन्हें अपने से अन्यथा विलग नहीं किया है।

और यस: उक्त (क) —————— यह घोषित करता है कि वह उक्त प्रमाणपत्र (पत्रों) पर वेय धन को प्राप्त करने के लिए अकेले ही हकदार है और उसने उपरोक्त प्रमाणपत्र (पत्रों) की धारत दूसरा /दूसरे प्रमाणपत्र (पत्रों) को जारी करने के लिये आवेदन किया है।

ग्रोर यतः राष्ट्रपति की और से— ने उक्त आवेदन को इस शर्त पर स्वीकार किया है कि उक्त (क) — और एक पर्याप्त प्रतिभू ऐसा बंधपत्र जैसा ऊपर लिखा है निष्पादित करेगा और उक्त (ख) — ऐसे प्रतिभू के रूप में उक्त बंधपत्र को, ऐसी शर्तों जैसी यहां नीचे लिखी गई है, के साथ निष्पादित करने के लिए सहमत हो गया है।

अब ऊपर लिखित बन्धपत्र की शर्त ऐसी है कि यदि उक्त (क) — उसके वारिस, निष्पादक, प्रशासक और प्रतिनिधि यदि और जब कभी उनसे ऐसा करने की अपेक्षा की जाए, राष्ट्रपति, उनके उत्तराधिकारियों या समनुदेशियों को — ५० की राशि और अटली और मुक्तिल के बीच हुए सभी खर्चों और उन सभी प्रभारों, हानियों, नुकसानों और व्यय का संदाय करेगा जो पूर्वोक्त प्रमाणपत्र (पत्रों) के बारे में दूसरा/दूसरे प्रमाणपत्र जारी करने के कारण या परिणाम स्वरूप राष्ट्रपति, उनके उत्तराधिकारियों या समनुदेशियों या सरकार के सेवकों में से किसी के द्वारा उभयत किए गए हों या उनको करने पड़े हो और इसके अनिवार्य यदि उक्त (क) — और (ख) —

उनके वारिस, निष्पादक, प्रशासक, प्रतिनिधि सभी प्रकार के वादों, कारबाहियों या अन्य विधिक कार्यवाहियों, खर्चों भारों, तुकसानी और व्ययों से और उनके लिये चाहे वे किसी भी प्रकार के भी हों तो पूर्वोक्त प्रमाणपत्र (पत्रों) के बारे में दूसरा/दूसरे प्रमाणपत्र जारी करने के लिए कारण या उनकी बाबत या उनकी वजह से किसी व्यक्ति या निगमित निकाय द्वारा चाहे वे कोई भी हो या कुछ भी हो, राष्ट्रपति, उनके उत्तराधिकारियों या समनुदेशियों या सरकार के अधिकारियों या सेवकों में से किसी के विरुद्ध इसके पश्चात किसी भी समय या समयों पर लाए गए हो प्रारंभ किए जाएंगे या बाद में चलाए गए हो, राष्ट्रपति, उनके उत्तराधिकारियों और समनुदेशियों और सरकार के अधिकारियों और सेवकों और उनमें से हर एक को समय समय पर और इसके पश्चात हर समय भली प्रकार और पर्याप्त रूप से बचाएंगे, उनकी प्रतिक्रिया करेंगे और उनकी हानिरहित और क्षतिपूर्ति रखेंगे, तो उपर लिखित बन्धपत्र शून्य और निष्प्रभाव हो जाएगा अन्यथा पूरण: प्रवृत्त और बलशील होगा और रहेगा, परन्तु हमेशा यह कि, तथा उक्त (क) — और (ख) —

द्वारा अभिव्यक्त रूप से एतद्वारा यह घोषित किया जाता है और राष्ट्रपति उनके उत्तराधिकारियों और समनुदेशियों के साथ उनकी यह सहमति हुई है कि, अतिपूर्ति के लिए पूर्वामी खण्ड में विनिर्दिष्ट या उसके आधार पर लाई गई किसी कार्रवाई, बाद या अन्य विधिक कार्रवाईयों की प्रतिरक्षा में और उन्हें आगे चलाने में राष्ट्रपति उनके उत्तराधिकारी या समनुदेशियों, ऐसी कार्रवाई, बाद या अन्य विधिक कार्यवाहियों की प्रतिरक्षा में या उन्हें आगे चलाने में किसी कार्य चूक या भूल के लिये उक्त (क) — और (ख) —

इसके या उनमें से किसी के प्रति उनके या उनमें से किसी के वारिस, निष्पादक, प्रशासक और प्रतिनिधियों के प्रति उत्तरदायी या जिम्मेदार नहीं होगे और यह कि ऐसी कार्रवाई, बाद या अन्य विधिक कार्यवाहियों की प्रतिरक्षा में या उन्हें आगे चलाने में राष्ट्रपति, उनके उत्तराधिकारियों या समनुदेशियों और उनके अधिकारियों और सेवकों से केवल ऐसे कार्य करने के लिए और ऐसी कार्रवाई करने की अपेक्षा की जा सकेगी जो भारत सरकार के अधिकारियों द्वारा उस निमित्त अनुमोदित किए गए हों और जिनकों सलाह दी गई हो।

परन्तु यह ध्यौर कि एतदधीन प्रतिभू के क्षयित्व का, समय मंजूर किए जाने या राष्ट्रपति या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति के प्रवृत्त रहने, कार्य या चूक के कारण (चाहे प्रतिभू की सहमति या अभिस्वीकृति से हो या उसके बिना हो) हास या उन्मोचन नहीं होंगा, न ही राष्ट्रपति के लिए यह आवश्यक

होगा कि वह ————— एतद्विन देय रकम के लिए प्रतिभूति का उपयोग करने से पूर्व (क) ————— पर बाद चलाएं।

उपरोक्त नामित (क) ————— द्वारा साक्षियों की उपस्थिति में हस्ताक्षरित और परिदित किया गया (दो साक्षियों यहां हस्ताक्षर करने हैं)।

1. —————

2. —————

उपरोक्त नामित (ख) ————— द्वारा साक्षियों की उपस्थिति में हस्ताक्षरित और परिदित किया गया (दो साक्षियों ने यहां हस्ताक्षर करने हैं)।

1. —————

2. —————

प्रतिगृहीत
हस्ताक्षर
प्राप्तिभान

(भारत के राष्ट्रपति के लिए और की ओर से)।

प्ररूप 7

[नियम 22 (2) देखिए]

का स्टेट बैंक

शास्त्रा

ऋग संख्या —————

सरकारी बचत प्रमाणपत्र अधिनियम, 1959 की धारा 6 के अधीन नामनिर्देशन के लिए आवेदन का प्ररूप

(यह प्ररूप धारक द्वारा भरा जाएगा और प्रमाण पत्र सहित उस कार्यालय के भार-साधक आफिसर को जहां प्रमाणपत्र रजिस्ट्रीकूट हुआ है प्रस्तुत किया जाएगा)
सेवा में

भारन्साधक आफिसर

सरकारी बचत प्रमाणपत्र अधिनियम 1959 की धारा 6 (1) के उपबन्धों के अधीन में —————

बचत प्रमाणपत्रों पत्रों) जिनका व्यौरा आगे दिया गया है का धारक एतद्वारा नीचे वर्णित व्यक्ति (व्यक्तियों) को नामनिर्देशित करता हूँ जो मेरी मृत्यु पर बचत प्रमाणपत्र (पत्रों) के और अन्य सभी व्यक्तियों को उपर्योगित करते हुए उस परेय राशि को दिए जाने के लिए हकदार हो जायेंगे। यह मेरे द्वारा इन प्रमाणपत्रों की बाबत और आपके कार्यालय में ————— संख्या ————— तारीख —————

के अधीन रजिस्ट्रीकृत हुए नाम निर्देशन के प्रतिस्थापन में है जो इस नामनिर्देशन के रजिस्ट्रीकरण पर रह हो जाएगा। मैं एतद्वारा घोषित करता हूँ कि मैंने इन प्रमाण-पत्रों की बाबत अभी तक कोई नाम निर्देशन नहीं किया है।

प्रमाणपत्र संलग्न है।

प्रमाणपत्रों की कुल संख्या

ऋग संख्या	नामनिर्देशी का नाम	पूरा पता	अवयस्क की दशा में जन्म	नामनिर्देशी की तारीख
-----------	--------------------	----------	------------------------	----------------------

जैसा कि उपरोक्त ऋग संख्या (संख्याओं) ————— पर नाम निर्देशी अवयस्क है। मैं श्री ————— (नाम और पूरा पता) को नामनिर्देशी (नाम निर्देशितियों) की अवयस्कता के दौरान मेरी मस्तु हो जाने की दशा में देय राशि को प्राप्त करने वाले व्यक्ति के रूप में नियुक्त करता हूँ।

*यदि लागू न हो तो काट दीजिए।

अभिस्वीकृति

सेवा में

आपका आवेदन तारीख —————

उन प्रमाणपत्रों की बाबत जिनका व्यौरा इससे आगे तत्त्वम् 1 में दिया गया है स्तम्भ 2 में वर्णित व्यक्तियों के पक्ष में नामनिर्देशन इस कार्यालय में संख्या ————— तारीख ————— के अधीन रजिस्ट्रीकृत कर दिया गया है।

प्रमाण पत्र इसके साथ लौटाए जा रहे हैं।
जारी करने वाले आफिसर की तारीख स्टाम्प

भार-साधक आफिसर के हस्ताक्षर।

प्रमाण पत्रों की क्रम संख्या

अभिधान

जारी करने की तारीख

जारी करने वाला
कार्यालय

इति-

शब्दीय

धारक के हस्ताक्षर (अग्रगृहे का निशान, यदि निरक्षर हो)

(निरक्षर धारक की दशा में पिता का नाम दिया जाना चाहिए);

साक्षी

नाम

)

) 1

पता:

)

नाम

)

) 2

पता

)

इयान दीजिए—निरक्षर धारकों की दशा में साक्षी वे अवक्ति होंगे जिनके हस्ताक्षर बैंक पहचानता हो।

नामनिर्देशन को प्रतिगृहीत करन वाले
भार-साधक आफिसर के आदेश

जारी करने वाले कार्यालय की
तारीख स्टाम्प

भार-साधक आफिसर के हस्ताक्षर

प्रमाण-पत्रों की विशिष्टियां

नामनिर्देशिती और श्रवयस्क नामनिर्देशिती
की ओर से सदाय प्राप्त करने के लिए
नियुक्त अवक्ति का नाम और पता

प्रमाण-पत्रों की अभिधान
क्रम संख्या

प्रूप 8

[नियम 22(3) वेखिए]

का स्टेट बैंक

शास्त्रा

क्रम संख्या—

सरकारी बचत प्रमाणपत्र अधिनियम 1958 की धारा 6 के अधीन राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (प्रथम पुरोधरण) (बैंक आवलि) / 7 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (II/III/IV पुरोधरण)* (बैंक आवलि) की बाबत पूर्वतन किए गए नाम निर्देशन के रद्दकरण के लिए आवेदन ।

(यह प्रूप धारक द्वारा भरा जाएगा और प्रमाण पत्र महिने उस कार्यालय के भार-साधक आफिसर को जहां प्रमाणपत्र रजिस्ट्रीकृत हुआ है प्रस्तुत किया जाएगा) ।

सेवा में

भार-साधक आफिसर

महोदय,

सरकारी बचत प्रमाणपत्र अधिनियम 1959 की धारा 6(1) के उपबंधों के अधीन में—
नीचे व्यौरा दिए गए प्रमाणपत्रों का धारक एतद्वारा
इन प्रमाणपत्रों की बाबत और आपके कार्यालय में— संख्या— तारीख के अधीन
रजिस्ट्रीकृत अपने द्वारा पूर्वतन किए गए नाम निर्देशन को रद्द करता हूँ ।

प्रमाण पत्रों की क्रम संख्या

अभिधान

जारी करने की तारीख

जारी करने वाला

कार्यालय

प्रमाण पत्र संलग्न है/हैं

भवदीय

धारक के हस्ताक्षर

(ग्रंथे का निशान यदि निरक्षर हो)

(निरक्षरधारक की दशा में पिता

का नाम दिया जाना चाहिए)

साक्षी

नाम)
)
पता)

नाम)
)
पता)

ध्यान दीजिए : निराधार धारकों की दशा में साक्षी वे व्यक्ति होंगे जिसके हस्ताक्षर बैक पहचानता है :
बैक की तारीख स्टाम्प

नाम निर्देशन को प्रतिगृहीत करने वाले भार-
साधक आफिसर के आदेश
भार साधक आफिसर के हस्ताक्षर

ए० आर० शिगली,
संयुक्त सचिव।

[सं० एफ० ३ (15)-रा० ब०/७०]

**MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING AND WORKS HOUSING
AND URBAN DEVELOPMENT**

(Department of Works Housing and Urban Development)

New Delhi, the 19th June 1970

G.S.R. 1218.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Town and Country Planning Organisation (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1963, namely:—

1. (i) These rules may be called the Town and Country Planning Organisation (Class III and Class IV posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1970.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the schedule to the Town and Country Planning Organisation (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1963, in Column 6, after the entry relating to the post of Lower Division Clerk at serial No. 3, the following note shall be inserted, namely:—

NOTE: (1) 10 per cent of the vacancies shall be reserved for being filled up by Class IV employees (borne on regular establishment), subject to the following conditions:—

- (a) Selection would be made through a departmental examination confined to such Class IV employees who fulfil the requirement of minimum educational qualification, viz., Matriculation or equivalent.
- (b) The maximum age for this examination would be 40 years (45 years for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates).
- (c) At least 5 years' service in Class IV would be essential.

- (d) The maximum number of recruits by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Lower Division Clerks occurring in a year; unfilled vacancies would be carried over.
- (2) The appointment of Class IV staff against 10 per cent of the vacancies in the grade of Lower Division Clerks will be made in the order of merit as assigned in the Departmental examination;

Provided that appointments to the vacancies reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes shall be made from out of the successful candidates of Scheduled Castes and Scheduled Tribes irrespective of their merit position as compared with general candidates.

[No. 4-9(3)/69-UD. II.]

S. CHAUDHURI, Jt. Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन तथा निर्माण आवास और नगर विकास भंग्रालय

(निर्माण आवास और नगर-विकास विभाग)

नई दिल्ली, 19 जून, 1970

सा० का० नि० 1218.— संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतव्वारा नगर और ग्राम आयोजन संगठन के (श्रेणी III और श्रेणी IV) के भर्ती नियमों, 1963 में संशोधन करते हुए निम्नलिखित और नियम बनाते हैं ; अर्थात् :—

1. (i) ये नियम नगर और ग्राम आयोजना संगठन (श्रेणी III और श्रेणी IV पदों के) भर्ती (संशोधन) नियम 1970 कहलाएंगे ।

(ii) ये उनके सरकारी गजट में प्रकाशित होने की तारीख से लाग होंगे ।

2. नगर और ग्राम आयोजन संगठन (श्रेणी III और श्रेणी IV पदों के) भर्ती नियम 1963 के कालम 6 में कम संख्या 3 में निम्न श्रेणी लिपिक के पद में सम्बन्धित प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित टिप्पणी अन्तःस्थापित की जाएंगी अर्थात् :—

टिप्पणी :— (1) 10 प्रतिशत रिक्तियां चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों द्वारा (जो नियमित स्थापना के हैं) भरी जाने के लिए सुरक्षित रखी जायेंगी जो निम्न शर्तों के अधीन होंगी—

(क) ऐसे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी जो न्यूनतम गैजेणिक आवश्यकता जैसे मैट्रीकुलेशन या उमके समान अर्हता पूरी करते हों उनमें से चयन विभागीय परीक्षा द्वारा किया जायेगा ।

(ख) इस परीक्षा के लिए अधिकतम आयु 40 वर्ष होगी (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 45 वर्ष)

(ग) चतुर्थ श्रेणी में कम से कम 5 वर्ष की सेवा आवश्यक होगी ।

(घ) इस पद्धति के अनुसार भर्ती होने वालों की अधिकतम संख्या वर्ष के दौरान होने वाली निम्न श्रेणी लिपिक के काडर की रिक्तियों का 10 प्रतिशत तक सीमित रहेगी ; न भरी गई रिक्तियों को आगे ले जाया जायेगा ।

2. निम्न श्रेणी लिपिकों के ग्रेड की 10 प्रतिशत रिक्तियों में चतुर्थ श्रेणी स्टाफ की नियुक्ति विभागीय परीक्षा में प्राप्त योग्यता के अनुसार की जायेगी।

परन्तु अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिये आरक्षित रिक्तियों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के सफल उम्मीदवारों की नियुक्तियां मात्र उम्मीदवारों की तुलना में उनकी योग्यता स्थिति का बिना ध्यान रखे की जायेगी।

[सं० 4-९(3)/69-य० डी० II.]

मुकुमार चौधुरी, संयुक्त सचिव।

(Department of Health)

New Delhi, the 1st August 1970

G.S.R. 1219.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 4 and sub-section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), the Central Government hereby extends the date, specified for the purpose of inviting objections and suggestions on the draft of the Prevention of Food Adulteration (Amendment) Rules, 1970, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning and Works, Housing and Urban Development (Department of Health) No. G.S.R. 811 dated the 5th May, 1970, from 30th June, 1970 to 8th September, 1970.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules on or before the 8th September, 1970 will be considered by the Central Government.

[No. F. 14-19/69-PH.]

K. SATYANARAYANA, Under Secy.

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1970

सं० का० नि० 1219.—खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 4 की उप-धारा (2) और धारा 23 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन एवं निर्माण आवास और नगर विकास भवनालय (स्वास्थ्य विभाग) की 5 मई, 1970 की अधिसूचना संख्या जी० एस० आर० 811 में प्रकाशित खाद्य अपमिश्रण निवारण (संशोधन) नियमावलि 1970 के प्रारूप पर आपत्तियां और मुकाबले आमन्त्रित करने के प्रयोजन के लिये निर्दिष्ट तिथि को 30 जून, 1970 से 8 सितम्बर, 1970 तक बढ़ाती है।

उक्त नियमावलि प्रारूप के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति से जो आपत्तियां अथवा सुझाव 8 सितम्बर, 1970 को अथवा उससे पूर्व मिल जायेंगे उन पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

[सं० प० 14-19/69-जन स्वास्थ्य]

क० सत्यनारायण, अवर सचिव।

(Department of Health)

New Delhi, the 10th August 1970

G.S.R. 1220.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Research Assistants, Homoeopathic Pharmacopoeia Committee in the Department of Health, namely:—

1. Short title and commencement—(1) These rules may be called the Department of Health (Research Assistants, Homoeopathic Pharmacopoeia Committee) Recruitment Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts as specified in column 1 of the Schedule annexed hereto.

3. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule:

Provided that the upper age limit prescribed for direct recruitment may be relaxed in the case of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the general orders of the Central Government issued from time to time.

Disqualification.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

THE SCHE

Recruitment Rules for the posts of Research Assistant

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age of direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
1. Research Assistant (Chemistry)	One	General Central Service, Class III Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 310—10—290—15—320 BB—15—425.	Not applicable	25 years and below	<p>1. A degree in Science with Chemistry as one of the subjects from a recognised University or Institution.</p> <p>2. Two years' experience in laboratory work, preferably in the test or analysis of drugs.</p> <p style="text-align: center;">OR</p> <p>M.Sc. degree in Chemistry from a recognised University or Institution with about two years' experience out of which at least one year's experience should be in the test or analysis of drugs.</p>
2. Research Assistant (Botany)	One	Ditto.	Ditto.	Ditto.	Ditto.	<p>1. A degree in Science with Botany as one of the subjects from a recognised University or Institution.</p> <p>2. Two years' experience or working in a laboratory.</p> <p style="text-align: center;">OR</p> <p>1. M. Sc. degree in Botany from a recognised University or Institution.</p> <p>2. About two years' experience out of which at least one year's experience should be of research in systematic Botany.</p>

DULE

(Chemistry, Botany and Homeopathy) Homoeopathic Pharmacopoeia Committee, Department of Health

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion/deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grade from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a DPC exists, what is its composition/deputation/trans-	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13

Not applicable	Two years	Direct recruitment.	Not applicable	Not applicable	Not applicable
----------------	-----------	---------------------	----------------	----------------	----------------

Ditto.

Ditto.

Ditto.

Ditto.

Ditto.

Ditto.

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

3. Research One General Rs. 210—10 Not 25 years i. Diploma in Homoeopathy, viz., D.M.S or D.H.S. or L.C.E.H or equivalent qualification from a recognised State Board after undergoing a 4 years' course.
- Assistant (Homoeopathy) Central 290—15—320 applicable and below Service, BB—15—415.
- Class III
- Non-Gazetted
- Non-Ministerial.
2. Experience as Demonstrator in a Medical College desirable.

8

9

10

11

12

13

Not applic- able	To years	Direct recruitment	Not applic- able	Not applic- able	Not applic- able
---------------------	----------	--------------------	---------------------	---------------------	---------------------

[No.A-12018/2/70-Estt.(P).]

S. SRINIVASAN, Under Secy.

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1970

जी० एस० प्रा० 1220—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एवं द्वारा स्वास्थ्य विभाग में होमियोपैथिक भेज सहिता समिति के अनुसंधान सहायकों के पदों की भर्ती विधि को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, नामतः—

1. संक्षिप्त जीर्णक और प्रारम्भ—(1) ये नियम स्वास्थ्य विभाग (अनुसंधान सहायक, होमियोपैथिक ज्ञेय सहिता समिति) भर्ती नियमावली, 1970 कहे जायेंगे। (2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि को प्रश्नत हो जायेंगे।

2. लागू होना—ये नियम इससे अनुलग्न अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे।

3. पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान—पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनसे सम्बद्ध वेतनमान वे ही होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से लेकर 4 तक विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की विधि आयु सीमा और अस्थि अर्हताएं—उक्त पदों पर भर्ती की विधि, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे संबद्ध अस्थि वातं वे होंगी जो अनुसूची 5 से लेकर 13 तक विनिर्दिष्ट हैं।

परन्तु अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति या अस्थि किसी विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों की दिशा में सीधी भर्ती के लिए उच्चतम आयु सीमा ममय समय पर निकाले गए केन्द्रीय सरकार के अदेशों के अनुसार शिथिल की जा सकेगी।

5. अर्हताएं—

(क) कोई व्यक्ति जो कि किसी ऐसे व्यक्ति के साथ विवाह करता है या विवाह की संविदा करता है जिसका कि एक पति / जिसकी कि एक पत्नी जीवित हो सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा, अथवा

(ख) कोई व्यक्ति जिसका कि एक पति / जिसकी कि एक पत्नी जीवित हो किसी व्यक्ति के साथ विवाह करता है अथवा विवाह की संविदा करता है सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परतु केन्द्रीय सरकार यह समाधान हीते पर कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति पर और विवाह के बूसरे पश्चात्कार को लागू होने वाली स्वीय विधि के अधीन अनुशेय है और ऐसा करने के अन्य कारण हैं, किसी भी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

6. शिथिल करने की शक्ति:—जहां केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समचीन है वहां वह उन कारणों से जो लेखबद्ध किए जायेंगे, आवेदा द्वारा व्यक्तियों या पद के किसी वर्ग या प्रवर्ग के भारे में इन नियमों के उपचारों में से किसी को भी शिथिल कर सकेगी।

पद का नाम पदों वर्गीकरण	वेतनमान	पद सीधी भर्ती के सीधी भर्ती के लिए
की		सलैक्षण लिए ग्रायु अपेक्षित शैक्षिक तथा
संख्या		है अथवा सीमा अन्य अर्द्धताएं

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

1. अनुमंधान एक सामान्य सहायक	210-10-	लागू नहीं 25 वर्ष एंव	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय अथवा
रसायन शास्त्र।	केन्द्रीय सेवा श्रेणी-III।	होता उससे कम संस्था से विज्ञान विषय की डिग्री जिस में रसायन शास्त्र एक विषय रहा हो।	संस्था से विज्ञान विषय की डिग्री जिस में अधिमानतः औषधियों के परीक्षण अथवा विश्लेषण में 2 वर्ष का अनुभव
	अराजपत्रित	रो० 15-	अथवा
	अननुसन्धानीय	425 रु०	

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय अथवा संस्था से रसायन शास्त्र में एम० एस-मी० डिग्री और

क्या पदोन्नति से रखे जाने वाले उम्मीदवारों के मामले में प्रत्यक्ष हो।	परिवीआ की अवधि यदि कोई वास्ते व्यक्तिसे के लिए निधारित आय	भर्ती का तरीका दीर्घी भर्ती द्वारा या पदोन्नति के स्थानान्तरण के द्वारा अथवा भर्ती के मामले में वह ग्रेड जिससे वह अपने नियुक्ति स्थानान्तरण के द्वारा तथा विभिन्न तरीकों द्वारा भरे जाने वाले पदों की स्तरण किया जाना	पदोन्नति प्रतिनिधित्व के लिए संघीय समिति है तो उसका क्या लोक सेवा गठन है।	यदि विभागीय परिस्थिति वा पदोन्नति जिनमें भर्ती समिति है तो के लिए संघीय परामर्श लिया, आता है।
---	---	---	---	---

8

9

10

11

12

13

लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता।
----------------	--------	------------	----------------	----------------	-----------------

माय में लम्भग दो वर्ष का अनुभव जिसमें से कम से कम एक वर्ष का अनुभव औषधों के परीक्षण या विश्लेषण का हो ।

2. अनुसंधान एक सामान्य सहायक बनस्पति शौल ।

केमीय सेवा श्रेणी-III प्रशाजपक्षित अनुसंचित ।

210-10- 290-15- 380 रुपये ।

लागू नहीं होता ।

25 वर्ष एवं 30 रुपये ।

उससे कम ।

15-425 रुपये ।

(1) किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय अथवा संस्था से डिग्री जिसमें बनस्पति शैक्षण एक विषय रहा हो ।
 (2) प्रयोगशाला कार्य का दो वर्ष का अनुभव अथवा

(1) किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय अथवा संस्था से बनस्पति शास्त्र में एम०एस०सी० डिग्री
 (2) लगभग 2 वर्ष का अनुभव जिसमें से कम से कम एक वर्ष बनस्पति शास्त्र में अनुसंधान कार्य किया होना चाहिए ।

3. अनुसंधान एक सहायक (होम्योपैथी)

तदैव तदैव तदैव

(1) होम्योपैथी में डिप्लोमा, नामतः डी० एम० एस० या डी० एच० एस० या एल० सी० इ० एच० किसी मान्यता प्राप्त राज्य बोर्ड से 4 वर्ष का कोर्स करने

8

9

10

11

12

13

लागू नहीं होता

2 वर्षे

सीधी भर्ती

लाग नहीं होता

लाग नहीं

होता

लाग नहीं

होता ।

लागू नहीं होता

2 वर्षे

सीधी भर्ती

लाग नहीं होता

लागू नहीं

होता ।

लागू नहीं

होता ।

1

2

3

4

5

6

7

के पश्चात् उसके समक्ष अर्हता ;

(2) किसी मैडिकल कालेज में निर्धारक के काम का अमुभव वालनोय ।

8

9

10

11

12

13

[स० प० ए० 12018/2/70—प्रापना (नीति)]

म० श्रीनिवासन,
अवर सचिव, भारत सरकार।

(Department of Works, Housing and Urban Development)
(Directorate of Estates)

New Delhi, the 10th August 1970

G.S.R. 1221.—In exercise of the powers conferred by proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Directorate of Estates (Legal Assistant) Recruitment Rules, 1962, published with the notification of the Government of India in the late Ministry of Works, Housing and Supply, No. G.S.R. 660, dated 4th May 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Directorate of Estates, (Legal Assistant) Recruitment Rules, 1970.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Directorate of Estates (Legal Assistant) Recruitment Rules, 1962, for the existing entries in columns 5 and 6, the following entries shall respectively be substituted, namely:—

(i) Column 5—"22 years to 25 years"

(ii) Column 6—"(1) A degree of a recognised University or equivalent.

(2) A degree in Law from a recognised University."

[No. 45/8/61-Adm.A.]

T. K. BALASUBRAMANIAN, Dy. Director of Estates
and Ex-officio Under Secy.

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 16th June 1970

G.S.R. 1222.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and all other powers enabling him in this behalf the President hereby makes the following rules further to amend the Central Passport and Emigration Organisation (Recruitment and Promotion to Class III posts) Maintenance Rules 1968, namely:—

(1) These rules may be called the Central Passport and Emigration Organisation (Recruitment and Promotion to Class III posts) Maintenance Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Passport and Emigration Organisation (Recruitment and Promotion to Class III posts) Maintenance Rules, 1968, in sub-rule (1) of rule 6 for clause (c), the following clause shall be substituted, namely:—

(c) *Grade VII.*—(a) Ten percent of vacancies in Grade VII may be filled by appointment of Class IV employees (borne on regular establishment) working in the Central Passport and Emigration Organisation, who possess the educational qualification of Matriculation or equivalent and who are not above 40 years of age and who have rendered not less than five years of service in Class IV posts, on the basis of a departmental examination to be held in accordance with the Government orders issued from time to time for the purpose.

Provided that in the case of Scheduled Castes and Scheduled Tribes the upper age limit shall be 45 years:

Provided further that if sufficient number of persons do not become available, the vacancies shall be filled in the manner specified in sub-clause (b).

(b) Ninety per cent of the vacancies or such higher percentage as may be determined by the Controlling Authority in accordance with the proviso to sub-clause (a) shall be filled by recruitment in the following manner:—

- (i) by transfer of the locally recruited Indian clerks from Indian Missions abroad;
- (ii) by candidates nominated by the Central Surplus (Staff) Cell of the Ministry of Home Affairs.
- (iii) through the Employment Exchange in accordance with the rules on the subject as amended from time to time; and
- (iv) by transfer from other Government Offices.

[No. C PEO/5/70-V.IV/801/2/69.]

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 जून, 1970

जी० एस० आर० 1222.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्परुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का भवा इस उद्देश्य से प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति केन्द्रीय पासपोर्ट एवं उत्प्रवास संगठन (तृतीय श्रेणी के पदों पर भरती एवं पदोन्नति) अनुरक्षण नियम, 1968 में संशोधन करने के लिए नीचे लिखे नियम अनाते हैं :—

- (1) इन नियमों को केन्द्रीय पासपोर्ट एवं उत्प्रवास संगठन (तृतीय श्रेणी के पदों पर भरती एवं पदोन्नति) अनुरक्षण नियम, 1970 की संज्ञा दी जाएगी।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशित होने के दिन से लागू हो जायेंगे।

2. केन्द्रीय पासपोर्ट एवं उत्प्रवास संगठन (तृतीय श्रेणी के पदों पर भरती एवं पदोन्नति) अनुरक्षण नियम, 1968 में नियम 6 उपनियम 1 की धारा (ग) के स्थान पर निम्नलिखित धारा रखी जाएगी, यथा :—

(ग) वर्ग VII—(क) वर्ग VII के रिक्त स्थानों में 10 प्रतिशत रिक्त स्थान केन्द्रीय पासपोर्ट एवं उत्प्रवास संगठन में काम करते वाले चतुर्थ श्रेणी के ऐसे कर्मचारियों की नियुक्ति करके (नियमित सिवायी में जिनका नाम है) भरे जा सकते हैं जिनको शीशिक योग्यता मैट्रिक अथवा उसके बराबर हो और जो 40 वर्ष से ऊपर की अवस्था के न हों स्था जिन्होंने चतुर्थ श्रेणी के पद पर कम से कम

5 वर्ष कार्य किया हो ; ये नियुक्तियां विभागीय परीक्षा के आधार पर की जाएंगी जो कि इस उद्देश्य में सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुरूप नहीं जाएंगी ।

लेकिन अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के लिए अधिकतम आयु सीमा 46 वर्ष होगी ।

यह भी व्यवस्था है कि अगर पर्याप्त संख्या में ऐसे लोग उपलब्ध न हों तो ये रिक्त स्थान उपधारा (ब्र.) में बताई गई रीति से भरे जाएंगे ।

(ब) 90 प्रतिशत रिक्त स्थान अधिकारी उप धारा (क) के परन्तु के अनुसार इससे अधिक जितने प्रतिशत स्थान निश्चित करेंगे वे निम्नलिखित रीति से भरे जाएंगे :—

- (i) विवेश स्थित भारतीय मिणानों से स्थानीय भरती के भारतीय लिपियों का स्थानान्तरण करके ;
- (ii) गृह-कार्य मंत्रालय के 'केन्द्रीय असिस्टिंट (कर्मचारी) सैल' द्वारा नामजद उम्मीदवारों को लेकर ;
- (iii) इस विषय से संबद्ध नियमों के अनुसार, जैसा कि उनमें समय-समय पर संशोधन किया गया हो, रोजगार वफ़तर के माध्यम से ; और
- (iv) दूसरे सरकारी कार्यालयों से स्थानान्तरण करके ।

[सं० सी० पी० ई० ओ० 5/70 5-4/801/2/69]

New Delhi, the 23rd July 1970

G.S.R. 1223.—In exercise of the powers conferred by proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules ruther to amend the Central Passport and Emigration Organisation (Initial Constitution and Maintenance) Rules 1959, namely:—

- (1) These Rules may be called the Central Passport and Emigration Organisation (Initial Constitution and Maintenance) Amendment Rules, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Passport and Emigration Organisation (Initial Constitution and Maintenance) Rules, 1959, for rule 19, the following shall be substituted, namely:—

"19 Reservation of posts for Scheduled Castes and Tribes etc.—

Appointments to the Service shall be subject to orders regarding special representation in the services for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons issued by the Government from time to time."

[No. CPEO/7/70-V.IV/801/1/70.]

M. L. KHOSLA,
Attache (PVA),

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1970

जो० एस० आर० 1223.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्परा द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति केन्द्रीय पासपोर्ट और उत्प्रवासन संगठन (प्रारम्भिक गठन और निर्बहन) नियम, 1959 में संशोधन करने के लिए नीचे लिखे नियम भी बनाते हैं, यथा:—

- (1) इन नियमों को केन्द्रीय पासपोर्ट और उत्प्रवासन संगठन (प्रारम्भिक गठन और निर्बहन) संशोधन नियम, 1970 की संशा दी जाएगी।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशित होने के दिन से लागू हो जाएंगे।
2. केन्द्रीय पासपोर्ट और उत्प्रवासन संगठन (प्रारम्भिक गठन और निर्बहन) नियम, 1959 में नियम 19 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा।

“अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए 19 पदों का प्रारक्षण:—

उक्त सेवा में नियुक्तियाँ उम आदेशों के अधीन होंगी, जो सेवाओं में अनुसूचित जातियों और जनजातियों तथा अन्य विशेष श्रेणी के लोगों के विशेष प्रतिनिधित्व के सम्बन्ध में सरकार द्वारा सभव-समय पर जारी किए जाएंगे”।

[सं० सी० पी० ई० ओ०/7/70-वी० चार/801/1/70]

एम० एस० खोसला,
सहचारी (पी वी ए)।

DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS

(Posts and Telegraphs Board)

New Delhi, the 27th July 1970

G.S.R. 1224.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Public Relations Officer, a class I post in the General Central Service, under the Posts and Telegraphs Directorate, namely:—

1. **Short title and commencement.**— (1) These rules may be called the Posts and Telegraphs Directorate (Public Relations Officer) Recruitment Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Application.**—These rules shall apply to the post as specified in column 1 of the Schedule annexed hereto.

3. **Number of post, classification and scale of pay.**—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. **Method of recruitment, age limit and other qualifications.**—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid:—

Provided that the upper age limit specified for direct recruitment in column 6 of the said Schedule may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders of the Central Government issued from time to time.

5. **Disqualifications.**—(a) No person, who has more than one wife living, or who, having a spouse living, marries in any case in which such marriage is void by reasons of its taking place during the life-time of such spouse, shall be eligible for appointment to the said post; and

(b) No woman, whose marriage is void by reason of the husband having a wife living at the time of such marriage, or who has married a person who has a wife living at the time of such marriage, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied, that there are special grounds for so ordering, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or post.

Recruitment Rules for the post of Public Relations Officer in the Post and

Name of Post	No of Posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or non-Selection Post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Public Relations Officer	One	General Central Service Class I Gazetted.	Rs 700—40—1100—50/2—1250 with a special pay of Rs 100/- per month	Not applicable	Not exceeding 40 years (Relaxable for Government servants)	<p><i>Essential:</i></p> <p>(i) Degree of recognised University or equivalent qualifications with proficiency in English and Hindi.</p> <p>(ii) About 7 years' journalistic/Editorial experience in a supervisory capacity in a newspaper or news agency or publicity organisation of standing.</p> <p>(Qualifications relaxable at Commission's discretion in the case of candidates otherwise well-qualified).</p> <p><i>Desirable:—</i></p> <p>(i) Diploma in Journalism.</p> <p>(ii) Experience of Production/Printing aspects of publication work.</p>

Telegraphs Directorate, Department of Communications

Whether age and educational qualifications if any prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees Period of probation, whether by direct recruitment, or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods Method of recrt, by direct promotion/deputation/ transfer, grades from what is its which promotion/deputation/transfer to be made If a DPC exists, what is its composition Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recrt.

8	9	10	11	12	13
Not applicable	Two years	Direct recruitment.	Not applicable	Not applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation), Regulation 1958.

[No. 24/7/68-SPA.]

K. BHARATHAN,
Assistant Director General (SG).

संचार विभाग

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1970

सा० का० नि० 1224.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति लोक सम्पर्क अधिकारी के पद पर, जो डाक-तार निदेशालय के अधीन साधारण केन्द्रीय में वर्ष 1 वर्ष तक है, भर्ती की पढ़ति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:—(1) ये नियम डाक-तार निदेशालय (लोक सम्पर्क अधिकारी) भर्ती नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

(2) ये शासकीय गजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त हो जाएंगे।

2. लागू होना:—ये नियम इसमें उपावद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे।

3. पद की संख्या, वर्गीकरण और वर्तमान:—पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसमें संबंधित वर्तमान वर्होंग जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से लेकर 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पढ़ति, आयुसीमा और अन्य अर्हताएँ:—भर्ती की पढ़ति, आयु सीमा, अर्हताएँ और उक्त पद में सम्बद्ध अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से लेकर 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं:

परन्तु अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों और अन्य विशेष व्यक्तियों के अधिकारीयों की दशा में, सीधी भर्ती के लिए उक्त अनुसूची के स्तम्भ 6 में विनिर्दिष्ट उच्चतम आयु सीमा समय-समय पर निकाले गए केन्द्रीय सरकार के आदेशों के अनुसार, शिथिल की जा सकेगी।

5. निर्हंपाएँ:—(क) वह व्यक्ति उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा जिसकी एक से अधिक पत्नियां जीवित हैं या जो एक पत्नी के जीवित रहते हुए किसी ऐसी दशा में विवाह करता है जिसमें ऐसा विवाह इस कारण शून्य है कि वह ऐसी पत्नी के जीवन काल में होता है;

(ख) वह स्त्री उक्त पद पर नियुक्ति की पात्र नहीं होगी जिसका विवाह इस कारण शून्य है कि उस विवाह के समय उसके पति की पत्नी जीवित थी या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पत्नी उस विवाह के समय जीवित थी :

परन्तु केन्द्रीय सरकार यह समाधान हो जाने पर कि किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन सेल्फूट देने व्यवस्था अधिकार है, आदेश दे सकेगा कि उसे छूट दी जाए।

6. शिथिन करने की जिकि :—जहां केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना आवश्यक आ समीचीन है, वहां वह उन कारणों से जो लेखबद्ध किए जाएंगे, और संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से आदेश द्वारा व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग या गढ़ के बारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को भी शिथिन कर सकेगा।

अनु

डाक-तार निवेशालय, संचार विभाग में लोक संपर्क

पद का नाम पद की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रबलण पद अधिका री	सीधी भर्ती बालों के आय शीमा पद	सीधी भर्ती बालों के लिए लिए अपेक्षित और्ध्वाधिक श्रीर अन्य अर्हताएँ प्रबलण
------------------------------	----------	---------	-----------------------------	---	---

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

लोक संपर्क अधिकारी ।	एक साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 1 राज- पत्रित ।	प्रतिमास विशेष वेतन महित 700— 40—1100— 50/2— 1250 ₹० ।	लागू नहीं होता ।	40 वर्ष में अनधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है) ।	प्रावधानक : (i) अप्रेजी और हिन्दी में प्रवीणता सहित किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समतुल्य अर्हता (ii) किसी समाचार पत्र या समाचार अधिकरण या छायात्रि प्राप्त प्रधार संगठन में पर्यावरणीय हैसियत में यत्कारिता सं- बन्धी सम्पादकीय कार्य का 7 वर्ष का अनुभव । (अन्यथा मुश्यहित अध्यर्थियों की दशा में अर्हताएँ आयोग के
-------------------------	--	---	------------------------	--	--

सूची

प्रधिकारी के पद के लिए भर्ती नियम

क्या सीधी परिवीक्षा की भर्ती की प्रोन्हति / यदि विभा- वे परिस्थितियाँ जिनमें
 भर्ती वालों के कानावधि, पद्धति, क्या प्रतिनियक्ति/ गीय प्रोन्हति भर्ती करने में संघ लोक
 लिए विहित यदि कोई हो भर्ती सीधी अन्तरण द्वारा समिति विद्यु- सेवा आयोग से परामर्श
 प्रायु और होगी या भर्ती की दशा मान है तो किया जाना है
 शैक्षणिक अहं- प्रोन्हति द्वारा या प्रति- जिनसे प्रोन्हति/ चना क्या है
 ताएं प्रोन्हति की दशा में नियुक्ति/ प्रतिनियुक्ति/
 लागू होगी अन्तरण द्वारा, अन्तरण किया
 तथा विभिन्न जाना है
 पद्धतियों द्वारा
 भरी जाने
 वाली रिक्तियों
 की प्रतिशतता

8

9

10

11

12

13

लागू नहीं होता ।	दो बार	सीधी भर्ती	लागू नहीं होता ।	लागू नहीं होता ।	संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श में छूट) विनियम, 1958 में जैसा अपेक्षित है ।
------------------	--------	------------	------------------	------------------	---

1

2

3

4

5

6

7

विवेकानुसार शिथिल
की जा सकती हैं) ।

बांधनीय :

- (i) पत्रकारिता में
डिप्लोमा ।
- (ii) प्रकाशन कार्य के
प्रोडक्शन/छपाई/
पत्रों का अनभव ।

[मं० 24/7/68-एस० पी० ए०]

के भरतम्,
सहायक महानिदेशक, डाक-तार ।

(Posts and Telegraphs Board)
CORRIGENDUM

New Delhi, the 6th August 1970

G.S.R. 1225.—In the Indian Telegraph (Eighth Amendment) Rules, 1969, published with the Notification of the Government of India in the Department of Communications (P. & T. Board) No. 2-4/69-R, dated the 28th April, 1969 as G.S.R. 1080 at pages 321 to 323 of Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 28th April, 1969:—

- (1) at page 322, omit item 5
- (2) at page 323, omit item 10
- (3) at page 323, in item 14, for "clause (12)", read "clause (b)".

[No. 2-4/69-R.]

V. K. SETH,
Assistant Director-General (Rates).

(डाक-तार बोर्ड)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 6 अगस्त 1970

जी० एस० आर० 1225.—भारतीय तार (अष्टम संशोधन)नियम, 1969 में जो भारत सरकार के संचार विभाग (डाक-तार बोर्ड)की अधिसूचना सं० 2-4/69-आर, तारीख 28 अप्रैल, 1969 के साथ भारत के राजपत्र असाधारण, तारीख 28 अप्रैल, 1969, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i) के पृष्ठ 321—323 पर सा० का० नि० 1080 के रूप में प्रकाशित हुआ है:—

- (1) पृष्ठ 322, पर मद 5 लुप्त कर दीजिए;
- (2) पृष्ठ 323, पर मद 10 लुप्त कर दीजिए;
- (3) पृष्ठ 323, पर मद 14 में "खण्ड (12)" के स्थान पर "खण्ड (ब)" पढ़िये।

[सं० 2-4/69-आर]

विमल किशोर सेठ,
सहायक महानिदेशक (आर)।

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND CO-OPERATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, 12th November, 1970

G.S.R. 1226.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Law Officer (Fertiliser) in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Co-operation (Department of Agriculture), namely :—

1. *Short title and commencement* :—(1) These rules may be called the Department of Agriculture (Law) Officer (Fertiliser) Recruitment Rules, 1969.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. *Application* :—These rules shall apply to the post specified in column 1 of the Schedule annexed hereto.

3. *Number of posts, its classification and scale of pay* :—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. *Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.*—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto, shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

5. *Disqualifications*.—(1) No person, who has more than one wife living or who, having a spouse living, marries in any case in which such marriage is void by reason of its taking place during the life-time of such spouse, shall be eligible for appointment to the said post.

(2) No woman, whose marriage is void by reason of the husband having a wife living at the time of such marriage, or who has married a person who has a wife living at the time of such marriage, shall be eligible for appointment to the said post.

(3) The Central Government may, if it is satisfied that there are special grounds for so ordering, exempt any person from the operation of this rule.

6. Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or the post.

SCHEDULE

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of Pay
1	2	3	4
Law Officer (Fertiliser)	1	General Central Service Class I Gazetted.	Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950

Whether selection Post or non-selection Post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of Probation
5	6	7	8	9
Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable

Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion from which promotion/depu- or by deputation/trans- fer & percentage of the vacancies to be filled by various methods

In case of rectt. by promotion/ deputation/transfer, grades what is its composition U.P.S.C. is to be consulted in making rectt.

	10	II	12	13
By transfer on deputation	<i>Transfer on deputation:</i> Class I/Class II Gazetted Officers under the Central Government/State Government/including Union Territories and possessing the following qualifications:— (i) A degree in Law of a recognised University or equivalent qualifications. (ii) About 5 years' experience in work relating to commercial tax. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years.)	Not applicable.		As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.

[No. 11-7/69—Estt. I]
S. G. SUNDARAM, Under Secy.

खाग्र, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1969

जो० एस० आर० 1226.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति खात, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय (कृषि विभाग) में विधि अधिकारी (उर्वरक) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले एन्डब्ल्यूरा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नियम और प्रारम्भ :— (1) ये नियम कृषि विभाग विधि अधिकारी (उर्वरक) भर्ती नियम, 1969 कहे जा सकेंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारिख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना :—ये नियम इसमें उपावढ़ अनुमूल्य के स्तरम् 1 में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे।

3. पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और वेतनमात्रा :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उससे संलग्न वेतनमात्रा वे होंगे जो उक्त अनुमूल्य के स्तरम् 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा अर्हताएं, आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उनमें सम्बद्ध अन्य वार्ताएं वे होंगी जो यूरोपियन अनुमूल्य के स्तरम् 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

5. निरर्हताएँ :—(1) वह व्यवित उक्त पद पर नियुक्ति का पालन नहीं होगा जिसकी एक से अधिक पत्नियां जीवित हैं या जो एक पत्नी के जीवित रहते हुए किसी ऐसी दशा में विवाह करता है जिसमें ऐसा विवाह इस कारण शून्य है कि वह ऐसी पत्नी के जीवनकाल में होता है।

(2) वह स्त्री उक्त पद पर नियुक्ति की पालन नहीं होगी जिसका विवाह इस कारण शून्य है कि उस विवाह के समय उसके पति की पत्नी जीवित थी या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पत्नी उस विवाह के समय जीवित थी।

(3) केन्द्रीय सरकार का यदि समाधान हो गया है कि किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट देने योग्य विषेष आधार हैं तो वह उसे छूट दे सकेगी।

6. जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उन कारणों से जो लेखबद्ध किए जाएँगे और संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से ग्रादेश द्वारा व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग या पद के बारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को भी विचित्र कर सकेगी।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रवरण पद अथवा अप्रबरण पद	सीधी भर्ती वालों के लिए आयु सीमा
1	2	3	4	5	6
विधि अधिकारी (उर्वरक)	1	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 1 राजपत्रित	400—400— 450—30— 600—35— 670—द० रु०—35— 950	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

सीधी भर्ती वालों के लिए क्या सीधी भर्ती वालों के परिवेक्षा की अपेक्षित जैक्षिक अर्हताएं लिए विद्वित आयु और जैक्षिक अर्द्धताएं प्रोत्तित कोई हो की दशा में लागू होंगी

भर्ती की पद्धति, क्या भर्ती सीधी होगी या प्रोत्तित द्वारा या प्रतिनियुक्ति / अन्तरण द्वारा, तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

7

8

9

10

लागू नहीं होता

लागू नहीं होता

लागू नहीं होता

प्रतिनियुक्ति पर अन्तरण द्वारा।

प्रोत्तित / प्रतिनियुक्ति / अन्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोत्तित / प्रतिनियुक्ति / अन्तरण किया जाना है

यदि विभागीय प्रोत्तित समिति विद्यमान है तो उसकी संरचना क्या है

वे परिस्थितियां जिनमें भर्ती करने में संघ लोक सेवा आयोग से प्ररामण किया जाना है

11

12

13

प्रतिनियुक्ति पर अन्तरण,

केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार, जिसमें संघ राज्य क्षेत्र भी सम्मिलित है, के वर्ग 1/ वर्ग 2 राजपत्रित अधिकारी जो निम्न-लिखित अर्हताएं रखते हैं:—

- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विधि में डिग्री या समतुल्य अर्हताएं।
 - (ii) वाणिज्य कर से सम्बन्धित कार्य में लगभग 5 वर्ष का अनुभव।
- (प्रतिनियुक्ति की कालावधि मामूली तौर पर 3 वर्ष से अधिक)

लागू नहीं होता

संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) 1958 के अधीन यथा अपेक्षित है।

[सं० 11-7/69-स्थापना-1]

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 7th August 1970

G.S.R. 1227.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Extension Education Institute, Nilokheri (Class I and II Posts) Recruitment Rules, 1968, namely:—

- (i) These rules may be called the Extension Education Institute, Nilokheri, (Class I and II Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1970.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- (iii) In the Schedule to the Extension Education Institute, Nilokheri (Class I and II Posts) Recruitment Rules, 1968, in the entries relating to the post of Lecturer in Home Science-cum-regional Home Economist (North), for the existing entries under columns (2), (4), (6) and (7), the following entries shall respectively be substituted, namely:—

(2)	(4)	(6)	(7)
Lecturer in Home Economics-cum-Regional Home Economist (North)	Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950.	40 years and below. (Relaxable for Government servants)..	<p>Essential:</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) Master's Degree in Home Economics/Home Science/Domestic Science of a recognised University. (ii) About 3 years' experience in Home Science teaching in Home Science Colleges or Home Science Centres for training Gram Savikas. (iii) Familiarity with rural conditions in India. <p>Qualifications relaxable at Commissions discretion in case of candidates otherwise well qualified.</p> <p>Desirable :</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) Master's Degree in Home Science of a recognised University. (ii) Publications in Home Science subjects. (iii) Familiarity with a regional language.

[No. 10-2/63-AE/EE.I.]
L. P. SUBRAMANIAM, Under Secy.